



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 43] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 27, 1979 (कार्तिक 5, 1901)
No. 43] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 27, 1979 (KARTIKA 5, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 मिनम्बर, 1979

सं० पी०/1818-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4 अगस्त, 1978 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर डा० वी० सुब्रह्मण्यम की नियुक्ति को गृह मन्त्रालय, कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के पत्र सं० 39017/19/79-स्था० (ख) दिनांक 31-8-79 द्वारा अनुमोदिन और कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 39/70/पी० पी० दिनांक 9-1-79 की शर्तों के अनुसार, 1 मिनम्बर, 1979 से 2 वर्ष की अनतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दिया गया है।

दिनांक 17 मिनम्बर 1979

सं० पी०/271-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15-3-79 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सेवा निवृत्त विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) श्री एस० पी० चक्रवर्ती की पुनर्नियुक्ति की प्रवृत्ति 296GI/79

को 1-9-79 से 31-12-79 तक बढ़ा दिया गया है, जिसकी अनुमति गृह मन्त्रालय, कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के पत्र सं० 39017/16/79-स्था० (ख) दिनांक 31-8-79 द्वारा दी गई है।

सं० ए० 32013/3/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 16-6-79 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड 1 अधिकारी श्री एस० के० बोस को राष्ट्रपति द्वारा 19-8-79 से तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 24 मिनम्बर 1979

सं० ए० 32013/1/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में

तदर्थ आधार पर अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	अवधि
1.	श्री जे० पी० गोयल (के०स०से० का अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी)	17-8-79 से 30-9-79 तक
2.	श्री आर० एन० खुराना (के०स०से० का अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी)	20-8-79 से 30-9-79 तक
3.	श्री एम० एस० गणपति राम (के०स०स्टे०से० के ग्रेड क अधिकारी)	6-8-79 से 30-9-79 तक
एस० बालचन्द्रन अवर सचिव संघ लीक सेवा आयोग		

गृह मंत्रालय का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर 1979

सं० ए-19035/6/79-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री आर० एन० पाण्डे को दिनांक 7-9-79 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० गोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 अक्टूबर 1979

सं० ओ० दो० 1100/78-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) अथवा राजन् को 6-9-1979 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो० 1445/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सना त्रिवेदी को 14-9-79 के पूर्वाह्न से केवल छः माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 6 अक्टूबर 1979

सं० ओ० दो० 256/70-स्थापना—राष्ट्रपति श्री जी० एम० रतुरी को तदर्थ पदोन्नति पर आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमाण्डेन्ट के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्ति करते हैं।

श्री जी० एस० रतुरी ने सहायक कमाण्डेन्ट 28 बटालियन सी० आर० पी० एफ० के पद का कार्यभार दिनांक 14 अगस्त 1979 के अपराह्न से सम्भाला।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, गुजरात

महमदाबाद-380001, दिनांक 4 अक्टूबर 1979

सं० स्था० (ए)/जीपी०/2153--महालेखाकार गुजरात ने आधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्य श्री के० एम० नायर को दिनांक 24-9-79 पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

के० पी० लक्ष्मण राव
उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र-1

बम्बई-400020, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० प्रशासन-1/आएजी/31-खण्ड 3/सी-1(1)/4—महालेखाकार, महाराष्ट्र-1 बम्बई अधिनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सन्मुख निर्दिष्ट किए गए दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रमांक सं०	नाम	दिनांक
1.	श्री के० एल० देशपांडे	27-8-79 पूर्वाह्न
2.	श्री एस० एन० पाडालकर	27-8-79 पूर्वाह्न
3.	श्री एम० बी० देशपांडे	16-8-79 पूर्वाह्न
4.	श्री एस० के० गोपूजकर	16-8-79 पूर्वाह्न

एस० आर० मुखर्जी,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान

जयपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० प्रशा०-II/जी० नोटीफिकेशन/861—महालेखाकार राजस्थान ने सर्व श्री राम प्रकाश वाण्य और हरचरण सिंह, अनुभाग अधिकारियों को पदोन्नत करके दिनांक 10-9-79 (पूर्वाह्न) से अग्रेतर आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है।

र० अ० बोरकर

वरिष्ठ ज्य महालेखाकार/प्रशासन

निदेशक, लेखा परीक्षक का कार्यालय, मध्य रेलवे

बम्बई-1, दिनांक 29 सितम्बर 1979

सं० ए०यू०/ग्रंथमन/मिस/कान/7336—श्री डी० आर० आम्बे, अनु० अधिकारी, (ले० परीक्षा), दिनांक 23-7-79 से इस कार्यालय में लेखा परीक्षा अधिकारी के कार्यभारी पद पर नियुक्त किये गये।

श्रीमती आर० कृष्ण कुट्टी

निदेशक लेखा परीक्षक

सरकारी व्यय आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० 1(8)-ए/सी०पी० ई०/79—वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से स्थानान्तरण होने पर, उक्त मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा संवर्ग के ग्रेड 'बी' आशुलिपिक श्री एम० एन० शर्मा को, 18 अगस्त, 1979 के दोपहरपूर्व से अगले आदेश होने तक सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर 650-1040 रु० के वेतनमान में सरकारी व्यय आयोग में वरिष्ठ व्यक्तिक सहायक (केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा का ग्रेड 'बी०' में नियुक्त किया गया है।

यू० एस० टेकचन्दानी

अवर सचिव (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

आर्डर्नेस फैंक्टरी बोर्ड,

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,

कलकत्ता, दिनांक 22 सितम्बर 1979

सं० 47/79/जी०—डी० जी० ओ० एफ० महोदय, निम्न-लिखित अधीक्षकों को सहायक स्टाफ अफसर (श्रेणी-II), राजपत्रित के पद पर दिनांक 28 मई, 1977 से नियुक्त करते हैं।

1. श्री गोविन्द चन्द्र भट्टाचार्य (अब अवकाश प्राप्त)
2. श्री सत्यव्रत नाग (अब अवकाश प्राप्त)

3. श्री अमिया रंजन बोस
4. श्री शांति कुमार बनर्जी (अब अवकाश प्राप्त)
5. श्री अमरेन्द्र नाथ चौधुरी (अब अवकाश प्राप्त)
6. श्री कृष्ण लाल देवनाथ
7. श्री नारायण दास चौधुरी (अब अवकाश प्राप्त)
8. श्री नलिनी मोहन चटर्जी (अब अवकाश प्राप्त)
9. श्री विपुलेन्द्र नाथ मित्रा (अब अवकाश प्राप्त)
10. श्री व्यामकेश मानिक
11. श्री रघुनाथ दास गुप्ता
12. श्री बी० कैलाशन्
13. श्री पार्वती कुमार गोस्वामी
14. श्री अनिमेष दास गुप्त (अब अवकाश प्राप्त)
15. श्री निर्मल चन्द्र दास
16. श्री प्रशांत कुमार मल्लिक
17. श्री रणजित कुमार दास
18. श्री विभूति भूषण चौधुरी
19. श्री कालिका प्रसाद सुकुल
20. श्री सन्तोष कुमार सेन
21. श्री मानिक लाल गंगुली (अब अवकाश प्राप्त)
22. श्री रामनारायण प्रसाद देव
23. श्री निर्मल्य भूषण चक्रवर्ती
24. श्री सवितान्धु प्रकाश गोस्वामी
25. श्री शिव चन्द्र सरकार (अब अवकाश प्राप्त)
26. श्री बिनय भूषण चौधुरी
27. श्री दिलीप कुमार मित्रा
28. श्री प्रमोद चन्द्र राय
29. श्री बारीन्द्र नाथ घोष
30. श्री धीरेन्द्र नाथ साहा
31. श्री कृष्ण मोहन (अब अवकाश प्राप्त)
32. श्री जोगेश चन्द्र सेन (अब अवकाश प्राप्त)
33. श्रीमती रामु राजागोपालन (अब अवकाश प्राप्त)
34. श्री सुशील चन्द्र राय
35. श्री एच० बी० सेन शर्मा
36. श्रीमती बनलता मजुमदार (अब अवकाश प्राप्त)
37. श्री तुलसी चरण दास (अब अवकाश प्राप्त)
38. श्री सुशील कुमार दास
39. श्री सुनील कुमार सेन गुप्ता
40. श्री कालिदास गुहा (अब अवकाश प्राप्त)
41. श्री नारायण गंगोपाध्याय
42. श्रीमती ज्योत्स्ना सेन
43. श्री बलराम पाइन
44. श्री सुधीर चन्द्र दास (अब अवकाश प्राप्त)
45. श्री प्रिय गोपाल गोस्वामी
46. श्री अमिया कुमार बोस
47. श्री शिशिर कुमार चक्रवर्ती

48. श्री विश्वरंजन गुप्ता
49. श्री लक्ष्मी नारायण सामन्त
50. श्री सुधीर कुमार दत्ता (अब अवकाश प्राप्त)
51. श्री दिलीप सेन

सं० 48/79/जी०—डी० जी० ओ० एफ० महोदय, निम्न-लिखित अफसर सुपर बाइजर गण को स्टाफ अफसर (वर्ग-I राजपत्रित) के पद पर दिनांक 28 मई, 1977 से नियुक्त करते हैं :—

1. श्री रत्नान्द्र नाथ बोस (अब अवकाश प्राप्त)
2. श्री हरिभूषण घोष
3. श्री कनार्ई लाल मुखर्जी (अब अवकाश प्राप्त)
4. श्री हरिपद चटर्जी (अब अवकाश प्राप्त)
5. श्री प्राफुल्ल नाथ मान्याल (अब अवकाश प्राप्त)
6. श्री तिमिरि रंजन दत्ता
7. श्री भूपति भूषण विश्वास
8. श्री कृष्ण चन्द्र भट्टाचार्य, (अब अवकाश प्राप्त)
9. श्री मनमोहन लाल नन्दा (अब दिवंगत)

दिनांक 3 अक्तूबर 1979

सं० 49/79/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री आर० एन० बोस, स्थातापन्न सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०/मौलिक एवं स्थायी डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० दिनांक 31 अगस्त, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

दिनांक 4 अक्तूबर, 1979

सं० 50/79/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री के० सं० मुखर्जी, स्थातापन्न सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०/मौलिक एवं स्थायी डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० दिनांक 30 सितम्बर, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति, एवं सहायक मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्तूबर 1979

आयात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण
(स्थापना)

सं० 6/1291/79-प्रशासन(राज०)/7127—मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एतद् द्वारा पर्यटन तथा नागरिक विमानन मंत्रालय, लखनऊ के रेलवे सुरक्षा अनुभाग में सहायक, श्री फ्रांसीस एंटोनी को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में नियन्त्रक, आयात-निर्यात (श्रेणी-ख) के रूप में 31 अगस्त, 1979 के पूर्वोक्त लेखा आदेश जारी होने तक स्थातापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

2. नियन्त्रक के रूप में श्री फ्रांसीस एंटोनी 650-30-740-35-810-द० री०-880-40-1000-द० री०-40-1200 रु० के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे ।

सी० एस० आर्य,
उप-मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 5 अक्तूबर, 1979

सं० 18(1)/77-सी० एल० बी०—वस्त्र (शक्तिचालित करघों द्वारा उत्पादन) नियन्त्रण आदेश, 1956 के खंड-II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (32-ए) 59, दिनांक 16 मार्च, 1959 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करना है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 4 के सामने स्तम्भ 2 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जायेंगी अर्थात् :—

- “(1) उद्योग निदेशक/निदेशक (हाथकरघा और रेशम-उत्पादन)
- (2) वस्त्र नियंत्रक
- (3) व्यायाधीशगण
- (4) पूर्ति (वस्त्र) निरीक्षणगण
- (5) महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र”

म० वा० चेंबुरकर,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० ए-17011/41/72-ए-6—स्थायी भंडार परीक्षक (इन्जी०) तथा निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में स्थातापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) श्री पी० के० कृष्णन 13-8-79 (अपराह्न) से ऐच्छिक सेवा निवृत्त हो गये हैं ।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्तूबर 1979

सं० प्र० 6/247(229)—बर्णपुर निरीक्षणालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु रसायन) श्री पी० एस० भट्टाचार्य निवृत्तमान आयु होने पर दिनांक 30 जून, 1979 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये ।

सं० ए-17011/48/72-प्र०-6—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-III में सहायक निदेशक निरीक्षण (इन्जी०) श्री बी० के० श्रीधर को दिनांक 3 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-II में उप निदेशक निरीक्षण (इन्जी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री बी० के० श्रीधर ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (निरीक्षण स्कन्ध) नई दिल्ली में दिनांक 31 अगस्त, 1979 के अपराह्न को सहायक निदेशक निरीक्षण का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 3 सितम्बर, 1979 के निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (इन्जी०) का पदभार संभाल लिया।

दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० प्र-1/1(589)—पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक, श्री ई० सी० दस्तूर निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 30 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

कुल्लु किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)
नूते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 5 अक्टूबर 1979

सं० सी० 5557/718-ए—श्री लक्ष्मीचन्द्रा, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक कार्यालय, की नियुक्ति श्री एम० एम० अश्ववर्ती, स्थापना एवं लेखा अधिकारी जो 31 अगस्त, 1979 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए हैं, के स्थान पर, पश्चिमी सफ़िख कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग जयपुर में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० सि० से० ग्रुप 'बी') के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 3 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में की जाती है।

सं० सी-5558/594—निम्नलिखित तकनीकी सहायक सिले० ग्रेड, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक प्रबन्धक मानचित्र पुनरुत्पादन (ग्रुप 'बी') के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं—

1. श्री जे० एन० कार्की 22 जून, 1979 (पूर्वाह्न)

2. श्री चानन सिंह 14 जून, 1979 (पूर्वाह्न)
के० एल० खोसला,
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 अक्टूबर 1979

सं० ए-12026/19/77 (जे०आई०पी०) छुट्टी/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती जी० अनुराधा विशानिक अधिकारी सह-शिक्षक (शरीर विज्ञान) जवाहरलाल स्नात-कोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान पांडिचेरी का त्याग पत्र 31 जुलाई, 1979 अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

सं० ए० 19019/3/77-(एन०एम०ई०पी०) छुट्टी/प्रशासन-I—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर श्री आर० डी० माया, उप सहायक निदेशक (भण्डार) राष्ट्रीय भलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली 31 जुलाई, 1979 अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 अक्टूबर 1979

सं० ए-32015/4/78-स्टोर-1 (भाग)—इस निदेशालय की 9 जुलाई, 1979 की अधिसूचना संख्या ए-32015/4/78-स्टोर-1 (भाग) के क्रम में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने परिवार कल्याण उप डिपो के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री जे० के० लोन को 13 जुलाई, 1979 पूर्वाह्न से और 6 महीने की अवधि के लिये उसी डिपो में सहायक डिपो प्रबन्धक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

प्रेम कुमार घई
विशेष कार्य अधिकारी (भंडार)

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 3 अक्टूबर 1979

सं० ए० 19023/74/78-प्रशा०-III—इस निदेशालय में विपणन अधिकारी (वर्ग-II) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को 31-12-79 तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है—

1. श्री जी० के० पल्लन
2. श्रीमती आर० एस० नेहते

दिनांक 4 अक्टूबर 1979

सं० ए० 19024/5/79-प्रशा०-III—श्री एस० आर० मुखर्जी, वरिष्ठ रसायनज्ञ को तारीख 11-9-79 (पूर्वाह्न) से तदर्थ

आधार पर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न मुख्य रसायनज्ञ के रूप में कानपुर में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० ए० 35014/2/78-प्रशा०-III—ग्रण्डमान और निकोबार प्रशासन के कृषि निदेशालय में विपणन अधिकारी के पद पर चयन होने के उपरान्त इस निदेशालय के विपणन अधिकारी श्री आर० सुब्रामण्यम की सेवाओं को तारीख 17-9-79 (अपराह्न) से प्रतिनियुक्ति पर 2 साल के लिये ग्रण्डमान और निकोबार प्रशासन के अधीन सौंपा जाता है।

सं० ए० 19026/2/79-प्रशा०-III—श्री आई० एन० चहानडे, अनुभाग अधिकारी (केन्द्रीय सचिवालय सेवा) को तारीख 5-9-1979 (अपराह्न) से मंडी नियोजन एवं आकृति केन्द्र, नागपुर में एक वर्ष के लिये प्रतिनियुक्ति के आधार पर या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० ए०-19023/9/79-प्रशा०-III—प्रत्यावर्तन होने के बाद श्री एच० एन० भटनागर ने तारीख 23-8-79 के अपराह्न में कानपुर में मुख्य रसायनज्ञ के पद का कार्यभार छोड़ दिया है और तारीख 3-9-1979 के पूर्वाह्न से बम्बई में विपणन अधिकारी (वर्ग-III) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

बी० एल० मनिहार
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 29 सितम्बर 1979

सं० डी० पी० एस०/21/1(3)/78-स्थापन/29854—निदेशक, ऋय और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्रीमती एंली मैथ्यूस, स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ भंडारी) तथा स्थानापन्न भंडारी को सहायक भंडार अधिकारी पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने हेतु रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०, रो०-40-1200 के वेतन-क्रम में अस्थायी रूप से दिनांक 1 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेशों तक, इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ,
प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

कोटा, दिनांक 31 जुलाई 1979

सं० रापविप/भर्ती/7(8)/79/स्थल/1016—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के एक स्थायी उच्चश्रेणी लिपिक और राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री के० आर०

के० राव, को इसी परियोजना में ही मई, 8, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये अस्थायी रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी के ग्रेड पद पर (रू० 650-960) स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 5 अक्टूबर 1979

सं० प० ख० प्र०-1/13/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री यू० पी० सिंह को परमाणु खनिज प्रभाग में 20 अगस्त, 1979 अपराह्न से लेकर आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एम० एन० राव,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380 053, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० एस० एस० जी०/क० सी० पी०/7/3055/79—अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक इसी केन्द्र के अस्थायी इंजीनियर 'एस० बी०' श्री सी० एस० ए० कामथ का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 7 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

दिनांक 28 सितम्बर 1979

सं० स्थापना/आई० एस० सी० ई० एस०/8—निदेशक, अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र/भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन/अन्तरिक्ष विभाग में श्री ए० ज० व्यास को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप से दिनांक 15 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 सितम्बर 1979

सं० स्थापना/आई० एस० सी० ई० एस०/10—निदेशक, अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र/भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन/अन्तरिक्ष विभाग में श्री ए० वी० आष्टे को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप से दिनांक 10 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० स्थापना/आई० एस० सी० ई० एस०/11—निदेशक, अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र/भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन/अन्तरिक्ष विभाग में श्री राजकुमार अरोड़ा को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप से दिनांक 10 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० स्थापना/अ.ई० एम० सी० ई० एम०/12—निदेशक, अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र/भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन/अन्तरिक्ष विभाग में श्री बा० एन० देसाई को इंजीनियर एम० बी० के पद पर स्थायी रूप में दिनांक 22 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से आगामा आदेश नग नियुक्त करते हैं।

एम० जी० नायर
प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक अक्टूबर, 1979

सं० ई०(1)/03357—भारत मौसम विज्ञान विभाग के अन्तर्गत, प्रादेशिक, मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशक के अधीनस्थ मौसम केन्द्र त्रिवेन्द्रम के श्री एम० रामन, मौसम विज्ञानी श्रेणी I की निवृत्ति की आयु पर पहुंचने पर 31-8-1979 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

गुरुमुख राम गुप्ता,
निदेशक

भूत मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर, 1979

सं० ए० 32013/6/78-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 30-6-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/4/78-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो अधिकारियों को, जो इस समय तदर्थ आधार पर वरिष्ठ संचार अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं, उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त किया है। तैनाती स्टेशन प्रत्येक के नाम के सामने दिया गया है :-

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	ग्रेड में नियमित नियुक्ति का तारीख
1.	श्री आर० सी० चितकारा	राष्ट्रीय निदेशक, नागर विमानन विभाग, बम्बई	18-7-79
2.	श्री एन० बी० माथुर	राष्ट्रीय संचार नियंत्रक, कलकत्ता	3-9-79

इन वरिष्ठ संचार अधिकारियों को उच्चतर पदोन्नति के लिए वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी की संयुक्त पाठना सूची में स्थान ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति की तारीख के अनुसार दिया जाएगा बशर्ते कि वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में परस्पर वरिष्ठता कायम रखी जाती है और इसके साथ यह भी शर्त है कि कि

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर नागर विमानन विभाग में नियुक्त अधिकारियों के मामले में उस परीक्षा में उनकी परस्पर वरिष्ठता तकनीकी अधिकारी/संचार अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए भी मानी जाएगी।

दिनांक 28 सितम्बर 1979

सं० ए० 32014/4/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन श्री एस० बी० चक्रवर्ती, सहायक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन वाराणसी, को दिनांक 8-6-79 (पूर्वाह्न) से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं। और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ में तैनात करते हैं।

सं० ए० 38012/1/79-ई० सी०—निवृत्ति आयु प्राप्त कर लेने के परिणाम स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर निम्नलिखित तीन सहायक तकनीकी अधिकारियों ने अपने नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर और दी गई तारीख को अपने पदों का कार्यभार त्याग दिया है :-

क्रम सं०	नाम	पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
	सर्वश्री			
1.	जी० सी० सम्पत	सहायक तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर	31-8-78 (अपराह्न)
2.	के० बी० जार्ज,	सहायक तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई	31-8-79 (अपराह्न)
3.	बी० कुमार,	सहायक तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता	31-8-79 (अपराह्न)

सं० ए० 38015/13/79-ई० सी०—(मूल नियम 56 (के) के प्रावधानों के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री एन० पिचुमणि, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई ने दिनांक 31-8-79 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

एम० एन० मोतवानी
विशेष कार्य अधिकारी (ई)

नई दिल्ली, दिनांक 5 अक्टूबर 1979

सं० ए० 38013/1/79-ई० सी०—निवृत्ति आयु प्राप्त कर लेने के परिणाम स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री बी० कार० तकनीकी, अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता ने दिनांक 31-8-79 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 6 अक्टूबर 1979

सं० ए० 32014/3/79-ई० सी० (भाग)—इस विभाग की दिनांक 30-7-79 की अधिसूचना सं० ए० 31014/3/79-

ई० सी०, दिनांक 22-8-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/3/79-ई० सं० दिनांक 7 सितम्बर, 79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/3/79-ई० सी० तथा दिनांक 18-9-79 की अधिसूचना सं० ए० 32014/3/79-ई० सं० के क्रम में सहायक नागर विमानन निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को, जो इस समय सहायक तकनीकी अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं दिनांक 20-8-79 से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1	2	3
सर्वश्री		
1. एस० तड़कसे	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
2. ए०पी० सदानन्दम	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	

1	2	3
3. आर० एम० सोखे	वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली	
4. के०एस० आनन्द	वैमानिक संचार स्टेशन, जयपुर	
5. वी०आर० अनन्तरमण	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	
6. के०वी० जार्ज	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
7. एम० डब्ल्यू० श्रोती	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
8. एम०के० कृष्णन	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
9. एम०के० राई	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	
10. कुलवन्त मिह	वैमानिक संचार स्टेशन, भुवनेश्वर	
11. एन० वेंकटसुब्रह्मण्यन	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
12. केशो नाथ	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
13. आर०एन० मेहता	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	

आर० एन० दास,
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तलिय

पटना, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

सं०-II(7)2-0ई० आई/79/11990—इस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 309/78, दिनांक 10-11-78 और 310/78, दिनांक 10-11-78 के अनुसार निम्नलिखित निरीक्षकों को रु० 650-30-740-35-810-३० री० 35-880-40-1000-३० री० 40-1200/- तदनु. नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर स्थानापन्न अधीक्षक, ग्रुप 'बी' केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क के रूप में प्रोन्नत किया गया। उपर्युक्त, आदेशों के अनुसरण में उनके नाम के सामने दिखाये गये स्थान, तिथि और समयानुसार कार्यभार ग्रहण किया।

क्रम सं०	नाम	जहाँ पद स्थापित किये गये	कार्यग्रहण की तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री :			
1. सी एम० जेराई	अधीक्षक, के० उ० शु० (नि०), जमशेदपुर		28-11-78 (पूर्वाह्न)
2. तारीणी प्रसाद	अधीक्षक, सीमा शुल्क, सिमराही, (सहरसा)		29-12-78 (पूर्वाह्न)
3. महेश चन्द्र प्रसाद	अधीक्षक, के० उ० शु०, पटना (एस० आर० पी० I)		8-2-79 (पूर्वाह्न)
4. तारकेश्वर नाथ सिंह	अधीक्षक, के० उ० शु० पटना प्रमण्डल		17-11-78 (पूर्वाह्न)
5. रेवती रमण सिन्हा नं० 1	अधीक्षक, सीमा शुल्क, मुजफ्फरपुर,		16-12-78 (पूर्वाह्न)
6. लखन लाल	अधीक्षक, के० उ० शु०, करनपुरा (एस० आर० पी०)		30-1-79 (पूर्वाह्न)
7. कृष्ण कुमार सिन्हा	अधीक्षक, (स्वर्ण) (नि०), पटना		15-11-78 (पूर्वाह्न)
8. बलराम प्रसाद	अधीक्षक, सीमा शुल्क (नि०), रक्सौल		5-12-78 (पूर्वाह्न)
9. अहमद बसीर	अधीक्षक, सीमा शुल्क गड़हड़ा, ट्रान्सिपमेंट याई		12-3-79 (पूर्वाह्न)
10. कल्याण कुमार राय	अधीक्षक, के० उ० शु० जामावेबा (एस० आर० पी०)		16-1-79 (पूर्वाह्न)
11. विन्ध्याचल सिंह	अधीक्षक, सीमा शुल्क, मुजफ्फरपुर,		20-11-78 (पूर्वाह्न)
12. राजेश्वरी प्रसाद	अधीक्षक, के० उ० शु० (नि०), धनबाद		16-11-78 (पूर्वाह्न)
13. मुस्ताक आलम	अधीक्षक, के० उ० शु० महुदा (एस० आर० पी०)		19-1-79 (पूर्वाह्न)
14. सुब्रतो बसुर्जी	अधीक्षक, हजारीबाग, (एस० आर० पी०)		12-12-78 (पूर्वाह्न)
15. राम छबीला प्र० सिंह	अधीक्षक, के० उ० शु०, बरकाकाना (एस० आर० पी०)		29-1-79 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4
16.	हरि प्रसाद दुबे	अधीक्षक, सीमा शुल्क (नि०), फारविसगंज,	28-11-78 (पूर्वाह्न)
17.	हजारी सिंह	अधीक्षक, के० उ० शु०, पूर्णिया रेंज,	16-3-79 (पूर्वाह्न)
18.	जनार्दन प्रसाद सिंह	अधीक्षक, के० उ० शु०, सिजुआ, (एस० आर० पी०)	17-11-78 (पूर्वाह्न)
19.	मन मोहन पान्डे	अधीक्षक, के० उ० शु०, बेरमो	29-11-78 (पूर्वाह्न)
20.	के० सी० चक्रवर्ती	अधीक्षक, के० उ० शु०, बरौनी, (एस० आर० पी० रेंज)	23-11-78 (पूर्वाह्न)
21.	गजेन्द्र प्रसाद	अधीक्षक, के० उ० शु०, हटिया रेंज,	20-11-78 (पूर्वाह्न)
22.	रघुनाथ चौधरी	अधीक्षक, के० उ० शु०, भौवरा, (एस० आर० पी०)	27-2-79 (पूर्वाह्न)
23.	लक्ष्मी नारायण	अधीक्षक, के० उ० शु०, पटना (एस० आर० पी०)	20-11-78 (पूर्वाह्न)
24.	सुबोध चन्द्र मुखर्जी	अधीक्षक, सीमा शुल्क, किसानगंज	26-12-78 (पूर्वाह्न)
25.	रणवीर प्रसाद	अधीक्षक, के० उ० शु०, कुसुनदा (एस० आर० पी०)	27-11-78 (पूर्वाह्न)
26.	सीता राम मिश्रा	अधीक्षक, के० उ० शु०, मुगमा, (एस० आर० पी०)	18-1-79 (पूर्वाह्न)
27.	रामयश चौबे	अधीक्षक, के० उ० शु०, (एस० आर० पी० रेंज, सौनारडीह)	22-1-79 (पूर्वाह्न)

डी० के० सरकार,
समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

वाणिज्य नौवहन

सं० 6(2)-सी० आर० ए०/79—नौवहन महानिदेशक, बम्बई एतद्वारा श्री जे० पी० पिटो को 8 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्थानापन्न सहायक निदेशक, नाविक नियोजन कार्यालय, बम्बई के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० मिश्र
नौवहन उप महानिदेशक

24-7-1978 की क्रम सं० 6 में दिखाई गई श्री एम० बी० देसाई, पर्यवेक्षक की पदोन्नति की तारीख 6-6-78 (पूर्वा) के स्थान पर 29-5-78 (पूर्वाह्न) पढ़ा जाए।

जे० के० साहा,

अवर सचिव

केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1979

सं० 27-ई० एन०(13)/75-ई० सी०-II—श्री एल० एन० नरसिम्हन् कार्यपालक इंजीनियर जो मुख्य इंजीनियर (सतर्कता) के० लो० नि० वि०, निर्माण भवन, नई दिल्ली के कार्यालय में काम कर रहे हैं, मूल नियम 56 (के) के प्रावधान के अधीन दिनांक 31-7-1979 (दोपहर बाद) को सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सु० सु० प्रकाशराव

प्रशासन उप निदेशक

कृते निर्माण महा निवेशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1979

सं० 1/296/69-ई० सी०-9—दम विभाग के मुख्य वास्तु-विद, श्री मान सिंह एम० राणा वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31-8-1979 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए।

दिनांक 4 अक्टूबर 1979

सं० 1/211/69-ई० सी०-9—निर्माण और आवास मंत्रालय के 1979 के कार्यालय आदेश सं० 430 के अनुसरण में श्री एच० आर० लारीया के एक विशेषज्ञ के नाते यू० एन० डी० पी० के अन्तर्गत स्वैजीलैण्ड में संयुक्त राष्ट्र के नियत कार्य से स्वदेश लौटने पर उन्होंने के० लो० नि० वि० के

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 10 सितम्बर 1979

सं० 19013/5/79-प्रशा०-चार, —अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग श्री ए० पी० खन्ना को अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 16-8-79 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेश तक, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर एतद्वारा नियुक्त करते हैं। श्री खन्ना को केन्द्रीय बाढ़ पूर्वानुमान डिब्रीजन्, लखनऊ में पदस्थापित किया जाता है।

जे० के० साहा,

अवर सचिव

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 3 अक्टूबर 1979

शुद्धि-पत्र

सं० ए० 19012/715/78-प्रशा०-पांच—दम आयोग की अधिसूचना सं० ए-19012/707/78-प्रशा०-पांच, दिनांक 2-296 GI/79

मुख्य वास्तुविद के माते रुपये 2250-125/2-2500-द० रो०-125/2-2750 के वेतनमान में 18-9-79 (पूर्वार्द्ध) से कार्यभार संभाल लिया है।

हर्ष देव सिन्हा,
प्रशासन उपनिदेशक

किं पोलियम पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बी० एस० राजू
कम्पनियों का रजिस्ट्रार और प्रदेश, हैदराबाद

मध्य रेल

बम्बई बी० टी०, दिनांक 29 सितम्बर 1979

सं० एच० पी० बी०/220/जी/-II-एन—निम्नलिखित सहायक मिनल एवं दूर संचार इंजीनियरों (श्रेणी-II) को उनके नाम के सामने दिखायी गयी तारीख से उसी पद में स्थायी किया जाता है।

नाम	श्रेणी दो की सेवा में स्थायीकरण की तारीख
श्री डी० पिटो	9-2-1972
श्री एस० सी० मिश्रा	1-3-1975
कृष्ण चन्द्र महाप्रबन्धक	

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 पोलियम पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 3 अक्टूबर 1979

सं० 1311/टी०ए०/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण के हेतु द्वारा सूचना दी जाती है

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री दण्डायुधपानी हाई स्कूल कमेटी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर 1979

सं० 2864/560(5)/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री दण्डायुधपानी हाईस्कूल कमेटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सी० अश्वयुक्तन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और शाहजादा एन्ड शाहजादा लक्की स्कीमस (चिट फन्ड) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 6 अक्टूबर, 1979

सं० जी०/फ्लेट/560-2541/6400—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर शाहजादा एन्ड शाहजादा लक्की स्कीमस, (चिट फन्ड) प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो उक्त कम्पनी का नाम रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

प्रकरण भाई० डी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III 54, रफी अहमद कदमई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता-19, दिनांक 9 मई 1979

निर्देश सं० 466/ए० फु० रें० III/79 80/कलकत्ता—

प्रतः मुझे, भास्कर सेन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 81/4 है तथा जो राजा एस० सी० मल्लिक रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे [उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) श्रीमती सुनीला चौधुरी, 81/4 राजा एस० सी० मल्लिक रोड, कलकत्ता-47।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवप्रत भट्टाचार्य, 64 योधपुर पार्क, कलकत्ता 68।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्वाराओं के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा 5.5 कट्टा जमीन साथ उस पर बनाया मकान का अविकृत अधीन जो पौर सं० 81/4, राजा सुबोध चन्द्र मल्लिक रोड, कलकत्ता, थाना यादवपुर में अवस्थित।

भास्कर सेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 9-5-1979
मोहर :

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III 54, रफी अहमद कदवई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 9 मई 1979

निर्देश सं० 470/एकु रें० III/78-79/कलकत्ता—अतः

मृक्षे, भास्कर सेन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 81/4 है तथा जो राजा एस० सी०
मल्लिक रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरग के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरग से हुई किसी भाग को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-

(1) श्रीमती सुनीला चौधुरी, 81/4 राजा एस०
सी० मल्लिक रोड, कलकत्ता-47।

(अन्तरक)

(2) श्री ताराश्रत भट्टाचार्य, 64 योधपुरपार्क, कलकत्ता-68।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

समूचा 5.5 कठ्ठा जमीन उस पर बनाया मकान का
अविभक्त अधीश जो पौर सं० 81/4, राजा सुबोध चन्द्र
मल्लिक रोड, कलकत्ता, थाना यादवपुर में अवस्थित।

भास्कर सेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 9-5-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद कदवई रोड,

कलकत्ता-16 दिनांक 28 जून 1979

निर्देश सं० 475/एकुरें०-III/79-80/कलकत्ता— यतः,

मुझे, भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 6-बी है तथा जो मुइनहो स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट:—

(1) श्री मनीश कुमार गंगुली, 6-बी, मुइनहो स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) मै० सुब्रतीड़ को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 227-ए, रासबिहारी एवेन्यू, कलकत्ता, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वडोहरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 12 छटांक 29 स्क्वेयर फुट जमीन जो 6-बी, मुइनहो स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित है ।

भास्कर सेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 28-6-1979 ।
मोहर :

प्रकरण आई० वी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 54, रफी अहमद कदवई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं० एस० एल० 497/टी० आर०-488/सी०-
443/कलकत्ता-1/78-79—यतः मुझे, आई० वी० एस०
जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है तथा जो प्रिटोरिया स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
5, गवर्नमेंट प्लेस, नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
12-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रतः, धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिः—

(1) सर्वश्री

- (1) मोहनलाल गोयेंका
- (2) सावरमल गोयेंका
- (3) आत्माराम गोयेंका
- (4) चन्द्रप्रकाश गोयेंका

(अन्तरक)

(2) 1. विद्या मन्दिर सोसाइटी

(अन्तरिती)

(3) 1. डिबुटी कमिश्नर आफ पुलिस (सिक्कुरिटी) पास
पोर्ट, कलकत्ता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 1 बीघा 18 कट्टा जमीन साथ उस पर बनाया
दो तल्ला मकान जो 4, प्रिटोरिया स्ट्रीट, कलकत्ता पर
अवस्थित है और जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेज, कलकत्ता
द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० आई-148/1979 के अनुसार
है।

आई० वी० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16।

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती सुभा मित्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) मुह० ईसानुल हक

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 54, रफी अहमद कदवई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-I/कलकत्ता/1979 80—

यतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 38 है तथा जो दारगा रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

38 नं० दारगा रोड कलकत्ता में अवस्थित 3 कट्ठा 25 वर्ग फीट जमीन 79, सालका I-395 डीड नं० अनुसार रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16।

तारीख :
मोहर :

प्रकाश सं० १० ए० सी० ४५/रंज-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कर्जन रेंज-IV, 54, रफी अहमद किवदई रोड कलकत्ता

कलकत्ता-16 दिनांक 30 जुलाई 1979

निदेश सं० ए० सी० 45/रंज /कलकत्ता/1979-80--
यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० दाग सं० 496 है तथा जो हंसेश्वरी,
थाना मगरा, हुगली में स्थित है (और इसने उपाखण्ड अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हुगली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 10 जनवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) माधव प्रसाद मित्र ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती योगमाया राणी घोष ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

38, हंसेश्वरी रोड, थाना मगरा, जिला हुगली पर
स्थित 0.076 एकड़ जमीन के सब कुछ जैसे कि 1978
का दलील सं० 100 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० के० दासगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16 ।

तारीख : 30 जुलाई, 1979 ।

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती अशोका राणी घोष

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ठलावतीदेव, शीवब्रत दत्त तथा देवब्रत
दत्त।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV 54, रफीअहमद किदवाई रोड कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 31 जुलाई 1979

निदेश सं० ए० सी० 49/रेंज 4/कलकत्ता/1979-80—

यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी दांग सं० 2552 है तथा जो थाना चिनसुरा,
जिला-हुगली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चिनसुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 25-1-1979 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की धाकत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तिवों
का जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—296GI/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जिला-हुगली, थाना-चिनसुरा, जे० एल० सं० 19,
खतियान सं० 200, दांग सं० 2552, होल्डिंग सं० 53/
47 स्थित .096 एकड़ जमीन के सब कुछ जैसे कि 1979
का वलील सं० 181 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16।

तारीख : 31 जुलाई, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज -I, 54 रकीअहदद किदवईरोड, कलकत्ता

कलकत्ता 16, दिनांक 1 अगस्त 1979

निर्देश सं० एस० एल० 498/टी० आर०-494/सी० कलकत्ता-1/78-79—यज, मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 38 है तथा जो ओयेलिंगटन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कनक लाल साहा

(अन्तरक)

(2) ओलिंगटन कोपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड (अन्तरिती)

(3) कलकत्ता आई एन्ड क्लीनिंग की (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) सर्वश्री

(1) एस० एम० पाईन,

(2) एम० के० चटर्जी

(3) अमल बनर्जी

(4) रमेश साहा

(5) ए० के० घोष

(6) एन० के० घोष

(7) एस० एन० चटर्जी

(8) निलय कुमार घोष।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

38 नं० निर्मल चन्द्र दे स्ट्रीट (38, ओयेलिंगटन स्ट्रीट) में 4 कट्टा 440 वर्ग फीट जमीन पर आंशिक एक तल्ला और आंशिक दो तल्ला मकान जो 79 साल में खीड नं० 81 का अनुसार रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेज में रजिस्ट्री हुआ।

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज -I, कलकत्ता-16

तारीख : 1-8-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 2 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० सी० 19/रेंज-II कलकत्ता/1979-80—

यतः मुझे, एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 8-ए है तथा जो अलीपुर रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 16-1-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या ज्ञात किया जाना चाहिए या, जिन्हाके में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार
जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

(1) श्रीमती कमला जिन्हास ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती देबिका चक्रवर्ती ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही धरे होंगे, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8-ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता में 4था मंजिल का 5
नं० प्लेट का आधा अंश है, फ्लोर स्पेस 1000 वर्ग फुट।

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख : 2-8-1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, 54, रफीअहमद किदवईरोड, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 3 अगस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 20/रेंज II/कलकत्ता/1979-80—

यतः मुझे एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8ए है, तथा जो अलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ आसुरेन्सेस कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-1-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी ब्रन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

(1) श्रीमती कमला जिन्डाल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला देवी डालमिया

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी धाखेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता, अवस्थित तीसरा मंजिल में एक फ्लैट का आधा अंश है। जमीन का पश्चिमान 2000 वर्ग फुट है।

एस० सी० यादव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 3-8-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) क अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 54, रफीअहमद कदवई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 3 अगस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सी०-21/रेंज-II/कलकत्ता/1979-80—

यतः मुझे एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विवेचना करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8 ए है तथा जो अलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-1-1979 को

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए पंस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पंस्तरक (पंस्तरकों) और पंस्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पंस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पंस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के पंस्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या सम्पत्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुरलीधर जिन्दा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला देवी डालमिया

(अन्तरितियों)

(3) अन्तरितियों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सूचना के प्रसारण के पश्चात् मैं काइ था सम्प्रेषण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के आंतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्तावेजों के साथ लिखित में किए गए पंस्तरण।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8ए, अलीपुर रोड कलकत्ता, अवस्थित तीसरा मंजिल में एच फ्लैट का आधा अंश है। जमीन का परिमाण 2000 वर्ग फीट।

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 3-8-1979।

मोहर:

अक्षय साईं.टी.एन.एस.—

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज 54, रफीजहमद किदवाई रोड, लकलकता

कलकता-16, दिनांक 3 अगस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सी०-18/रेंज-II/कलकता/1979-80—

यतः मुझे एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 8ए है तथा जो अलीपुर रोड, कलकता
में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 16-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के समय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुरसीधर जिन्नाल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती देविका चक्रवर्ती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8ए, अलीपुर रोड, कलकता में 4था मंजिल का 5
नं० फ्लैट का आधा अंश है। फ्लोर स्पेस 1000 वर्ग फीट।

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज II, कलकता

तारीख : 3-8-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी०एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III

54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 4 अगस्त, 1979

निदेश सं० 484/एफु रे० III/79-80/कलकत्ता—

अतः मुझे भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो विवेकानन्द रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बाबूलाल दुगर, 15, निर्मल लोहिया लेन, कलकत्ता

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सोहनी देवी सेधिया, 1, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता

(अन्तरिती)

(4) सर्वश्री बिमल कुमार सेधिया, प्रेम दास सेधिया गौर देवि सेधिया चैतरूप सेधिया सागर दुगार (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 2 छटांक 2 वर्ग फुट जमीन साथ उस पर बनाया मकान का अधिभक्त 1/10 हिस्सा जो 1, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता पर अवस्थित है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, कलकत्ता।

तारीख : 4-8-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

घाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 9 अगस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 53/रेंज 4/कलकत्ता/1979-80---

यस: मुझे एस० के० दासगुप्ता

घाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खतियान सं० 1095 है तथा जो मौजा अंकुरहाटि माकरदा, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसे बढ़ाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) सर्वश्री प्रदीप कुमार मंडल, सुसान्ता कुमार मंडल, नारायण मंडल, श्रीमती रेखा मंडल, जोत्सना मंडल, चम्पा मंडल, श्रीमती गायत्री डलमी, चन्डी मंडल, एवं अलोक लता मंडल ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स चेमिको प्रोडक्ट्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खतियान सं० 1095, मौजा अंकुरहाटि, माकरदा, हावड़ा स्थित 11 कट्ठा 3 छटांक जमीन पर स्थित मकान के सब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं० 53 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० के० दासगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 9-8-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

54, रफीअहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 9 अगस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 54/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80—

यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खतियान सं० 1095 है तथा जो मौजा अंकुरहाटि मारकटा, हाबड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारो के कार्यालय, हाबड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—296GI/79

(1) सर्वश्री प्रदीप कुमार मण्डल, सुसांवा कुमार मण्डल, नारायण मण्डल, रेखा मण्डल, जोरसना मण्डल, शम्पा मण्डल, गायिकी डालमी चन्डी मण्डल, अलोकलता मण्डल।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स चेमिको प्रोडक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोदुस्तासरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

खतियान सं० 1095, मौजा अंकुरहाटि, मारकटा, हाबड़ा स्थित 17 कट्ठा 13 छटांक 18 वर्ग फुट जमीन पर स्थित महान का सब कुछ जैसा कि 1979 का दलील सं० 52 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16।

तारीख : 9 अगस्त, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अगस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 55/रेंज-4/कलकत्ता/1979-80—

यतः मझे एस० के० दासगुप्त

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी ताज सं० 3075 है, जो मौजा नरीस जिला वर्धमान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आसनसोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए .

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सरोजिनी चाटार्जी

(अन्तरक)

(2) श्री राम नारायण गुप्त

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खतियान सं० 2959, ताज सं० 3075, मौजा नरसिंहानु, बार्नपुर, जिला वर्धमान, स्थित 0.06 एकड़ जमीन के पर स्थित माकान का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं० 261 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० के० दासगुप्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

54 रफीअहमद किदवाई रोड

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16

तारीख : 9-8-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 अगस्त, 1979

निदेश सं० 558/एकु० रें०-111/79-80/कलकत्ता—

अतः मुझे भास्कर सेन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 24 सी० आई० टी० स्कीम सं० XLVII
है तथा जो राजा बसन्त राय रोड, कलकत्ता में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 22-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) सर्वश्री

1. कृष्ण प्रसाद दासगुप्त
2. सती प्रसाद दासगुप्त
3. निर्मल्य दासगुप्त
4. कल्याणी दासगुप्त
5. तुलसी सेन
6. कल्याणी दासगुप्त

पता 4/14 एकडालिया रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) शिभशक्ति कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड
3 मंगो लेन, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कठ्ठा 15 छटांक 6 वर्ग फुट खाली जमीन
जो प्लॉट सं० 24, सी० आई० टी० स्कीम सं० XLVII
राजा बसन्त राय रोड में अवस्थित।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54 रफीअहमद किदवाई रोड

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 22-8-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 अगस्त, 1979

निर्देश सं० 556/एकु० रें०-III/79-80/कलकत्ता—अतः,
 मुझे, भास्कर सेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 66 है तथा जो सोभाबाजार स्ट्रीट,
 कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन, तारीख 18-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 खय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अशित कुमार घोष, 47, पाथुरियाघाटा स्ट्रीट,
 कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री दुर्गादास साहा और कालीदास साहा, 2
 सोभाबाजार स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्टा 3 छटांक जमीन जो सं० 66 सोभाबाजार
 स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 54 रफीअहमद किदवाई रोड
 अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 23-8-1979
 मोहर :

प्रकृप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 अगस्त, 1979

निर्देश सं० सी० 30 रेंज-I/कल०/19 एस० सी० यादव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 9/4 है तथा जो सेवेन टैंक लेन, कलकत्ता-30 में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एगुरेन्सेज, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बाव ऐस अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित की जा सकती है प्रकट नहीं किया गया था या किया जा सकता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

धन: धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुरेन्द्र नाथ बेरा, 9/4ए, सेवेन टैंक लेन, कलकत्ता-30। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री बोस, 1/2, राजा बागान लेन कलकत्ता-30।

(अन्तरितता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 9/4-ए, सेवेन टैंक लेन पर स्थित 3 कट्टा तथा 39 वर्ग फुट जमीन और मकान का आधा हिस्सा।

एस० सी० यादव
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफी अहमद कदमई रोड
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 24-8-1979
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-4/कलकत्ता/1979-80--प्रतः,
मुझे, एस० सी० यादव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9/4 ए है तथा जो सेवेन टैंक लेन, कल-
कत्ता-30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय रजिस्ट्रार आफ इंशोरेन्स में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
24-1-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) श्रीमती विद्युत लता बेरा, 9/4ए, सेवेन टैंक लेन,
कलकत्ता-30।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री बोस, 1/2, राजा बागान लेन,
कलकत्ता-30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

नं० 9/4-ए, सेवेन टैंक लेन पर स्थित, तीन कट्टा 39
वर्ग फीट जमीन और मकान का आधा हिस्सा।

एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 24-8-1979
मोहर :

प्रकरण पाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन मूजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० सी० 56/रेंज-4/कलकत्ता/1979-80—

यतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 2956 है तथा जो मौजा रानीगंज म्युनिसिपैलिटी जिला बर्देवान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रानीगंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए पया पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रारिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहनलाल लयालका

(अन्तरक)

(2) श्री राम अवतार बाजोरिया, श्री बस प्रकाश बाजोरिया, श्री राम गोपाल बाजोरिया।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदितकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा रानीगंज म्युनिसिपैलिटी, जिला बर्देवान पर स्थित 2449 वर्ग फुट जमीन का सब कुछ जैसे कि 1979 की बलील सं० 59 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16।

तारीख : 1-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० 57/रेंज-IV /कलकत्ता/1979-80—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 2956, 2950 है तथा जो मौजा रानीगंज म्युनिसिपैलिटी, जिला बर्दवान में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रानीगंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का समग्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कितनी आय या किसी या या अन्य आयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मोहनलाल लयालका

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बिराजी देवी बाजोरिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रभाव होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा रानीगंज म्युनिसिपैलिटी जिला बर्दवान पर स्थित 2449 वर्ग फुट जमीन का सब कुछ जैसा कि 1979 दलोन सं० 60 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 1-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० सी० 58/रेंज-4/कलकत्ता/1979-80—

यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 2956 और 2950 है तथा जो मौजा रानीगंज म्युनिसिपैलिटी, जिला बर्दवान में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रानीगंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तःकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—
5—296GI/79

(1) श्री मोहनलाल लयालका

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भगवती देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा रानीगंज म्युनिसिपैलिटी जिला बर्दवान पर स्थित 2667 वर्ग फुट जमीन का सब कुछ जैसे कि 1979 दलील सं० 61 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 1-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० 59/रेंज-4/कलकत्ता/1979-80—

यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 14 है तथा जो टी० एन० चटर्जी स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कासीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुभाष चन्द्र धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पूर्णिमा सरकार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यं होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा पालपारा, 14 टी० एन० चटर्जी स्ट्रीट, 24-परगना पर स्थित 3 का० 11 छटांक 33 वर्ग फीट जमीन का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं० 981 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 1-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० ए० सी०-60/रेंज-4/कलकत्ता/1979-80—

यतः मुझे एस० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 99/315 है तथा जो मौजा देवग्राम खतियान सं० 33/1 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिलीगुरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नाथमन्त जारोडिया, सिबराम जारोडिया (अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी नेद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोक्ताधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा देवग्राम खतियान सं० 33/1, फ्लैट सं० 99/315, सिलीगुरी पर स्थित 2 एकड़ जमीन का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं० 164 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4,

54, रफिअहमद क़िदवाई रोड कलकत्ता

तारीख : 1-9-1979।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

फलकता, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० ए० एस०-61/रेंज-IV कल०/1979-80-
यतः मुझे, एस० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 99/315 तथा जो मौजा
देवग्राम खतियान सं०-33/1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सिलिगुरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-1-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरको) और प्रन्तरितो
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :-

(अ) प्रन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रेषात् :-

1. श्री नाममल जारोडिया, शिवराम जारोडिया
(अन्तरक)
2. श्रीमती संगिता देबि बेद (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसिद्धिस्ताहरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मौजा—देवग्राम, खतियान सं० 33/1, प्लॉट सं०
99/315, सिलिगुरी, दार्जिलिंग पर स्थिति 66 डेसिमल
जमीन का सब कुछ जैसे के 1979 का दलिल सं० 165
और पूर्णरूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54 रफी, अहमद क़िदवाई रोड
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 1-9-1979
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 589/एकु० रें० IV/79-80/कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 11 ए०, है तथा जो यतिन्द्र मोहन एबिन्यू कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-9-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गिरधारी लाल सराफ 34 पूसा रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती गिनिया देवी सराफ 11 ए, यतिन्द्र मोहन एबिन्यू, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 8 कट्टा 9 छटांक 14 स्को० फट जमीन साथ उसपर बनाया छय तल्ला मकान का 1/6 अंश जो 11ए यतिन्द्र मोहन एबिन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 1-9-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 599/रेंज-III/कल०/1979-80—यतः,
मुझे, भास्कर सेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 2ई० र तथा जो 95, सादार्न
एवेन्यू, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1979 की
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरक)
2. श्री अमिताय खास्तगिर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पा
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रार आफ असिथोरेन्सेस, कलकत्ता के समीप 1979
का दलिल सं० 315 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95, सादार्न एवेन्यू,
कलकत्ता स्थित समूचा प्लॉट सं० 2 ई।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54 रफिअहमद किदवाई रोड
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 21-9-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. लेक को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती मंजुश्री सिंहा (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घोषण—

निर्देश सं० 598/रेंज-III/कल०/1979-80—यतः;

मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 3ई है तथा जो 95 सादा
एवेन्यु, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्यान:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रार आफ असियोरनेसेस, कलकत्ता के समीप 1979
का दलिल सं० 314 में रजिस्ट्रीकृत 95, सादार्न एवेन्यु
स्थित फ्लैट सं० 3ई।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54 रफिअहमद क़िदवाई रोड
अर्जन रेंज—, कलकत्ता-16

तारीख: 21-9-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 597/रेंज- /कल०/1979-80—यतः,
 मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 1 सी है तथा जो 95, सादार्न
 एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1979 को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेक कोम्पारेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरक)
2. श्रीमती शनी सेनगुप्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवरोद्धताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रार आफ असियोरनेसेस, कलकत्ता के समीप 1979
 का दलिल सं० 313 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95, सादार्न एवेन्यू
 स्थित प्लॉट सं० 1 सी ।

भास्कर सेन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 21-9-1979
 मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----
 धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 598/रेंज-III/1079-33 - प्रतः,

मझे, भास्कर सेन,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 6 सी है, तथा जो 95, सादार्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ वास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्थात्:—

6-296 GI/79

1. लेक कोम्प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरक)
2. श्रीमती मालती भट्टाचार्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रार ऑफ असियोरनेसेस, कलकत्ता के समीप 1979, का दलिल सं० 205 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95, सादार्न एवेन्यु कलकत्ता स्थित समूचा प्लॉट सं० 6/सि।

भास्कर सेन
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 21-9-1979
 मोहर:

प्रकरण प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 594/रेंज-III/कल०/1979-80—यतः,
मुझे भास्कर सेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त अधिनियम जिसका प्रचलित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 3 डि० है तथा जो 95, सादर
एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-1-1979 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि उक्त अधिनियम के अधीन उचित बाजार मूल्य,
उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरिताओं) का बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रमाण, निम्नलिखित दृष्टि में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किताब आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या हिस्से धन या अन्य आस्तियों
को, किन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अध्याजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या पाया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० (अन्तरक)

2. श्री पि० एम० अनन्त नारायण (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रार आफ असियोरनेन्स, कलकत्ता के समीप 1979
का दलिल सं० 203 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95, सादर एवेन्यू,
कलकत्ता स्थित समूचा प्लेट सं० 3 डि०।

भास्कर सेन
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 21-9-79
मोहर:

प्रकरण आई.टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 593/रेंज-III/कल०/1979-80—यतः,
मुझे, भास्कर सेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 4 डी है तथा जो 95, सादार्न
एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-1-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरक)

2. श्री सुरेश चक्रवर्ती (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के पदार्थ 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रार आफ असियोरेंसेस, कलकत्ता के समीप 1979
का दलिल सं० 200 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95 सादार्न
एवेन्यू, कलकत्ता स्थित समूचा प्लॉट सं० 4 डि०।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 21-9-1979

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 595/रेंज-III/कल०/1979-80—यतः,
मुझे, भास्कर सेन,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 3 बी० है तथा जो 95, सादार्न
एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे पश्चात् अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-1-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के
अधीन नम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरक)

2. श्रीमती वीपिका सिकदार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रोड्यूसर के पाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

हस्ताक्षर :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रार आफ एश्योरेसेस कलकत्ता के समीप 1979
का दलिल सं० 204 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95, सादार्न एवेन्यू,
कलकत्ता स्थित समूचा प्लॉट सं० 3बी०।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 21-9-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 592/रेंज-III/कल०/1979-80—यतः,
मुझे, भास्कर सेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
संशोधन द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 3/ए है तथा जो 95, सादार्न
एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-1-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है
और पुनः यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिणी
(भन्तरिणियों) को भी ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) भन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धारिणीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
भन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :-

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (भन्तरक)।

2. श्री पी० के० सिकदार (भन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त भर्जन के भर्जन के सम्पत्ति में कोई भी बाधना-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोद्घोषाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रार आफ असियोरनेस, कलकत्ता के समीप 1979
का दलिल सं० 199 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95, सादार्न एवेन्यू,
कलकत्ता स्थित समूचा प्लॉट सं० 3/ए।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 21-9-1979

मोहर:

प्रकार आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 600/एकु० रें०-II/79-80/कल०--अतः
मुझे, भास्कर सेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1 ए है तथा जो 95 साउदार्न
एभिन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-1-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
ना गया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक का ने सोचने नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि० 95, साउदार्न
एभिन्यू, कलकत्ता। (अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा सेनगुप्त, 95, साउदार्न एभिन्यू,
कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

समूचा फ्लैट सं० 1 ए/एक तन्ना पर जो 95 साउदार्न
एभिन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 9-10-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० ए०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० 601/एकु० रें० III/79-80/कल०--अतः,
भास्कर सेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है,
और जिसकी सं० फ्लैट सं० 5 डि० है तथा जो 95 साउदर्न
एविन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के
कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1979
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में,
हैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि०
95, साउदर्न एविन्यू, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री एस० के० बामू, 95, साउदर्न एविन्यू, कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षरहस्ताक्षरों के पाम
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

समूचा फ्लैट सं० 5 डि पांच तल्लपर जो 95 साउदर्न एविन्यू,
कलकत्ता पर अवस्थित ।

भास्कर सेन
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफी अहमद क़िदवई रोड
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रकरण सार्द० डी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 602/एकुरे-III/79-80/कल०—अतः मुझे भास्कर सेन
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1-डी, है तथा जो 95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के ब्यवस्था में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्तार :—

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, लिमिटेड,
95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. श्री चन्द दास गुप्त,
95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए गारंटीकरण करना है ।

उक्त सम्पत्ति के प्रचलन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वन्धनी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

समूचा फ्लैट सं० 1-डी/एक तल्ला पर जो सं० 95 साउदर्न एवेन्यू पर अवस्थित ।

भास्कर सेन
सशम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III,
54, रफीअहमद किवर्ही रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ग(1) के अधीन सूचना

यथा सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० 603/एकुरे-III/79-80/कल०—प्रतः मुझे भास्कर सेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो 95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-1-1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुर्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुर्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी वस्तु या धन या धन्य वास्तियों को, जिन्हें भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—296G1/79

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. श्री ए० एम० गुप्त 158, प्रिन्स आनवार साह रोड, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त व्यक्तियों के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संगति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा फ्लैट जो सं० 95, साउदर्न एवेन्यू, पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-III,

54, रफीअहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 604/एकुरे-III/78-79/कल०—प्रतः मुझे,
भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 1-ई है तथा जो 95 साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. लैंक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,
95, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री दास

117/एम/2, पान नगर, कानपुर-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

समुचा प्लेट सं० 1 इ/एक तल्ला पर जो 95 साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता पर अवस्थित ।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख 9-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 605/एकरे-II/78-79/कल०—अतः मुझे

भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 8 सी है तथा जो 95, साउदार्न
एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 20-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से
कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. लेक कोम्प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,
95, साउदार्न, एवेन्यु, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. रमिन्द्र नाथ घोष
95, साउदार्न एवेन्यु, कलकत्ता ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

संयुक्त फ्लैट सं० 8 सी०/फ्लैट तल्ला पर जो 95 साउदार्न
एवेन्यु, कलकत्ता पर अवस्थित । दलिल सं० 318 का अनुसार
है ।

भास्कर सेन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख 9-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 606/एकुरे-III/79-80/कल०—अतः मुझे भास्कर सेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट सं० 9 डि० है तथा जो 95 साउदर्न एवेन्यु, लकलत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः धब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,
95, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2. ए० पी० राय
95, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

समुच्चा फ्लैट सं० 9 डि०/नय तल्लापर जो 95 साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता पर अवस्थित ।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 607/एकुरे-III/79-80/कल०—अतः मुझे,
भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 4 सि है तथा जो 95, साउदर्न
एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनमूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 20-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के क्रिय तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेक कोम्प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड
95, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2. श्री एच० एन० गुह
95, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

समूचा फ्लैट सं० 4/सि/चार तल्ला पर जो 95 साउदर्न
एवेन्यु, कलकत्ता पर अवस्थित ।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III,
54, रफीजहमद किवर्दी रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रकरण धार्ष्टः टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 608/एकुरे-III/79-80/कल०—अतः मुझे,
भास्कर सेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि आधार संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट सं० 9 ई, है तथा जो 95, साउदर्न
एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 16-1-1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में हम के दूरस्थान
प्रतिफल के लिए धनगत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के प्रवर्तन करने के अन्तरक के वास्तविक में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का भाग 269-ब के धनु-
करण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड
95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता

(अन्तरक)

2. श्रीमती उमा सेन
95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता

(अन्तरितियाँ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी पाक्षप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त आधार संपत्ति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उदा-
हरण अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

समूचा फ्लैट सं० 9 ई, नय तल्ला पर जो 95 साउदर्न
एवेन्यू कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 609/एकुरे-III/79-80/कल०—अतः मुझे
भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 2 डि, है तथा जो 95, साउदर्न
एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 20-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निम्ने सम्पत्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किमी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेक कोम्पारेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड
95, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता

(अन्तरक)

2. श्री बि० एन० घोष

95, प्रिन्स आनवार साह रोड, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी उनके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रचलन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

इस सम्पत्ति के प्रचलन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से
किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवाहस्ताक्षरों के साथ लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा प्लेट सं० 2 डि/दो तल्ला पर जो 95 साउदर्न एवेन्यु,
कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद

किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 9-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 610/ए रे-III/79-80/कल०—अतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी फ्लैट सं० 8 है तथा जो मौजा कांकुलिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. ओरियेन्ट बीमारेंज, लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्री मिहिर कुमार गंगोपाध्याय

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 कट्ठा, 15 छटांक 12 स्को० फुट जमीन जो फ्लैट सं० 9 मौजा कांकुलिया थाना टालीगज पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद
किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० 611/एकुरे-III/79-80/कल०—अतः मुझे
भास्कर सेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है
और जिसकी सं० प्लेट सं० 9 है तथा जो मौजा कांकुलिया में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15-1-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कचित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
घोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—
8—296GI79

1. ओरियन्ट बीमारेज लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मला घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्ठा, 13 छटांक, 32 स्क० फुट जमीन जो
प्लेट सं० 9 मौजा कांकुलिया, थाना टालीगंज पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किववर्दी रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई०टी० एन० एस०—

भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० 612/एकुरे-III/79-80/कल०—अतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 3 है तथा जो मौजा कांकुलिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. ओरियेन्ट बीमारेज लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्री कमलाकान्त दास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्ठा, 5 छटांक, 3 स्को० फुट जमीन जो फ्लैट सं० 3 मौजा कांकुलिया, थाना टालीगंज, पर अवस्थित।

भास्कर सेन

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद क़िदवाई रोड

कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० 613/एकुरे-III/79-80/कल०—अतः मुझे भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 21/1, है तथा जो प्रिन्स बक्तियार साहू रोड, कलकत्ता पर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शालिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. ओरियन्ट बीमारेज लिमिटेड

(अन्तरक)

2. सुशोध चन्द मुखर्जी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करावा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्ठा 10 छटांक, जमीन जो 21/1 प्रिन्स बक्तियार साहू रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 614/एकुरे-III/79-80/कल०—अतः मुझे,
भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 7 है तथा जो कांकुलिया में स्थित है
(और इससे उपायद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-1-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, यों उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ओरियन्ट बीमारेंज, लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्री अमरेन्द्र नाथ गुप्त

(अन्तरिती)

की यह सूचना प्राप्त करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षक :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्याहस्तादारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संकेतः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रबल होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्टा 7 स्का० फुट जमीन जो प्लेट सं० 7
मौजा कांकुलिया, थाना टालीगंज, पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद कदवई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 615/एकुरे-III/79-80/कल०—अतः मुझे
भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्यावर संश्लेषित वित्त का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 14 है तथा जो मौजा कांगुलिया में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनिपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 13-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रवर्धित हो गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ओरियेन्ट बीमारेज लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्रीमती मंजुला गुह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(ग) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधानाधिकाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्ठा 3 छटांक, 3 स्को० फुट जमीन जो फ्लैट
सं० 14 मौजा कांगुलिया, थाना टालीगंज, पर अवस्थित।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-79

मोहर :

प्रकरण चार्ज० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1979

निर्देश सं० 4/जून/79—यतः, मुझे, ओ० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 31, न्यू अग्रहारम है, तथा जो डिन्डुगल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० डिन्डुगल डाकुमेंट सं० 21/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) श्रीमती सखु लक्ष्मी अम्माल,
- (2) श्री के० वेन्कटसुब्रमनियन,
- (3) श्री बी० गोपाल कृष्णन,
- (4) श्री के० कृष्णमूर्ती,
- (5) श्री के० सुन्दरामन, और
- (6) श्रीमती एम० राजलक्ष्मी

(अन्तरक)

2. डा० जे० राजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 21/79—एस० आर० डिन्डुगल, भूमि और निर्माण डोर नं० 31, न्यू अग्रहारम, डिन्डुगल।

ओ० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 26-5-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

न्यायिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1979

निर्देश सं० 13/जनवरी/78—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 449, 450, 451 और 452 अम्मापेट मैन रोड है, तथा जो सेलम-3 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०-1 सेलम (डाकुमेंट नं० 4849/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐशे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबिज नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या धन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहेए, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती के० सोरनम्माल अम्माल

(अन्तरक)

2. श्री एम० पी० सुब्रह्मण्यम मुदलियार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4849/79 जे० एस० आर० ओ०-I सेलम भूमि और निर्माण डोर नं० 449, 450, 451 और 452 अम्मापेट, मैन रोड, सेलम।

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 6-8-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1979

निर्देश सं० 28/जनवरी/79—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 75 नार्थ स्ट्रीट है, तथा जो सिंगरामर कालौनी नरीमेडु, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै-20 (डाकुमेंट नं० 123/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पश्चात्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुकित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी याय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी याय या किसी घन या अन्य वास्तियों को जिनमें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. (1) श्री राजरतिन रामी नाडार

(अन्तरक)

2. श्री के० वनमक्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करत पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्ण के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्ण के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 123/79 एम० आर० श्री० शेनामनगर, मदुरै भूमि और निर्माण, डोर नं० 75, नार्थ स्ट्रीट, सिंगरामर कालौनी, नरीमेडु, मदुरै।

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 6-8-1979
मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एम०

1. श्री जे० बनन्याकशी और अदरस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10023—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 273/1 बी, 2, 3, 274/2 बी 3 रा, 275 डाक्टर जगन्नाथ नगर है, तथा जो उत्पलियालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 417/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 190 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—296 GI/79

2. दि कोयम्बटूर रियल एस्टेट कम्पनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सं० 273/1 बी 2, 3, 274/2 बी 3 रा 275, डाक्टर जगन्नाथ नगर उत्पलियालयम (डाकुमेंट सं० 417/79)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-9-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10023—यतः, मुने, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 273, 1बी, 2, 3, 274/2 बी० 3ए, 275 डाक्टर जगन्नाथ नगर है, तथा जो उप्पिलिपालयम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बूर (डाकुमेंट नं० 426/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रभारित की गई है और नूँसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. श्री जे० वनजाक्षी और अदर्स

(अन्तरक)

2. दि, कोयम्बटूर रियल एस्टेट कम्पनी ।

((अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० नं० 273/1 बी 2, 3, 274/2 बी 3 ए, 275 डाक्टर जगन्नाथ नगर उप्पिलिपालयम (डाकुमेंट सं० 426 79) ।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-9-1979

मोहर :

प्रारूप आर्.डी.टी. एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10023—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर मर्यादा, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 273/1 बी, 2, 3, 274/2 बी, 3 ए, 275 डाक्टर जगन्नाथ नगर है, तथा जो उप्पिलिपालायाम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर में (डाकुमेंट सं० 427/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तावित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मर्यादा का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, मक्ष दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किता आय को बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. जे० बानाजाक्शी और अदर्स

(अन्तरक)

2. दि कोयम्बटूर रियल एस्टेट कम्पनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किता अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा। इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

273/1 बी 2, 3, 274/2 बी 3 ए०, 275 डाक्टर जगन्नाथ नगर उप्पिलिपालायाम (डाकुमेंट सं 427/79)।

राधा बालकृष्णन
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-9-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10023—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 273/1 बी 2, 3, 274/2 बी 3 ए, 275
डाक्टर जगन्नाथ नगर है, तथा जो उप्पिलिपालायाम में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं०
429/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों को;
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जे० बानाजाकशी और भवर्स
(अन्तरक)

2. दि कोयम्बटूर रियल एस्टेट कम्पनी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

एस० सं० 273/1 बी 2, 3, 274/2 बी 3 ए,
275, डाक्टर जगन्नाथ नगर उप्पिलिपालायाम (डाकुमेंट सं०
429/79)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-II, मद्रास

तारीख : 5-9-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10023—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 273/1बी, 2, 3, 274/2बी3ए, 275 है, जो डाक्टर जगन्नाथ नगर, उपलिपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 430/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य वास्तियों को, जिनका भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जे० वनजाकणी और अदर्स

(अन्तरक)

2. दि कोयम्बटूर रियल एस्टेट कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० एस० सं० 273/1 बी2, 3, 274/2, 3बी 2ए, 275,
डाक्टर जगन्नाथ नगर, उपलिपालयम (डाकुमेंट सं० 430/79)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-9-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 6925—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो 1 चारी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, (डाकुमेंट सं० 90/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-न्याय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा के (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ए० एम० कोतनठानी तेवर, राक्ष्मी अमाल ।

(अन्तरक)

2. श्री एन० रंगनायकी और अदर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए गए सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण, 1, चारी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकुमेंट सं० 90/79) ।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-9-1979

मोहर :

प्रश्न नं० 100—एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना,

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 8478—यतः, मुझे, राधा बाल कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विपदा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 107, बोठी चेट्टी स्ट्रीट है, जो तिरुप्पा-पुलियूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटलूर (डाकुमेंट सं० 98/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1979

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्माणलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई छिपी प्रत्येक राशि, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; योग/रा

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी अनु या अन्य प्रावधानों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ रखरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्जन:—

1. श्री डी० वीरप्पन चेट्टियार ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जी० वतसला देवी ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियां करवा दीं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रचोदनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 107, बोठी चेट्टी स्ट्रीट, तिरुप्पापुलियूर (डाकुमेंट सं० 98/79) ।

राधा बाल कृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10007—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० सं० 459/2, 468/12, 469/470, 471/1, 472 है, तथा जो पैरियनायनपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पैरियनायनपालयम (डाकुमेंट सं० 51/79) में भारती रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी 1979 को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत:—

1. लक्ष्मी मशीन वीरक्स लिमिटेड

(अन्तरक)

2. लक्ष्मी कारठ कुलोतिनघ मैनुफैक्चरिंग कम्पनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अभि आर० एस० सं० 459/2, 468/1, और 2, 469, 470, 471/1, 472, पैरियनायनपालयम (डाकुमेंट सं० 51/79)।

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-9-79

मोहर:

प्रकृप आई० ओ० एन० एस०—

1. श्रीमती आर० अम्बनदम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

2. लवली टामस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10016—यतः, मुझे, राधा बाल कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एम० सं० 243, है, तथा जो पल्लठम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पल्लठम में (डाकुमेंट सं० 44/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चाद् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँतः—

10—296GI/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर एस० सं० 243, पल्लठम (डाकुमेंट सं० 44/79)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज-II, मद्रास

तारीख : 5-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10031—यतः, मझे, राधा बाल कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 59, 60, 70 और 71 है, तथा जो उटकमेंड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उटी (डाकुमेंट सं० 144/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. राके मोहम्मद

(अन्तरक)

2. श्रीराम गल मोहम्मद सेयद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्व-प्रतीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण आर० राम सं० 2525 उटकमेंड, (डाकुमेंट सं० 144/79)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-9-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एस० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10068—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० टी० एस० सं० 55/2 ए 2 और 56/2 ए 2,
है, तथा जो सनथनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 367/79) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बच या अन्य प्राप्तिवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ए० श्रीनिवासन
(अन्तरक)
2. श्रीमती के० नीलावती
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं;
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 55/2 ए 2 और 56/
2 ए 2, सनथनूर, 14/21-1 शिवानंदा कालोनी कोयम्बटूर
(डाकुमेंट सं० 367/79)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 5-9-1979
मोहर :

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अगस्त 1979

निर्देश सं० 6920—यतः, मुझे, राधा बाल कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 53, उसमान रोड है, तथा जो 10 नगर, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अग्र पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीअर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेंट सं० 5/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्रीमती जे० जमुना

(अन्तरक)

2. श्री जी० रामकृष्णन गीतांजली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—53, उसमान रोड मद्रास-17 (डाकुमेंट सं० 5-79)।

राधा बाल कृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 6-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10023—यसः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14, डाक्टर वरदराजन रोड है, तथा जो
गुन्दूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चेंकलपेट
(डाकुमेंट सं० 145/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बम्बई प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्रीमती वठवल्ली अम्माल

(अन्तरक)

2. श्री पी० के० ठीरेस्वामी रेड्डियार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोतृस्वाक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 14, डाक्टर वरदराजन स्ट्रीट गुन्दूर
(डाकुमेंट सं० 145/79)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 6-9-1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

1. श्री अब्दुल मजीद खान और मदरस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 6932—यतः, मुझे, राधा बाल कृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 315 और 316 है, तथा जो मौड रोड, मद्रास-
18 में स्थित है (और इससे उपाधुत अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर
(डाकुमेंट सं० 128/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृथमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,— बर्बादः—

2. टेन इंडिया वाटुल एक्सट्रेक्ट्स कम्पनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रचोदितकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 315 और 316, मौड रोड, मद्रास-18
(डाकुमेंट सं० 128/79)।

राधा बाल कृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख 6-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10052—यतः, मुझे, राधा बाल कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 1165, 1162, 1163 है तथा जो एबनेसर विल्ला मिशनरी हिल, उटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उटी (डाकुमेंट सं० 233/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री बी० बी० मुदकुर

(अन्तरक)

2. श्रीमती बालबीर कौर

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा धाओहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण स्वनेसर विल्ला मिशनरी हिल, उटकमंड (डाकुमेंट सं० 233/79)।

राधा बाल कृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-9-1979
मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10015—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 7, आनमलाई हिल्स है, तथा जो वालमौर (मुतुमलै एस्टेट) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनमलाई (डाकुमेंट सं० 26/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० नाचिमल धोंडर और अदर्ज । (अन्तरक)
2. श्री सी० अन्नमेलु आची और अदर्ज । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोधस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि प्लॉट सं० 7, जी० एस० सं० 1/1, ई०-1, आनमलाई हिल्स, बालमौर (मुतुमलै एस्टेट) (डाकुमेंट सं० 26/79)।

राधा बाल कृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-9-1979
मोहर :

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10015—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 6 है, तथा जो आनमलै हिल्स बालपारै (रामरमलै एस्टेट) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनमलै (डाकुमेंट सं० 27/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई कितनी आय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या धन्य वस्तुओं को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
11—296G1/79

1. श्री एम० नाचिमुतु चीर और अरुसं ।

(अन्तरक)

2. श्री सी० अलमेलु आचि और अरुसं ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी दावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि प्लॉट सं० 6, आनमलै हिल्स बालपारै (रामरमलै एस्टेट) (डाकुमेंट सं० 27/79) ।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-9-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 6952--(यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6/17 सी (89) है, तथा जो अन्ना मालै, मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिपलिकेन, मद्रास (डाकुमेंट सं० 81/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण रिजिस्ट्री में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की वास्तविक आय अधिनियम, के अधीन कर देने के वास्ते के शायदश में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या निम्नी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, रिजिस्ट्री में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. एस्टेट आफ लेण्ड इटालिया

(अन्तरक)

2. अमली एस०एम० रजोता बीबी ए० मोहम्मद जमील
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधले:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धांधले-धारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 89 (6/17 सी) अन्ना मालै, मद्रास-2
(डाकुमेंट सं० 81/79)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-9-1979
मोहर :

प्रथम भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 8475/79—(यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी.एस. नं० 3604/4 है, तथा जो जेल रोड, पुडुकोट्टे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, पुडुकोट्टे (डाकुमेंट सं० 182/79) में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० के० एस० अब्दुल मजिद
- (2) श्री बी० के० एस० कलीफुल्ला,
- (3) श्री बी० के० एस० जफरुल्ला

(अन्तरक)

2. श्री पी० अब्दुल अमीद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट सं० 182/79 एस० आर० श्री० पुडुकोट्टे भूमि और निर्माण टि० एस० नं० 3604/4 जेल रोड, पुडुकोट्टे।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-9-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1. (1) श्री सैतुयर चिन्नप्पन
- (2) श्री सैलयर वल्लभणि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

2. श्रीमती एस० किलमन्दीण सेंट गेस सेंट गेस सेमण

(अन्तरिती)

कार्यालय, महायन्त्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 8473/79 (यत—मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 46 है, तथा जो यान्त्रिक बेंकटासल पिल्लै स्ट्रीट, पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर० I पांडिचेरी (11/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आकृति नं० 11/79 जे० एस० आर० I पांडिचेरी
भूमि और निर्माण और नं० 46, यान्त्रिक बेंकटासल पिल्लै स्ट्रीट पांडिचेरी।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एम. एस.—

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 6926/79—(यतः, मुझे, राधा बाल कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० है प्रतिलक्ष है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 है, तथा जो स्टर्लिंग रोड, जंगमपाक्कम, मद्रास 34 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास-17 में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:—

1. श्रीमती राजम वैदिमनालण

(अन्तरक)

2. श्रीमती बार्ती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही कराया है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि की भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट सं० 97/79 एस० आर० ओ० टी० नगर, मद्रास
भूमि और निर्माण प्लॉट नं० 3, आर० एस० नं० 533/25,
स्टर्लिंग रोड, जंगमपाक्कम, मद्रास-34।

राधा बाल कृष्णन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 12-9-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 6958/पी० 1/79--(यतः, मुझे, राधा बाल कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जेम्स डोर नं० 71 है, तथा जो अक्षा सालै मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकां के कार्यालय, तिरुपिलिकेन मद्रास (डाकुमेंट सं० 38/पी० 1/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयस्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया बाहिर था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री जगडोटु डिन्डा इटालिया

(अन्तरक)

2. दि सेंट्रल को० ग्राप० प्रिंटिंग वर्कस लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मजबूतताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 38/79/पी० 1 एम० आर० ओ० तिरुपिलिकेन, मद्रास

भूमि और निर्माण--डोर नं० 71, अक्षा सालै मद्रास-2।

राधा बाल कृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 18-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 6958/पी० 2/79—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,

आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

नं० 77, अन्ना सालै है, तथा जो मद्रास-2 में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपलिकेन मद्रास 38/पी 2/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरेकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्, :—

1. श्री जमशेद डिंगा इटालिया

(अन्तरक)

2. दि सेंट्रल को० ग्राप० प्रिटिंग वर्क लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 38/पी० 2/79 एम० आर० ओ०

तिरुपलिकेन, मद्रास

भूमि और निर्माण —डोर नं० 77, अन्ना सालै मद्रास-2

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 18-9-1979

मोहर :

प्रारूप धारा-1 टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10058/79—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन्
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 201-ए है तथा जो 3rd स्ट्रीट, गांधीपुरम्,
कोयंबतूर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधीपुरम्, कोयंबतूर (डाक नं० 195/79) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये प्रस्तावित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के बाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती पी० एन० कोतै ।

(प्रस्तरक)

2. (1) बलमपुरी सोमनाथण और

(2) पलनिमप्पण ।

(प्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताशरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

ड्राफ्ट नं० 195/79 एस० आर० प्रो० गांधीपुरम्
कोयंबतूर ।

भूमि और निर्माण—डोर नं० 201-ए 3rd स्ट्रीट, गांधी-
पुरम्, कोयंबतूर ।

राधा बालकृष्णन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अगस्त 1979

निर्देश सं० 1019/ए/सहारनपुर—अतः मुझे, भरत चन्द चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2/424/1 है तथा जो मोहल्ला सराय धर्मसिंह में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालये सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12-296GI/79

1. श्री गजेन्द्र सिंह पुत्र सन्त सिंह दुआ निवासी अम्बाला रोड़, सहारनपुर।

(अन्तरक)

2. सरदार इकबाल सिंह पुत्र सन्त सिंह निवासी पटेल नगर, सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नं० 2/424/1, स्थित मोहल्ला सराय धूम सिंह गली सहारनपुर में 30,000/- रु० की बेची गयी है।

भरत चन्द चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-8-1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कानपुर, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० 742/ए/इटावा—यतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 377, 380, 393, 427 528 है तथा
जो बाके राधोपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय इटावा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और
भ्रन्तरितो (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए
तयपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायिस्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या मध्य प्राप्तिथों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रन्-
तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री देवेन्द्र प्रसाद पुत्र श्री जय चन्द नि० शहर
इटावा मुहल्ला गौशाल। (भ्रन्तरक)

2. सु कौर जोन्रेवेजे श्री दर्शन सिंह, श्री सन्तोष सिंह
पुत्र दला सिंह नि० शहर इटावा मुहल्ला चौगुनी व मोहन
लाल चन्द पुत्र महादेव प्रसाद और हरीश चन्द पुत्र बालेश्वर
प्रसाद नि० इटावा मुहल्ला व्यास गंज व अब्दूल मलिक
व अब्दूल सलीम पुत्र हाजी अब्दूल गफ्फार नि० शहर
इटावा मुहल्ला नौरंगाबाद। (भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भ्रन्त के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भ्रन्त के संबंध में कोई भी माधेयः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
गन्ध व्यक्ति द्वारा, मध्योहस्ताक्षरी के पाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :- इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाके राधोपुर में कृषि भूमि 20,000 की बेची गई।

भ च चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, कानपुर

तारीख: 17-8-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. मैसर्स दि जनरल टोकीज लिमिटेड 7 एम० जे० बिल्डिंग, चांदनी चौक, देहली। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 अगस्त, 1979

निर्देश सं० 902-ए/ग० बाध—प्रतः मुझे, भरत चन्द
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो जी० टी० रोड़ गाजिया
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

2. मैसर्स गोपाल दास स्टेट एण्ड हाउसिंग प्राइवेट
लिमिटेड 28 बारा खभा रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4600 स्क्वयर यार्ड स्थित बाग
माटियारी जी० टी० रोड़, गाजियाबाद में 7,00,000/-
रु० का बेटा गया।

भरत चन्द चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 18-8-1979

मोहर:

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 अगस्त, 1979

निर्देश सं० 938-ए / मेरठ—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3 प्लॉट है तथा जो हजारी का प्याऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-1-1979 के

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री अजीत सिंह पुत्र श्री इन्द्रपाल सिंह नि० सरस्वती मन्दिर सूरजकुण्ड रोड़, मेरठ सिटी। (अन्तरक)

2. श्री फिसल अली पुत्र जाफर अली खान नि० आई० आर० ए० लाईन्स मेरठ कैंट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3 सलीमेन्ट स्ट्रीट हजारी का प्याऊ मेरठ सिटी में 48750/2 की बेची गयी/जिसका कि वास्तविक बाजारी मूल्य 75,000/- है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-8-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 अगस्त 1979

निर्देश सं० 648-ए—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 19/1 है तथा जो मोहनी रोड़, देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्र भान गावा पुत्र धनी मल गावा निवासी मकान न० 1 लाल सिंह क्वाटर, 4 धमन वाला देहरादून।
(अन्तरक)

2. श्री लाल बहादुर लाल पुत्र गुरदीन निवासी 13/342 परमट कानपुर वर्तमान निवासी 19/1 मोहनी रोड़, देहरादून।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नम्बर 19/1 मोहनी रोड़, देहरादून में 40,000/- रु० की बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-8-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निवेदन सं० 922-एने/मेरठ 7980—प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो अग्रवाल मण्डी तह० बागपत, मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बागपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन 15-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मायु:—

1. श्री चन्द्रभान पिसर स्व० श्री मुन्शीलाल कपिल, (नाबालिक), सभुभन, सहदेव अशोक पुत्र गदाचन्द भान निवासी टटोरी परगना व तह० बागपत पो० खास जिला मेरठ। (अन्तरक)

2. श्री रामेश्वर दयाल पुत्र लाला बाबूराम व श्रीमती अंगूरी देवी पत्नी देवकरण दास निवासी अग्रवाल मण्डी टटोरी परगना व तह० बागपत पो० खास जिला मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सखि अहाता समीर पुक्ता अग्रवाल मण्डी टटोरीबन्दर हद्द चटाउन एरिया परगना व तह० बागपत जिला मेरठ म 1,00,000 रु० यम बचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-9-1979

मोहर:

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निवेश सं० 899-ए-गाजियाबाद/7980—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 1030 व 1030 ए है तथा जो मुरादनगर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजिया-
बाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 17-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का समूह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा
र्या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. चौधरी देनराज सिंह पुत्र चौधरी छोटू राम
निवासी 12 ओल्ड पाकेट माथविय नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाश शर्मा पुत्र श्री चिरंजीलाल शर्मा
निवासी 10001 बस्ट गोरखपार्क शाहदरा, देहली-32 व
श्रीमती सुदेश चावला पत्नी श्री पिशोरी लाल चावला निवासी
1/9263 बस्ट रोहतास नगर शाहदरा, देहली-32।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक सिनेमा भवन नं० 1030 एवं 1030 ए स्थित
मुरादनगर परगना अलाबाद जिला गाजियाबाद में 4,50,000
रु० का बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-9-1979

मोहर:

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 1013/एक्वि०/आगरा/78-79--प्रत. मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 25/35 प्लॉट 21 ए है तथा जो विनय
नगर कालोनी, आगरा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 12-1-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिए धस्तऐवज की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों)
और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के धन्तरक के वास्तव में
कयी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को जिन्हें धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, ठिपाने
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्थात् :—

1. श्रीमती विद्याधरी जौहरी वेवा श्री चन्द धर जौहरी
श्री प्रभात कुमार जौहरी साकिनान 56 हैलमट रोड,
कलकत्ता प्रोजेक्ट इन्जीनियर इंडियन एक्सप्लोसिव लिमिटेड
कलकत्ता मछतारग्राम व पुत्र श्रीमती विद्याधर जौहरी
माजकूट हाल वादी आगरा। (अन्तरक)

2. श्री गोविन्द प्रसाद व महेश चन्द्र व अशोक कुमार
व वैकुण्ठ नाथ व गोपाल दाम व ब्रिज बिहारी पुत्रगण श्री
फूल चन्द सकिनान नमक की मण्डी आगरा। (अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता कोठी 25/35 मशहूर प्लॉट नं० 21 ऐ०
वाके विनय नगर कालोनी आगरा में 2,40,000/- रु०
की बेची गयी।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 6-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 907-ए/गा० बा०—अतः मुझे, भ० च०
चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 104 है तथा जो मीरपुर कला में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 9-1-1979 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी
करने या उससे बचन या मुक्ति के लिए। यो/य

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्-
तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—296GI/79

1. श्री रवेन्द सिंह पुत्र प्रीतम सिंह नि० ग्राम बामनौली
पो० खाम पर० व तह० सरधना जि० मेरठ। (अन्तरक)

2. श्री इन्द्र जीत सिंह वेदी पुत्र चंचल सिंह वेदी
देशबन्धु मार्ग, पहाड़ गंज, देहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आयकर निरीक्षक की रिपोर्ट के आधार पर तथा
संपत्ति का उचित बाजारी मूल्य के अनुसार इस भूमि की
कीमत 1,38,000/- रु० अ० की गयी है यह कृषि भूमि
ग्राम मीरपुर कला पर० व तह० हापुड़ जि० गाजियाबाद
में 70,000/- रु० की बेची गई है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 918-ए०—अतः मुझे, वी० सी० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 27 है तथा जो जगजोतपुर में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त
प्रतिकर के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वर्तमान प्रतिकर से ऐसे दृष्टान्त प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किंवा प्राप्त की जाय, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किंवा धन या अन्य प्राप्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री वैद्य विष्णू दत्त पुत्र स्व० प० वैद्य रामचन्द्र
निवासी मोहल्ला राजघाट कनखल डा० खास पर० जवानापुर
तह० रुड़की जिला सहारनपुर। (अन्तरक)

2. मैसर्स हिमालय प्रापर्टी एजेंट्स अपर रोड़ हरिद्वार
मोहल्ला लाटोवालों हिस्सेदार हिमालय प्रापर्टी एजेंट्स अपर
रोड़ हरिद्वार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होगी या, के भीतर पूर्णतः जातियों में से किमी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा मशहूरनामारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इस कार्यालय की जांच रिपोर्ट के अनुसार एवं इकट्ठा
किये गये सबूतों के अनुसार इस कृषि भूमि का बाजारी मूल्य
वास्तविक मूल्य से 15 प्रतिशत से अधिक आता है।

वी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-9-1979
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 9 अगस्त, 1979

निर्देश सं० जी० आर० जी० 27/78-79—अतः मुझे
रवीन्द्र कुमार पठानियां निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'नया अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 20 कनाल 6 मरले तथा
ट्यूबवेल है तथा जो ग्राम दौलतपुर नजीराबाद (गुड़गांव)
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रार कृत अधिकारों के कार्यालय, गुड़गांव
में रजिस्ट्रार कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री समपत पुत्र श्री दीप चन्द अहीर निवासी
ग्राम मुलाहेड़ा तहसील तथा जिला, गुड़गांव। (अन्तरक)

2. मैसर्स ऊपा सटड तथा अग्नीकलचर फारम (प्र) लि०,
ग्राम दौलतपुर नजीराबाद जिला गुड़गांव। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाजप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोद्घातकी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 20 कनाल 6 मरले ट्यूबवेल सहित जोकि
ग्राम दौलतपुर नजीराबाद जिला गुड़गांव में स्थित है तथा
जैसे कि रजिस्ट्रार कृत गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक
3663 तिथि 2-2-1973 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानियां
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 9-8-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 9 अगस्त 1979

निर्देश सं० पी० एन० पी० 11/78-79—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि रकबा 5 बीघा 2 बिसवा है तथा जो पत्नी राजपूतन, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बिमला चौधरी, विधवा श्री लछमन दास मकान नं० 188, माडल टाउन, पानीपत। (अन्तरक)

2. (1) श्री राधे शाम पुत्र श्री किदार नाथ

(2) श्री रूप चन्द पुत्र श्री लछमन दास निवासी पानीपत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 5 बीघा 2 बिसवा जोकि पत्नी राजपूतन पानीपत में स्थित है तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4264 तिथि 19-1-1979 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 9-8-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, सोनीपत रोड़

रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० जी० आर० जी०/15/78-79—अतः मुझे,
ई० के० कोशी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन
रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 1/8 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाईन्स
है तथा जो गुड़गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी
के कार्यालय, गुड़गांव में, रजिस्ट्रार अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उद्योग पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या लघु अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1. श्री सतीश कुमार जैन पुत्र राजा रत्ती राम जैन,
1, सिविल लाईन्स, गुड़गांव। (अन्तरक)

2. श्री राजपाल सिंह, सरना पुत्र श्री ईश्वर सिंह सरना
श्री ईश्वर सिंह सरना पुत्र श्री इन्दर सिंह सरना निवासी
जी-ब्लाक हरि नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-6 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 1/8 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाईन्स गुड़गांव
तथा जैसे कि रजिस्ट्रारकी गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री
क्रमांक 3586 तिथि 25-1-79 पर दर्ज है।

ई० के० कोशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 1-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० जी० आर० जी०/16/78-79—अतः मुझे, ई० के० कोशी, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० 1/8 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाईन्स, है तथा जो गुड़गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में, रजिस्ट्रार/करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से प्रयुक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० के० जैन पुत्र श्री राजा रत्ना राम जैन
1 सिविल लाईन्ज, गुड़गांव।

(अन्तरक)

2. श्री हरविन्द्र सिंह छतवाल पुत्र श्री दर्शन सिंह छतवाल, निवासी 136, गौतम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 1/8 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाईन्स गुड़गांव तथा जैसे कि रजिस्ट्रार/कर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्रार क्रमांक 3587 तिथि 25-1-1979 पर दर्ज है।

ई० के० कोशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 1-9-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 1 मितम्बर, 1979

निर्देश सं० जी० आर० जी०/17/78-79—अतः मुझे
ई० के० कोशी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जुन रेंज
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/8 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाइन्ज
है तथा जो गुडगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु
सूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गुडगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

1. श्री एस० के० जैन पुत्र राजा रत्तो राम जैन 1,
सिविल लाइन्ज, गुडगांव।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जयबीर कौर पत्नी श्री जगजित सिंह सी-7
ग्रोन पार्क अक्मटेशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 1/8 भाग कोठी नं० 3 सिविल लाइन्ज, गुड-
गांव तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता गुडगांव के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 3588 तिथि 25-1-1979 पर दर्ज है।

ई० के० कोशी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख: 1-9-1979

मोहर:

प्रकरण आई०टी०एन०एस०---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सीनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० जी० आर० जी०/18/78-79---अतः मुझे,
ई० के० कोशी, निरीक्षा सहायक आयकर आयुक्त अर्जन
रोड, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/8 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाइन्स
है तथा जो गुड़गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गुड़गांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन पर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसे न होने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभाववर्त्य पन्तिलिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या जिसका प्रकट चाहिए था, लिखाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धार्याः--

1. श्री एस० के० जैन पुत्र राजा रत्ती राम जैन 1,
सिविल लाइन्स, गुड़गांव।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कलवन्त कौर परती श्री जमवीर सिंह
सो-7, ग्रीन पार्क एक्स्टेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताधिकारी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 1/8 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाइन्स,
गुड़गांव तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 3589 तिथि 25-1-1979 पर दर्ज है।

ई० के० कोशी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 1-9-1979

मोहर :

प्रकट आई० टी०एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० जी० आर० जी०/19/78-79—अतः मुझे, ई० के० कोशी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 1/8 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाईन्स, है तथा जो गुड़गाँवा में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गाँवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

14—296GI/79

1. श्री एम० के० जैन पुत्र श्री राजा रत्तो राम जैन 1, सिविल लाईन्ज, गुड़गाँवा। (अन्तरक)
2. श्री जसबीर सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह अतनाल सी-7, ग्रीन पार्क एस्टेट्स, नई दिल्ली। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 1/2 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाईन्ज, गुड़गाँवा तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गाँवा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक नं० 3590 तिथि 25-1-1979 पर दर्ज है।

ई० के० कोशी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख: 1-9-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० जी०आर० जी०/20/78-79—अतः मुझे ई०
 के० कोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/8 भाग, कोठी नं० 3, सिविल लाइन्स है
 तथा जो गुड़गांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
 और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 नथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या इसे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1. श्री एस० के० जैन, पुत्र राजा रत्ती राम जैन,
 1, सिविल लाइन्स, गुड़गांव।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कीरतन कौर, पत्नी श्री दर्शन सिंह छतवाल
 निवासी सी-7, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 1/8 भाग कोठी नं० 3 सिविल लाइन्स, गुड़गांव
 तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री
 क्रमांक 3591 तिथि 25-1-1979 पर दर्ज है।

ई० के० कीशी
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 1-9-1979
 मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपीत रोड,

रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निदेश सं० जी०आर० जी०/21/78-79—अतः मुझे ई० के० कोशी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/8 भाग कोठी नं० 3 सिविल लाइन्स, है तथा जो गुड़गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० के० जैन, पुत्र राजा रती राम जैन,
1, सिविल लाइन्स, गुड़गांव।

(अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह छतवाल पुत्र श्री महताव सिंह
136, गौतम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा या उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 1/8 भाग, कोठी नं० 3, सिविल लाइन्स, गुड़गांव तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3592, दिनांक 25-1-1979 पर दर्ज है।

ई० के० कोशी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 1-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० जी० आर० जी०/22/78-79:—अतः मुझे ई० के० कोशी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/8 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाइन्स है तथा जो गुडगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० के० जैन, पुत्र श्री राजा रत्ती राम जैन,
1, सिविल लाइन्स, गुडगांव।

(अन्तरक)

2. श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह छतवाल,
सी-7, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिना गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 1/8 भाग कोठी नं० 3 सिविल लाइन्स, गुडगांव तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता गुडगांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक नं० 3593-दिनांक 25-1-1979 पर दर्ज है।

ई० के० कोशी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 1-9-1979
मोहर :

प्रकरण आई०डी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० एस० डी/2/78-79—अतः मझे ई० के०
कोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, त्रियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 79 कनाल, 14 सरला, है तथा
जो ग्राम मूनक, तहसील आसन्ध में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय आसन्ध में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कब के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, उसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (प्रस्तर्तों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री परसा पुत्र श्री तेलू राम
निवासी ग्राम मनक, तहसील आसन्ध।

(अन्तरक)

2. श्री अन्तर सिंह पुत्र श्री दया राम
निवासी ग्राम गगसीना, तहसील आसन्ध।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से कितने व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवहारीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में विभा
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 79 कनाल 14 सरले, जो कि ग्राम
मनक में स्थित है तथा जो कि रजिस्ट्रीकर्ता आसन्ध के कार्यालय
में रजिस्ट्री क्रमांक 2091 दिनांक 9-1-1979 पर दर्ज है।

ई० के० कोशी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 21-9-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोषीन-16, दिनांक 4 अगस्त, 1979

निदेश सं० एल० सी० 314/79-80—यतः मुझे के०
नारायण सेनन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 22-1-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उपपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) डा० इन्दिरा देवी,
(2) श्री कृष्णन
(3) श्री गोविन्दन
(4) श्री शिवन
(5) श्री विजयन } (इन्दिरा देवी के द्वारा)
- (6) जोसफ मैथिल एन्ड ब्रदर्स (जोसफ मात्सू के द्वारा)
(अन्तरिती)

2. (1) श्रीमती गिरिजा देवी
(2) श्रीमती सरस्वती
(3) श्रीमती नलिनी
(4) श्रीमती पारवती
(5) श्रीमती शिवराम कृष्णन
(गिरिजा देवी के द्वारा)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टाचारकारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 right over 58.5 Cents of land and building as per schedule
attached to document No. 222/79.

के० नारायण सेनन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 4-8-1979

मोहर :

प्रकृष धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी०/319/79-80—यतः मुझे, के० नारायण मेनन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो तिरुवनतपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चाले में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एन० शिवताणु पिल्लै,

(अन्तरक)

2. (1) सर्वश्री माट्यू,
- (2) शोशाम्मा,
- (3) रोय० एम० माट्यू
- (4) निस्सी माट्यू
- (5) शोशाम्मा माम्मन
- (6) बेल्ली माट्यू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

43 Cents of land in Survey No. 2613/2, 2615/2 of Chengazhassery village.

के० नारायण मेनन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -, एरणाकुलम

तारीख 7-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० एल० सी० 333/79-80—यतः मुझे के०
नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो लितरुवनन्त-
पुरम, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरु-
वनन्तपुरम, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 3:1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मान्यू

(अन्तरक)

2. श्रीमती अम्मिणी वलसन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

9 Cents of land with buildings as per schedule attached to
doc. No. 37/79.

के० नारायण मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

तारीख 10-9-79

मोहर :

प्रश्न आई० सी० एन० एम०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम,

एरणाकुलम, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 331/79-80—अतः मुझे, के०
नारायणा मेनोन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो बर्कला में स्थित
है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-1-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए भय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के आस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आम्निजो
को जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, यह उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—296G1/79

1. श्रीमती वी० आनन्दवल्ली,

(अन्तरक)

2. (1) श्री पी० देवादासन नायर

(2) पी० अश्वत्थन नायर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्ग के लिए
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के पत्रों के सम्बन्ध में कोई भी धारा :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, बड़ी धरें होंगे जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

40 Cents of land with buildings as per schedule attached
to doc. No. 328/79.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 10-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती वी० आनंदवल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री ए० अश्वरफ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

एरणाकुलम, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 332/79-80—यतः मुझे के० नारायणा मेनीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो वर्कला में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-79 को

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

61 Cents of land as per schedule attached to doc. No. 327/79.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-9-1979
मोहर :सक्षम प्राधिकारी
के० नारायणा मेनीन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणा लम

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री अब्दुल करी

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मोहनन नायर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 सितम्बर, 1979

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

निदेश सं० एल० सी० 335/79-80/—यतः मुझे के०

नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कोल्लम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 30-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से फर्कित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
सुविधा के लिए;

अनुसूची

30 Cents of land as per schedule attached to doc. No.
348/79.

के० नारायण मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 13-9-1979

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 336/79-80—यतः मुझे के०
नारायण मनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कोल्लम में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. अब्दुल करीम

(अन्तरक)

2. डा० के० परमेश्वर नायर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12 Cents of land with building as per schedule attached to
doc. No. 349/79.

सक्षम प्राधिकारी

के० नारायण मनोन

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम

तारीख : 13-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० सी० एन० एस०—

1. श्री अब्दुल करीम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(के० मैतीन कुंज एन्ड संस प्रा० लिमिटेड के लिये)
(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 सितम्बर, 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

निदेश सं० एल० सी० 337/79-80—यतः मुझे, के०
नारायण मेनोन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कौल्लम में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में प्रौर जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-1-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में ग्राह्यित कर में कृपित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय से दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाजित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा कितना आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न हो सके
गया था या प्रकट होना चाहिए था, छपाने
में सुविधा के लिए;

अनुसूची

30 Cents of land with buildings as per schedule attached
to doc. No. 350/79.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 13-9-1979
मोहरः

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 17 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 111-317/अर्जन/79-80/131—अतः मुझे,
ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
व्यापार संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो रांची में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-1-79
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ज्वाला प्रसाद जलान और शावल राम जलान
पुत्र श्री स्वर्गीय मेन्दी राम जलान
नं० 8/आईए, नफर कुन्डु रोड, कलकत्ता

(अन्तरक)

2. श्री शमर सिंह जायसवाल

प्रबन्ध निदेशक,

मैसर्स वरधन ब्रदर्स, (प्रा०) लिमिटेड

27 'बी', कैमेर स्ट्रीट कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कई टेकड़े, जमीन जिसका रकबा 9 एकड़, 61 डीसमल
जमीन मकान मय लाजवंत जो,

प्लेट नं०	खाता नं०
158	2/16
167	2/11
170	2/11
147	2/15
204, 205, 206	39
152	39
207	40/5
161, 162, 163, 164, 165, तथा 166	51
533 और 534	52
160	51
147	2/16
487	38

ग्राम दुदरी, और मुरहू परगना सोनापुर, थाना और अवर
निबन्धक खूंदी, जिला रांची में स्थित है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज
संख्या 7 दिनांक 8-1-79 में वर्णित है।

ज्योतिन्द्रनाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

तारीख 17-4-1979

मोहर:

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना¹

भारत सरकार

तारानिय, महत्वक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 28 जून, 1979

निदेश सं० 111-333/अर्जन/77-80--अन: मुझे ज्योतिन्द्र
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर, 237, खाता नम्बर, 2 है तथा
तौजी नम्बर, 9 खवात नं० 1, है तथा जो बहादुरपुर, जिला
पटना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना सिटी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
12-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उध पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक काम कबित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाधन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्त-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स "बिहार केबुल कंपनी" केकड़ बाग रोड, थाना
सुजतानगंज, जिला पटना द्वारा साझेदार:

- (1) श्री मदन लाल बिमनोई
- (2) श्री डा० शान्ति लाल बिमनोई
दोनों बल्थान श्री हरिदत्त बिमनोई निवासी
बोरींग रोड, थाना कोतवाली, जिला पटना।
- (3) श्रीमती सुरेश कुमार बिमनोई, जीजे श्री रतनलाल
बिमनोई, निवासी श्री कृष्णपुरी थाना कोतवाली
जिला पटना।
- (4) श्री अर्जन कुमार बिमनोई बल्द श्री मदन लाल
बिमनोई निवासी बोरींग, के नाम रोड, थाना

कोतवाली, जिला पटना, अपने आपको दशति है
द्वारा कानूनी, एटोर्नी श्री मदन लाल बिमनोई
बल्द श्री देशी दत्ता बिमनोई, निवासी बोरींग
केनाल, रोड, थाना कोतवाली, जिला पटना।

(5) श्री उदय बिमनोई बल्द श्री रतन लाल बिमनोई
निवासी श्री कृष्णपुरी, थाना कोतवाली, जिला
पटना।

(6) श्री देवेन्द्र कुमार गिह

(7) श्री योगेन्द्र कुमार सह

दोनों बल्थान श्री राजेन्द्र कुमार सिंह निवासी
बरादरी थाना कोतवाली जिला मुरादाबाद अपने
आप को दशति है द्वारा कानूनी एटोर्नी
श्री रतनलाल बिमनोई बल्द श्री हरिदत्त बिमनोई
मुहल्ला श्री कृष्णपुरी, थाना कोतवाली जिला
पटना। (अन्तरक)

2. मैसर्स रोड, ट्रान्सपोर्ट कारपोरेशन प्रधान कार्यालय 14
तारा चन्द दत्त गली, कलकत्ता-13 जोबल कार्यालय
आरके० के० भट्टाचार्य रोड, पटना-1 द्वारा जोनल मैनेजर
श्री बी० एस० जैन, बल्द स्वर्गीय श्री उज्जर जैन, सभी
साझेदारी के मुख्यालय नामा मैसर्स रोड, ट्रान्सपोर्ट
कारपोरेशन, बनाम श्री किशन लाल शुरेका बल्द
स्वर्गीय श्री कातीराम शुरेका, :

(1) श्री घनश्याम दास गोयल

(2) श्री ब्रह्माचन्द्र गोयल

(3) श्री श्रीमप्रकाश गोयल

(4) श्री ताराचन्द शुरेका बल्द स्वर्गीय श्री कातीराम
शुरेका। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रश्न :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी जमीन के सभी टुकड़े, जिसका रकबा करीब
25.5 कट्टा है जिसमें तीन गोदाम एक पक्का कमरा एक ट्रान्स-
फार्मर कमरा एक कच्चा रूम बना हुआ है तथा तीन तरफ से
घिरा हुआ है दिवाल जो 155 फीट 'पूरब से पश्चिम में रोड,
और 235 फीट उत्तर से दक्षिण पूर्व की ओर 145 फीट पूरब
से पश्चिम दक्षिण की ओर और 220 फीट उत्तर से दक्षिण
पश्चिम की ओर से बना है। इसका प्लॉट नम्बर, 237 खाता
नं० 2 तौजी नं० 9 खवात नं० 1 जो मौजा बहादुरपुर
परगना अजीमाबाद, सर्वेथाना पीरवहौर, हाल केकड़वाग थाना

मुलतानगंज, थाना नम्बर 10 जिला पटना में स्थित है। इसका पंजीकरण और निबंधक, पटना सिटी में दस्तावेज संख्या 142 दिनांक 12-1-79 के द्वारा हुआ है।

ज्योतीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, पटना

तारीख 28-6-79

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 25 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 111-346/अर्जन-79/80:—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड नं० 8 (पुराना) 15 (नया) सर्किल है, तथा जो नम्बर 23, सीट नम्बर 67 होलींग नम्बर 6 अशोक राजपथ पटना (पटना मार्केट के समीप) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को अधिधारा (1) के अधीन निम्नलिखित आस्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अब्दुल मोहज पुत्र सेख अब्दुल अजीत मोहल्ला मुरादपुर थाना पीरवहौर पटना सहर, पटना।

(अन्तरकर)

(2) श्री जय नाथ प्रसाद अपुत्र स्वर्गीय श्री देवी लाल साह निवासी राधिका निवास, अनुग्रह नारायण रोड (न्यू ऐरीया) कदम कुआं जिन्ना-पटना।

(अन्तरिती)

(3) (1) मैसर्स-टाप टेजिंग मुरादपुर (पटना)

(2) मैसर्स वीग वेन वाचेज मुरादपुर, पटना।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां कराव्यक्त हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का हिस्सा 2 आना 8 पाई जिसका रकबा 37 कड़ी है जो मुरादपुर अशोक राज पथ थाना पीरवहौर पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 247 दिनांक 15-1-79 में वर्णित है और जो जिला अवर निबंधन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन क्षेत्र, पटना

तारीख : 25-9-79।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तिथि 23 अगस्त, 1979

निदेश संख्या राज/सहा० आ० अर्जन/589:—यतः मुझे,
एम० आर० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो अजमेर में स्थित है, (और
इससे उपावय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 मार्च, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
उत्पन्न प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
16-296GI/79

(1) 1. श्री राम स्वरूप हिंगड पुत्र गणेशी लाल हिंगड, 2.
धनपत कुमार नाबालिग, 3. कुसुमलता नाबालिग पुत्र
एवं पुत्री श्री रामस्वरूप हिंगड, नेहरू नगर, व्यावर ।
(अन्तरक)

(2) 1. रंगलाल, 2. हरदीन पिसरान मंगला, 3. गणपत
नाबालिग पुत्र मंगला बबलायत मंगला जाटनिवासी यान
धीतड़ा तह, अजमेर ।
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताक्षरी के पास
निम्नलिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

37 बीघा 12 बिस्वा कृषि भूमि मय कुंआ बाके मौजा दातडा
तहसील अजमेर जो उप पंजियक, अजमेर द्वारा क्रमांक 680
दिनांक 9 मार्च, 1979 में और अधिक विस्तृत रूप से विवरणित
है ।

एम० आर० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23 अगस्त, 1979
सोहर :

प्रारूप आर्डे० नो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 31 अगस्त 1979

निदेश संख्या राज/सहा०/आ० अर्जन/590—यतः मुझे,
एम० आर० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पत्रानुसार उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मदनगंज किशनगढ़
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय किशनगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 मार्च,
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरही) और अन्तरिणी (अन्तररिणी) के बीच ऐसे
अन्तर का लिए यह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं कि गये हैं:—

(क) कानून से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में बर्सा करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें आन्वीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या
अन्तरण अधिनियम, 1953 (1953 का 27)
के परीक्षणार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या यह किया जाना चाहिए या छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
प्रवृत्त में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मैसर्स महावरी साईजिंग फैक्ट्री द्वारा इसके पार्टनर्स:—
श्री लादू लाल, श्री प्रकाश चन्द, श्री महावीर प्रसाद
पुत्रान श्री नवरतन मल गंगवाल, जैन, निवासी ग्राम
दादीया, तहसील किशनगढ़।

(2) श्री जतन सिंह, श्री गोपी चन्द, श्री नाहर सिंह,
पुत्रान श्री गुलाब सिंह मेहता, निवासी ग्राम डमूक
तहसील किशनगढ़।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ओसवाल साईजिंग इण्डस्ट्री, द्वारा इसके
पार्टनर्स:—

(1) श्री जवरी लाल मोडू लाल (एच० यू० एफ०)
द्वारा श्री त्रिलोक चन्द पुत्र श्री जवरी लाल, श्रीमति प्रेम
देवी पत्नि श्री सोहन लाल, श्रीमति सिरिया देवी पत्नि
श्री त्रिलोक चन्द, निवासी बागसुरी तहसील एवं जिला
अजमेर।

(2) श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री भैर सिंह जामड़
श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र गुलाब सिंह सकलेचा, श्री अशोक
कुमार पुत्र जेठमल मेहता, मदनगंज किशनगढ़, अजमेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तरण के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आजादपुर, मदनगंज किशनगढ़ में स्थित मकान संपत्ति जो
उप पंजीयक, किशनगढ़ द्वारा क्रम संख्या 119 दिनांक 26-3-1979
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 31 अगस्त, 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 अगस्त, 1979

निदेश संख्या : राज/सहा० घा० अर्जन/591:—मतः मुझे, एम० प्रार० अग्रवाल, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए०-29 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 जनवरी, 1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीतः—

(1) श्री कमल चन्द नवलखा पुत्र सेठ सिरह मल जैन अग्रवाल नवलखा रास्ता भैरु जी कुन्दीगरान चौ, घाटदरवाजा, जयपुर। (अन्तरक)

(2) श्री रामेश्वर लाल वालवाला पुत्र श्री घीसी लाल वैश्य अग्रवाल, निवासी चौक नथमल जी का चोकड़ी घाट दरवाजा, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए०-29 पश्चिम मुखी, जनता कालोनी, जयपुर पर स्थित मकानात जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 16 दिनांक 6-1-1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० प्रार० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 23 अगस्त, 1979
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भज रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

निदेश संख्या : राज/सहा० घा० भर्जन/592:—यतः मुझे, एम० आर० अग्रवाल, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्पट प्रतिकल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कबो करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तुओं को, जिन्हें घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) कुमारी रश्मि बंसल पुत्री श्रीकिशन बंसल, प्लॉट नं० ए-27, कान्ति चन्द्र मार्ग, बनी पार्क, जयपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री श्यामसुन्दर लाल बाफना पुत्र श्री विष्णु लाल बाफना निवासी 7 क 15, जवाहर नगर, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवेश के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्मे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंसल भवन का भाग, गुलाब पथ, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर जो उप-पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 116 दिनांक 27-1-1979 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रज, जयपुर

तारीख : 4 सितम्बर, 1979

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निदेश संख्या राज/सहा० आ० अर्जन/593—यतः मुझे, एम० आर० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 जन०, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या धन्य धाम्नियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

(1) कुमारी रश्मि बंसल पुत्री श्री श्रीकिशम बंसल, प्लॉट नं० ए-27, कान्ति चन्द्र मार्ग, बनी पार्क, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम सुन्दर लाल बाफना पुत्र श्री विष्णुलाल बाफना, 7 क 15, जवाहर नगर, जयपुर।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स नेशनल मीड्स कारपोरेशन (किरायधार) जयपुर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना द्वारा करके पूर्वोक्त अधिनियम के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त अधिनियम के अर्जन के पश्चात् में कोई भी धात्री :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भाग्य पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रबल होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंसल भवन का भाग जो गुलाब पथ, सरदार पटेल मार्ग, सी स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 28 दिनांक 21-1-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विपरणित है।

एम० आर० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 4 सितम्बर, 1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निर्देश सं० राज/सहा० भा० अर्जन/594—यतः मुझे,
एम० आर० अग्रवाल,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 जनवरी,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कप के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए ठप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
बहुसंख्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाम की वास्तविक उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
समिलन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) कुमारी रश्मि बंसल पुत्री श्री श्रीकिशन बंसल, प्लॉट नं०
ए-27, कान्ति चन्द्र मार्ग, बनी पार्क, जयपुर।
(अन्तरक)

(2) कुमारी अरुणा बाफना पुत्री श्री श्यामसुन्दर लाल
बाफना, निवासी 7 क 15 जवाहर नगर, जयपुर।
(अन्तरिती)

(3) मैसर्स नेशनल सीड्स कारपोरेशन, जयपुर (किरायदार)
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।
अनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में द्विगुण्य किसी धर्म्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ता-
सारी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बंसल भवन का भाग, गुलाब पथ, सरदारपटेल मार्ग, जयपुर जो
उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 117 दिनांक 27 जनवरी, 1979
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 4 सितम्बर, 1979।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 सितंबर, 1979

निर्देश संख्या राज/सहा० आ० अर्जन/595—यतः मुझे, एम० आर० अग्रवाल, आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें आपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरेकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्, :-

(1) कुमारी रश्मि बंसल पुत्री श्रीकिशन बंसल प्लाट नं० ए-27, कान्ति चन्द्र मार्ग, बती पार्क, जयपुर ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरदार कुमारी पति श्री प्रियमसुन्दर लाल बाफना निवासी 7 क 15 जवाहर नगर, जयपुर ।
(अन्तरिती)

(3) मैसर्स नेशनल सीड्स कारपोरेशन, जयपुर ।
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बंसल भवन" नामक भवन का भाग, जो गुलाब पथ, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर पर स्थित है और उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमांक 192 दिनांक 30-1-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० आर० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 4-9-79
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जुन/596—यतः मुझे, एम० आर० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० जे-47 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती श्यामा देवी विधवा स्व० श्री कपूर चन्द संधी प्लॉट नं० जे-47, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। (अन्तरक)
2. श्री निहाल चन्द पुत्र श्री गुलाब चन्द कामलीवाल, प्लॉट नं० जे-47, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो प्लॉट नं० जे-47, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर पर स्थित है और उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 265 दिनांक 9-2-79 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख: 4 सितम्बर, 1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/1324/79-80—

अतः मुझे, कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन तत्त्व प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुचि नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

17—296GI/79

(1) श्री वन्सी लाल वल्द लक्ष्मी चन्द जैन 775,
बकतरपुरा, जबलपुर । (अन्तरक)

(2) श्री छगन लाल वल्द केठारीमल एवं (2) मांगी लाल पन्ना लाल, वल्द छगन लाल, सदर बाजार,
जबलपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घुस्तानरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 166/1 पर बना मकान नं० 288 स्थित
गोरखपुर, जबलपुर ।

कु० का० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-8-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/1322/79-80—अतः,
मुझे, के० के० राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
13 मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की शक्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी वस्तु या अन्य वस्तुओं को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्री वीरेन्द्र कुमार समैया (2) अरविन्द कुमार
समैया (3) सन्तोष कुमार सभी पुत्र श्री
भासी राम समैया 548, हनुमानलाज जबलपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री अमृत लाल जैन (2) दयाचन्द जैन (3)
राजेन्द्र कुमार जैन (4) केवलचन्द (5) प्रकाश
चन्द (6) अजय कुमार (7) राजकुमार
सभी पुत्र अमृतलाल जैन 117 लार्ड गंज जबलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान नं० 874 प्लॉट नं० 45 पर मिजीरिंग 1100
स्क्वायर फुट लार्डगंज जबलपुर।

के० के० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-8-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त, 1979

निदेश सं० आई०ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/1323/79-80—

अतः मुझे, के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान तथा प्लॉट नं० जो देवास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात्:—

1. वसन्त त्रिम्बक राव पाण्डे (2) रजनीकान्त (3) मधुसूदन श्रीमती पार्वती बाई (4) यशवन्त निवासी 12 जेलरोड, देवास।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सांघवी ब्रदर्स महाराजा तुकाजी राव क्लाय मार्किट इन्दौर द्वारा पार्टनर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

प्रापटी "किसुरकुंज" नाम से प्रसिद्ध है। जो कि देवास उज्जैन रोड देवास में स्थित है। प्लॉट मिजीरिंग 3.84 एकड़ आउट आफ सर्वे नं० 65 आफ देवास प्लॉट विच स्ट्रक्चर स्टेन्डिंग देयर आन इन बार्ड नं० 4 देवास।

के० के० राय,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-8-1979

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन०एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त 1979

निदेश सं० आई० ए०सी०/एकत्री०/भोपाल/1324/79-80—

अतः, मझे, कृ० का० राय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, 2-3-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सरदार हरबन सिंह पिता सरदार वाजिर सिंह
12, लाजपत कुंज, जबलपुर

(अन्तरक)

(2) श्री खुशीराम पिता हीरानन्द काकवानी नई बस्ती,
कटनी, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवांछिताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नैपियर टाउन, जबलपुर में 2245 वर्गफुट जमीन पर बना
मकान नं० 12

कृ० का० राय

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-9-1979

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एवर्वा०/भोपाल/1325/79-80—

अतः, मुझे, के० के० राय

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के प्राप्ति में त्रुटि करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी पाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्रीमती: फ्रेनी: रुस्तमजी: पत्नी: श्री: रुस्तम जी बोमेंजी गाडे नेपियर टाउन, जबलपुर (अन्तरक)

2. (1) श्री: रोचराम पुत्र अमूलमल (2) चन्द्र लाल (3) लाल चन्द्र (4) नारायणदास सभी: पुत्र रोचराम अमूल मार्विट ओमेली: जबलपुर (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में यथापस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 776 नार्थ मिडिल लाइन (नेपियर टाउन)
नजूल प्लॉट नं० 20/2 ब्लॉक नं० 1 मिडिल लाइन स्टेशन
जबलपुर मिजोरिंग 20473 स्क० फुट।

के० के० राय
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-8-1979
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, किताब 29-8-1979

निदेश सं० आई ए०/सी०/एक्वी०/भोपाल/1326/79-80—

अतः, मुझे, कृ० का० राय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यह धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षों :—

(1) सरदार राजेन्द्र सिंह सराीन, नं० 4 साजपत कुंज जबलपुर (अन्तरक)

(2) श्री भगवान दास वल्लभ बलचन्द रुपचन्दानी (2) श्रीमती हीरा बाई पति भगवान दास (3) श्री दशरथ लाल रुपचन्दानी, 1071 नेपियर टाउन, जबलपुर (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 1071 -बी० से बी०/2 स्थित नेपियर टाउन, जबलपुर ।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-8-1979

मोहर :

प्रकरण भाई० डी० एन० एल०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 अगस्त 1979

निदेश सं०आई० ए०सी०/एकई०/भोपाल/1327/79-80---

अतः मुझे, कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० सकान है, जो इन्दौर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
2-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिणी
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:--

(क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनांश
प्रन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमता ईश्वरी बाई पत्नि 213, पलशीकर
कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री सेवाराम पिता बाशाराम जी, 213, पलशीकर
कालोनी, इन्दौर

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलशीकर कालोनी में रकबा 2241.6 वर्गफुट जमीन
पर बना सकान नं० 212, एक मंजिला।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख: 31-8-1979
मोहर:

रक्षा आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/1328/79-80-
अतः मुझे, क० का० राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० मकान (भाग) है, जो उज्जैन में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन, में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-1-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण अधिनियम में आन्तरिक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या धाराओं या अन्य प्राप्ति को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, स्थानों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
म उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्ति को सूचित करता हूँ :—

(1) श्री छोटा भाई पुत्र श्री पुरुषोत्तम दासजी पटेल,
माधव नगर, उज्जैन । (अन्तरक)

(2) श्री केशव देव पुत्र श्री हरप्रसाद जी गुप्ता, माधव
नगर, उज्जैन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

म्युनिसिपल मकान न० 6/328 का भाग (नया न० 51)
स्थित अमर सिंह मार्ग, उज्जैन ।

क० का० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-9-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1979 ।

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकी०/भोपाल/79-80/1329—

अतः, मुझे, क० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और ज़िम्मे स० मकान है, जो सोहागपुर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिपरिया में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्जन,
4-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
साधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
15—296GI/70

(1) श्रीमती सिरें कुंवर पति श्री बल्लभ दाम जी
भट्टर, पिपरिया तह० सोहागपुर जिला होशंगा-
बाद । (अन्तरक)

(2) श्री ईश्वरदास पुत्र श्री मानक चन्द गांधी
(महेश्वरी) द्वारा मैसर्स मोहन लाल मानकचन्द
गोल बाजार, पिपरिया तह० सोहागपुर जिला :
होशंगाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताशरो के पास
लिखित में किय जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 105 पर स्थित मकान खसरा नं० 178, तिलक
वाड, देवगांव, पिपरिया तह० सोहागपुर जिला, होशंगाबाद ।

क० का० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्सी०/भोपाल-1330/79-
80--अतः सुश्री, कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री गनपत राव पुत्र श्री रामराव जो अवर 34, बन्सी प्रैस की पिछली चाल, मालवा मिल्स, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) रज्जबचन्द्र पुत्र श्री हीरा लाल जैन 7, मारोठिया बाजार, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राज्ञेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 19 रकबा 1788 बगैफुट राम-लक्ष्मण बाजार, इन्दौर।

कु० का० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-9-1979
मोहर:

प्रकृष घाई० टी० एम० एस०-----

1. श्री सदाशिव शंकर रानडे

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1334—

अतः मुझे, कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वाहन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातुः—

2. श्रीमती शारदा बाई पत्नी श्री गणेश भालेराव 48-बी, राजेन्द्र नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 48 बी, राजेन्द्र नगर, इन्दौर।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 7-9-1979

मोहर:

प्रकरण घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 79-80/1332—यतः मुझे, कृ० कां० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जसकी सं० सकात है, तथा जो मानगज में स्थित है इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दमोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-4-1979 को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन करने के अन्तरक के बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री राघवेंद्र सिंह
(2) श्री वन माली सिंह
(3) श्री यदुनाथ सिंह सभी पुत्र ठाकुर मकुन्द सिंह राजपूत, रामपुर तह० व जिला दमोह (अन्तरक)
2. श्री देवन्द्र कुमार पुत्र श्री बाबू लाल जैन मोहल्ला भान गंज, जिला दमोह। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सकान नं० 2 59 मोहल्ला नं० 1, मानगंज तह० व जिला दमोह।

कृ० कां० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/
1433/—यतः मुझे, कृ० का० राय,
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान ई, तथा जो मानगंज में स्थित है
(और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दमोह में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-
4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से
कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य धारितियों
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री बाबूलाल जैन, मानगंज नं०
तह० व जिला—दमोह।

(अन्तरक)

2. (1) श्री मकुन्द सिंह

(2) श्री राघवेन्द्र सिंह

(3) श्री देशराज सिंह

(5) श्री वनमाली सिंह

(5) श्री मकुनाथ सिंह

(6) श्री भगतसिंह, रामपुर तह० व जिला दमोह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विवरण नं० बी० 306 पर स्थित मकान हल्का
नं० 50 ए, मानगंज मोहल्ला नं० 4, तह० व जिला—दमोह

कृ० का० राय,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 7-9-1979 :

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/4334

—यतः मझे, कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री फूलचन्द यादव 181, मोहल्ला दिक्षित पुरा, उपरेनगंज वार्ड, जबलपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाशचन्द्र व राजेन्द्र कुमार (अवयस्क) दोनों पुत्र श्री बालाराम साहू द्वारा अभिभावक मां श्रीमती गोपी बाई पत्नी श्री बालाराम साहू 228, उपरेनगंज वार्ड, जबलपुर वर्तमान पारासर कालौनी, चेरीताल वार्ड, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नगर निगम नं० 90/जे० व से 90/जे०7, चेरीताल वार्ड, जबलपुर ।

कृ० का० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-9-1979

मोहुर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1335

—यतः मुझे, कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान व भूमि है, तथा जो मन्दसौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मन्दसौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और प्रस्तरक(प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सदाशिवराव पुत्र श्री शंकरराव अकोलकट, स्टेशन रोड, मन्दसौर।

(अन्तरक)

2. श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भूरालाल जी सुतार शर्मा, मन्दसौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घस्ताधरो के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रख्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रख्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 29 का भाग साब खुशी भूमि स्थित स्टेशन रोड, मन्दसौर।

कृ०का०राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1336—

यतः मुझे, कृ० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि व गैरेज है, तथा जो मन्दसौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मन्दसौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम तारीख 12 जनवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ने हुई हिस्से प्राय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री सदाशिव पुत्र श्री शंकर राव अकोलकर, स्टेशन रोड़, मन्दसौर।

(अन्तरक)

2. श्री भगवान स्वरूप व श्री मुकेश दोनों पुत्र श्री ओम प्रकाश शर्मा 29, स्टेशन रोड़, मन्दसौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट साथ गैरेज व पक्का ओरला कुल रकबा 3048.75 वर्ग फुट स्टेशन रोड़, मन्दसौर।

कृ० कां० राय
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल/1337/79-80

—यतः मुझे, कु० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के गरीब मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अनूप कुमारी पत्नी श्री अनोखीलाल दरवजन डालू मोरी बाजार, रतलाम।

(अन्तरक)

2. श्री तख्दुक हुसैन पुत्र श्री यूसुफ अली बोहरा तालवाला, चांदनी चौक, लकड़पोंडा, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

प्लॉट नं० 12/337 रकबा 7000 वर्ग फुट मित्र निवास रोड, रतलाम।

कु० कां० राय,
सहम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-9-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल/1338/79-80

—यतः मुझे, क० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और ज़िम्मेदारी सं० प्लॉट है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए धनस्तरी को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (धनस्तरी) और धनस्तरी (धनस्तरीयों) के बीच ऐसे धनस्तरी के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धनस्तरी लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) धनस्तरी से हुई किसी धन की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य धनस्तरीयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धनस्तरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अनूप कुमारी पत्नी श्री अनोखलालजी 6व
डालूमोदी बाजार, रतलाम।

(अन्तरक)

2. श्री शम्भूरा भार्गव पुत्र हकीम उद्दीन मोहंमद सिगापुर
बाला, चांदनी चौक, लक्कड़पीठा, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धनस्तरी :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 12/337 का भाग रकबा 7000 वर्ग फुट
मित्र निवास रोड़, रतलाम।

क० कां० राय,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-9-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन श्रेष्ठ, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/1339/79-80

—अतः मुझे, कृ० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हसीब एहमद व मोहम्मद एहमद दोनों पुत्र श्री एहमद मुजतुबा, अमीर गंज, शाहजानाबाद, भोपाल (अन्तरक)

2. श्री नरेश कुमार पुत्र श्री हरीश चन्द और श्री हरीश चन्द पुत्र श्री जिमदमल बहसियत बली संरक्षक अपने पुत्र श्री कमलेश, सुन्दर व प्रकाश चन्द, शाहजानाबाद, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 3 रकबा 3248 वर्ग फुट, अमीर गंज, शाहजानाबाद, भोपाल।

कृ० कां० राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 30 जुलाई 1979

निर्देश सं० 249/79-80/एकवी/ —यतः मुझे, पी०
रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1064 जो अवस्थान नंबर
49 पर है, जो के० आर० पुरम, जि० के० बड़ावहामन में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हासन, अंडर डाक्युमेंट
नंबर 3316 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-1-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी रूप की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भी या किसी भी या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों के
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या जिसे
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के पनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति/व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती गौरम्मा, पत्नी श्री एच० ए० हनुमंतया 35,
मैन रोड, यादवगिरि, मैसूर-2।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नूर ऐशा पत्नी श्री फिरोज हजरत रहिम
4286 बलभाई रोड, हासन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोद्देश्यकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जिसका नं० है घर नं० 1064 जो अवस्थान
नं० 49 पर है और जो मकान एवं जगह मोटर घर, और
उप ग्रह, जो के० आर० पुरम, जि० के० बड़ावहामन में स्थित
है।

पी० रंगनाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, धारवाड़

तारीख : 30-7-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 30 जुलाई 1979

निर्देश सं० 250/79-80/एचसी—यसः मुझे, पि० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रेवेन्यू नं० 450 और प्लॉट रजि० नं० 38964 है, जो पर्वोरिम सोकोरो गांव सेबला तालूक बाईज में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पुन रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मापुसा बाईज जो डाक्युमेंट नं० 17 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किंवा वस्तु या अन्तःस्थातियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बावजूद या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वये में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गणितः :—

1. (1) मैमर्स फ्रान्सिस्को कस्तोवियर टियोडोर डि० मिरांडा
(बी) श्रीर श्रीमती मरियां डोस अंजोस अडेलिना गोन्साल्वेस् मिरांडा लौटूलिम, सालसेट
(2) आंटोनियो रिनेटो मेनेजेस और (बी) श्रीमती मारिया लूइसा अनो रिबिरोडा कोस्टा मेनेजेस, पर्योरिम बारडेज
(3) मिम मरिया भ्यान्युलू पावलिसना लुसियाना बरेटो स्केवियर मरगोवा
(4) श्री जोम फ्रिस्टोगन् पिटो और (बी) श्रीमती तेमा मार्जेलिना डिसा ए पिटो, बेतिम बारडेज गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री गणेश अंकर दाम नथानी पर्वोरिम—गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फाउंड गुलूम और "विनय मायेम" नाम के संपत्ति जिसके रेवेन्यू नं० 450 जिसमें आवासीय घर और दो उपगृह में विद्युत उत्पादन संस्थान और मानशाला सम्मिलित है। यह सम्पत्ति सेबला तालूक के सोकरे गांव के प्रेकशिया के पर्वोरिम में स्थित है।

पि० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 30-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश सं० 897—यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो दुग्गिराला में
स्थित है और (इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुग्गिराला में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 29-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री निम्मगळा सव्यनारायण पिता : रामुलु, दुग्गिराला

(अन्तरक)

2. श्री कंभपाटि वेंकटेश्वर राव पुत्र श्री सीतारामप्प्या,
दुग्गिराला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रसिद्धताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुग्गिराला रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 21-1-79
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 52 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

बि० वि० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 6-7-79

मोहर :

प्राख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा,

काकीनाडा, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० 901—यतः मुझे, के० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 33-1 655 है, जो मैन बाजार काकीनाडा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 जनवरी 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स पोलपु वेंकटरमना और तदितर, तेल व्यापारी, अडिपि होटल के सामने मैन बाजार, काकीनाडा। (अन्तरक)

2. श्री बादम प्रभाकर राव, जब्हर गल्ली, काकीनाडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पक्षिक अंत 15-7-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 34 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-8-1979

मोहर :

प्रारूप घाई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 अगस्त, 1979

सं० 102—यतः मुने, के० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2-42-72 है, जो राजमंडी में स्थित है (और इससे उपासिद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमंडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बंधी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती रेबेकम्मा, पी० रूत, चिलड्रन होम बोम्बूह रोड, राजमंडी।

(अन्तरक)

2. श्री पी० जे० रतजान, डाइरेक्टर एबेनजलिस्टर्नस हेल्थिंग हेंड बोम्बूह, राजमंडी तालुक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी पात्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राममंडी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-1-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 126 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-8-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० 103—यतः मुस के० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 20-40-86 है, जो पहली रोड़, रामजमंड्री में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमंड्री में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बराबर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूढिधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्येक प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूढिधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—:

20-296G1/79

1. डाक्टर पी० रामम्मूति, घर का संख्या 14-76 गांधीपुरम-2 राजमंड्री।

(अन्तरक)

2. श्री पी० जे० रंजन, डाइरेक्टर, एवेनजलिस्टस हेलपिंग हैंड, बोम्मूरु, राजमंड्री तालुक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोऽम्नाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमंड्री रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-1-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 248 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-8-1979

मोहर :

प्रकृष पाई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 अगस्त, 1979

सं० 907—यतः मुझे, के० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 16/227 है, जो 16 वार्ड राजमंड्री में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमंड्री भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक और वे कथित नहीं किया गया है।—

(*) अन्तरण में हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती रंदि रंगवायकम्मा, पुत्री ब्रह्मानंदम
- (2) श्री जी० वेंकटरमणा
- (3) जी० रामकृष्ण पुत्र ब्रह्मानंदम
- (4) जी० लक्ष्मीनारायण
- (5) जी० वीरप्पा
- (6) जी० सूर्यनारायण
- (7) जी० नागराजु यह सब ब्रह्मानंदम के पुत्र हैं। (अन्तरक)

2. मैसर्स बोनम कृष्णा मूर्ति और वेणुगोपाल राव, लक्ष्मीवार-वारपुटे, राजमंड्री।

वेणुगोपालस्वामी गली, राजमंड्री।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी धाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

राजमंड्री रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-1-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 110 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० सुब्बाराव
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-8-79
मोहर:

प्रकाश छाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं०/908—यतः मुझे के० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० है पक्षिक है

और जिसकी सं० 8-3-15 है, जो गंडु स्ट्रीट, अमलापुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तर्गत के शासित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी बल या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती रामदेव रानी पुत्र सत्यनारायण
 - (2) कूर्मराव
 - (3) नागेश्वर राव पुत्र सत्यनारायण
 - (4) मुरली कृष्णा पुत्र सत्यनारायण
- जगन्नायकपुर काकीनाडा।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती बंडारूलक्ष्मी पुत्री सत्यनारायण
 - (2) श्रीमती बाग्यलक्ष्मी पुत्री वेंकट कोटेश्वर राव
 - (3) श्रीमती सूर्य कमारो पुत्री रामु वानपल्लीवारी
- वीदी अमलापुरम।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराई हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के पश्चात् 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि को भी प्रवृत्ति बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में या किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मध्योद्देश्यकारी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शर्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पक्षिक अंत 31-1-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 393 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० सुब्बाराव,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-8-79

मोहर :

प्रकरण धार्द० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० /909—यतः मेसे—के० सुब्बाराव

कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-47-10 है, जो पूजारिवारी गल्ली विजयवाडा-1, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को उक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी राय या किसी घन या अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के पक्षरूप में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पाटिबंडला कामेश्वरम्मा, पुत्र कामेश्वरराव के मार्फत श्री एस० रामकृष्णा, वकील, पाटिबंडला बारी गल्ली, विजयवाडा 1।

(अन्तरक)

2. श्री हीराचंद जानी, राजेंद्र स्टील सेंटर, गूडरिवारी स्ट्रीट विजयवाडा-1।

(अन्तरिती)

4. श्री मंगीलाल गवार, के० मार्फत राजेंद्र कुमार को ब्राहिमन गली विजयवाडा।
(वह व्यक्ति जिसे के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-1-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 196 में निगमनसूचीत संपत्ति।

के० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, काकीनाडा

तारीख: 7-8-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० 910—यतः मुझे, के० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11 47-10 है, जो पुजारिवारि गली विजयवाडा में स्थित है (और इनमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 जनवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निम्न लया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. पुट्टबपाटिल कामेश्वरम्मा ड० कृष्णमूर्ति के मार्फत रामकृष्णा, एस० वकील पेडिबोटल वारी गली विजयवाडा 2।

(अन्तरक)

2. श्री एस० इंद्रमल पुत्र सादाजी, शेषय्या गली, विजयवाडा।

(अन्तरिती)

4. श्रीमंगीलाल गवहर, के मार्फत राजेंद्र कुमार को० आहिन गली, विजयवाडा।

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षक अंत 31-7-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 197 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, काकीनाडा

तारीख: 7-8-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

सं० 939---यतः मुझे, के० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो गुणवत्ता, आर० ए० नं० 395/2 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भन्तरण से हुई किसी घाव की बावत, उक्त अधिनियम के प्रयोग कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे खचमे में सुविधा के लिए; धोर/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य वास्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कोम्मा लक्ष्मी साम्रात्यम परनी रंगाराव, परमट लंका, विजयवाड़ा।

(भन्तरक)

2. मैसर्स बी० नवरंग कोआपरेटिव होसिंग सोसाइटी, रैप बै० नल्लमिल्ली बास्कर एस० बी० ओ० कालोनी-3 गुणदला, विजयवाड़ा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के या लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-1-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 275 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-9-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून 1979

निर्देश सं० जे० आर० 1/4119.9/79—यन: मुझे वी० एस० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 38 बी बोरली डिवीजन है जो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ए० बेसेन्ट रोड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती भुमति बाई मारोतराव धनवंटे

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजलक्ष्मी एन० पवार

(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स औरवो प्रा० लि०

(2) मैसर्स मेहरा कारपेट शोरूम

(3) मैसर्स मोटर इन्डस्ट्रीज कं० लि०

(4) मैसर्स जे० एल० मोरिमन संम एण्ड जोन्स (इंडिया) लि०

(5) मैसर्स टेक्सटाइलस कमिटी

(6) मैसर्स ब्राडमा आफ इंडिया लि०।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावधान:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2240/73/बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 16-1-79 के रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० एस० शेषाद्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 30-6-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून, 1979

निर्देश सं० 1/4120.10/79—यतः मुझे, वी० एस० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 98 बी आफ वरली डा० ऐ बेसेन्ट रोड में स्थित है (और इससे उवाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुमती बाई मारोतराव धनवटे (अन्तरक)

2. श्रीमती तंदिनी देवी पंत प्रधीनी (अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स आरबो प्रा० लि०
(2) मैसर्स मेहरा करपेट शो रुम
(3) मैसर्स मोटर इंडस्ट्रीज कं० लि०
(4) मैसर्स जे० एल० मोरीसन शंसन एण्ड जान्स इंडिया लि०
(5) मैसर्स टेक्सटाइल्स कर्मिटी
(6) मैसर्स ब्रंडमा आफ इंडिया लि०।

(वह व्यक्ति जिसको बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूचि जैसा कि विलेख सं० 2241/73/बॉम्बे बम्बई उर रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 16-1-79 का रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० एस० शेषाद्री
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख: 30-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० एन० टी० एन०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून 1979

निर्देश सं० ए० आर० 1/4121.11/79-यतः मुझे,
वी० एस० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
और संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० सी०एस० नं० 98 बी आफ वारली डा० ए०
बन्त रोड में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय बम्बई में
रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-1-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए; ॥

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :—
21—296GI/79

1. श्रीमती सुमतीबाई मारीतराव धनवटे (अन्तरक)
2. श्रीमती संयोगीता विजय धनवटे (अन्तरिती)
3. (1) मैसर्स आबो प्रा० लि०
(2) मैसर्स मेहरा कारपेट शो रुम
(3) मैसर्स मोटर इंडस्ट्रीज लि०
(4) मैसर्स जे० एल० मारीसन मन एण्ड जोन्स
जोन्स (इंडिया) लि०
(5) मैसर्स टेक्सटाइल कमेटी
(6) मैसर्स ब्राडम आफ इंडिया लि०।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवज्ञाकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूचित जैसा कि विलेख सं० 2242/73/बाम्बे बम्बई
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 16-1-79 के रजिस्टर्ड
किया गया है।

वी० एस० शेषाद्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

[तारीख : 30-6-1979]

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून 1979

निर्देश सं० ए० आर० 1/4118/8/79—यतः मुझे,
वी० एम० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 98 है तथा जो
डा० ए० वेंशन्ट रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 16-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती मास्तीराय घनवंटे

(अन्तरक)

2. श्रीमती उषादेवी शंकर राय पवार

(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स ओरबो प्रा० लि०

(2) मैसर्स मेहरा कारपेट शो रूम

(3) मैसर्स मोटर इंजस्ट्रीज कं० लि०

(4) मैसर्स जे० एल० मोरीसन सन एण्ड जोनस
(इंडिया) लि०

(5) मैसर्स टेक्सटाइल कम्पेटी

(6) मैसर्स बादमा आफ इंडिया लि०।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि वेलेख नं० 2239/73/बाम्बे उपरजिस्ट्रार
अधिकारी द्वारा दिनांक 16-1-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० एम० शेषाद्री,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 30-6-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० आर०-1/4111-1-1/जनवरी-79—यतः

मुझे बी० एस० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 85/1 है तथा जो माटुंगा दावर डिवीजन में स्थित है,
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार को बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दाविल में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धार या किसी बत या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. (1) श्री रामचंद्र एस० बीलमपाली
- (2) इंदिराबाई एस० बीलमपाली
- (3) श्री विजयकुमार एस० बीलमपाली
- (4) श्री अनिलकुमार एस० बीलमपाली
- (5) श्री हनमंत एस० बीलमपाली
- (6) श्री एस० एस० बीलमपाली
- (7) कु० मंगला एस० बीलमपाली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नवनीतलाल मनीलाल
- (2) श्रीमती लीलावती एन० शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ कराए हूँ।

उक्त व्यक्तियों के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारिणी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

संशोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० बम्बई/236/78 उप रजिस्ट्रार
द्वारा दिनांक 1-1-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

व्ही० एस० शेषाद्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 30-7-1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1979

निर्देश सं० एआरआई/4117-7/जनवरी-79—यतः मुझे,
सी० एस० शेषाद्री

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 165 है, जो मालाबार मबालामें स्थित
हिल डिजीजन में स्थित और इससे उपायद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 18 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित व वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सविज्ञा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविज्ञा के लिए ;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती नसीमा अलमा लतीफ;
(2) श्रीमती जमीला एम० लुखमानी
(3) श्री करन ए० लतीफ
(4) श्री डनीयल ए० लतीफ
(5) श्री इकबाल एम० लुखानी
(6) श्रीमती नसरीन महबूब लतीफ
(7) श्रीमती अन्जुम फरहान लुखानी
(8) मीस यस्मीन एम० लुखानी
(8) मीस नसीम महबूब लतीफ
(10) मीम अजरा के० लतीफ
(11) अश्व अंजुम के० लतीफ
(12) मीस ड० इसेफ महबूब लतीफ ।

(अन्तरक)

2. 2. मैसर्स कल्पतरु बिल्डर्स (प्रा०) लि० ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख न० 3464/73 बम्बई उप
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 4-4-77 को रजिस्टर्ड किया
गया है ।

बी० एस० शेषाद्री
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54 रफीअहमद किरवाई रोड
अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख: 1 जुलाई 1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० आर०-4/873.4/79-80—यतः सजे, वी० एस० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० प्लॉट नं० 109 टाहप-III है जो घाटकोपर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जनवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वांछित में कमी करने या उसका बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री ज्योति परसराम नारंग

(अन्तरक)

2. मसर्स न्यू विश्वा ज्योत को० हा० सोसायटी लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती बीमला कुण्णन

(2) श्रीमती पंचना शारदा भास्कर नायर।

(3) श्रीमती वेलजी वेलजी नाथानी

(4) श्री तुलसीदास मोरारजी सांमपूर

(5) श्री मनीलाल लक्ष्मीचंद बोरा

(6) श्री कानजी पुरुषोत्तम टोपराणी

(7) श्री सत्येन्द्र बीठलदास ठक्कर

(8) श्रीमती मालती जमनादास हरीयानी

श्रीमती नीरमला मंगलदास कापडीया

(9) श्रीमती कुसुमबेन कान्तीलाल भुपतीनी

(10) श्री सुमनलाल दलपतराम टेलर

(11) श्री अरविदभाय इश्वरलाल पटेल

(12) श्री बरदराजा अय्यर महादेवन।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45 दिन के अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसे व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 5252/10 बंबई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 17-1-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० एस० शेषाद्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, बम्बई

तारीख: 31-7-1979

मोहर :

प्रारूप धारा ६० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अगस्त 1979

निर्देश सं० अ० ई०-2/2744-6/जनवरी-79/—यतः, मुझे पी० एल० खंगठा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 45 अन्तिम प्लॉट नं० 1223 टी० पी० एस० 4 माहिम बम्बई 25 है तथा जो कंडल रोड माहिम बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अभिन नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. मैसर्स ग्लासावेल् (इंडिया) प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. वी एन्टरप्राइसेस को-आप० प्रिमायसिस सोसाइटी।

(अन्तरिती)

3. (1) मिसेस सबीना डिसोझा

(2) श्रीमती नेताली डिसोझा

(3) श्रीमती नेताली डिसोझा

(4) श्री देवजी काशीनाथ पाटील

(5) श्री पांडु राम भोइर

(6) श्री बेजामीन त्रीनीदाद

(7) श्री एम० एम० त्रीतो

(8) श्री फैलीक्स डिसोझा

(9) श्री थॉमस डिमेलो

(10) श्री बालु सदाशीव

(11) मैसर्स जय मोटर रीपेरिंग

(12) मैसर्स केवल ब्रोस

(13) मैसर्स अहुजा टाइप फोर्टी

(14) मैसर्स आयडल प्रिंटर्स

(15) मैसर्स डायना इक्वलीप्स कं०

(16) मैसर्स वागने प्रोसन स्टुडियो

(17) मैसर्स जोमफ लेसली एण्ड कं०

(18) श्रीमती पुष्पा जे० सयानी

(19) मैसर्स पानी पैक

(20) मैसर्स स्वस्तीक टेक्सटाइल

(21) मैसर्स सुमन आर्ट प्रिन्टर्स

(22) मैसर्स मोडिमास इंजीनियर्स

(23) श्री टी० ए० काचवाला

(24) मैसर्स जन मैटल इंडस्ट्रीज

(25) श्री रमो कनाल एम० शाह

(26) मैसर्स पन्ना पॉडकट्स

(27) मैसर्स श्रीटीश डायस इक्विप्ट

(28) मैसर्स बी० ई० एस० टी० अडरटेकिंग

(29) मैसर्स एम० सी० मोदी

(30) मैसर्स एम० सी० मोदी

(31) श्रीमती मोनाक्शी एम० खवेरी

(32) श्रीमती सुधा ज० खवेरी

(33) मैसर्स मीरको इंडस्ट्रीज

(34) मैसर्स अहुजा टाइप फोन्ट्री

(35) श्री विनायक पी० वेरेकर

(36) मैसर्स जय मोटर रीपेरिंग

(37) मैसर्स अरुन हॉटेल

(38) श्रीमती जिला बी० बलानी

(39) मैसर्स बीजेता ट्रेडिंग कारपोरेशन

(40) श्री भजनलाल बी औद

(41) मैसर्स गोपीलाल बी० लुन्ड

(42) मैसर्स प्रवीन बी० गान्धी

(43) मैसर्स बी० ए० बन्धुधराली

(44) मैसर्स शांफ मस्टी स्टास्ट

(45) मैसर्स पैक आर्ट प्रिन्टर्स

- (46) श्री शत्रुघ्नश्री रमेशान श्री
- (47) मैसर्स माता श्री मुद्रनालय
- (48) श्री टी० एन० शैनाथ
- (49) मैसर्स सीरा बुटिक।
- (50) मैसर्स श्री राजमुद्रा
- (51) मैसर्स युनीटी प्रिंटिंग प्रेस
- (52) मैसर्स अलंका
- (53) डा० एस० डी० दाभोलकर
- (54) मैसर्स अरुका इंडस्ट्रीज
- (55) मैसर्स ब्लू स्टार लि०
- (56) श्री गजानन एन० चोनकर
- (57) मैसर्स पेस्टनजी एण्ड कं०
- (58) —————
- (59) मैसर्स अरफी इनकॉर्पोरेटेड
- (60) डा० रतन एच० डॉक्टर
- (61) मैसर्स जी० बी० सी० प्रिंटिंग
- (62) मैसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
- (63) मैसर्स कंबाला इलेक्ट्रॉनिक्स
- (64) —————
- (65) मैसर्स रेमीट मैन्यु० कं०
- (66) श्रीमती स्मीता एम० सबनीस
- (67) मैसर्स सोवरमिंग प्रिन्टरी
- (68) मैसर्स दिपक प्रिन्टर्स
- (69) श्री एस० पी० शर्मा
- (70) श्रीमती यशोदाबाई सी० गुप्ता
- (71) श्री जी० डी० मोहोता
- (72) श्री रसीकलाल ए० डागसी
- (73) श्री नवलचंद जे० शाहा
- (74) श्री बी० के० शीवदासानी
- (75) श्री हरीश्रोम लाल परमानंद
- (76) श्रीमती रेनुका एच० वासवानी
- (77) श्रीमती प्रभादीनी एम० वागले
- (78) मैसर्स नोबल ट्रेडिंग
- (79) श्री सतीश जे० शिन्नी
- (80) मैसर्स वीन वीश कां०
- (81) मैसर्स मंकसन्स प्रा० लि०
- (82) मैसर्स टंकटोग्राहर्स
- (83) मैसर्स इलेक्टोमंग मथड
- (84) श्री उल्हास एस० पै०
- (85) मैसर्स वी० एस० सोनी एण्ड कं०
- (86) मैसर्स एम० पी० एण्ड जी० एम० अडवानी
- (87) मैसर्स द ह्यूमन फौरीमंग
- (88) मैसर्स प्रवीन लंबरोटरी
- (89) मैसर्स नीना प्रिन्टर्स
- (90) मैसर्स इंडस्ट्रियल इक्विप्स
- (91) —————
- (92) मैसर्स इंडस्ट्रियल इंस्ट्रुमेंट्स
- (93) श्री पी० ए० कुस्तान जम्स
- (94) श्रीमती कमला बाई गोपालबास

- (95) श्रीमती मंगलाबेन मोहनलाल
- (96) मैसर्स जे० आर० चौहान एण्ड कं०
- (97) श्रीमती रेखा एम० मेहतानी
- (98) श्री अशा एच० मोरचंदानी।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. दि चर्च ऑफ आवर लेडी ऑफ सालव्हेशन, दादर बंबई-28।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3575/10(आम्बे) बंबई उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 8-1-1979 को रजिस्टर किया गया है।

पी० एन० कूंगठा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैज-2, बम्बई

तारीख: 8 अगस्त 1979
मोहर:

प्रकार आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मोतीपन रोड, रोहतक

रोहतक दिनांक 15 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० आर० डब्ल्यू आर/सी० ए० एल/1 से 3/78-79—
अतः मुझे ई० के० कोशी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जुन रेंज रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 2823, गोकुल बाजार (मोती चौक) है तथा जो रिवाड़ी में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अश्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायल्व में कमी करने या उगम करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए का उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :-

1. श्रीमति गौड़ी देवी बिजवाला निवासी 6, हंसपुतार, फस्ट लेन कलकत्ता-7 (अन्तरक)

2. (1) श्री मुरेन्द्र जैन (अन्तरित)

(2) श्रीमति किरन माला जैन

(3) श्री मुभाष चन्द जैन

निवासी मकान नं० 2823, मोती चौक रिवाड़ी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(1) रोगन लाल यादव

(2) तिरमूगी भारगव

(3) जगदीश प्रकाश पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण

(4) खुशी राम पुत्र श्री मूल चन्द

(5) मरुप लाल वजीर चन्द

(6) मूल चन्द गुरदियाल

(7) फतेह चन्द

(8) त्रिमल लाल पुत्र श्री टिकाया राम

(9) नारायण दास पुत्र श्री खुशी राम

(10) चिमन लाल पुत्र श्री टिकाया राम

(11) राम प्रसाद

(12) मोहन लाल पुत्र श्री नारायण

(13) पंजाब नेशनल बैंक

ता वह सूचना द्वारा करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कां० भा० पात्रेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 2823, गोकुल बाजार (मोती चौक) रिवाड़ी तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कलकत्ता के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 279, 289 तथा 323 तिथि 19-1-79 और 20-1-79 पर दर्ज हैं।

ई० के० कोशी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-10-79

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-/III •
1-79/935/78-79—अतः, मुझे, कु० अंजनी ओझा,
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव बिजवासन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-1-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
22-296GI/79

1. श्री राम सिंह पुत्र निहाल सिंह, पता गांव बिज-
वासन, तहसील मेहरोली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री महावीर सिंह पुत्र श्री नन्हेमल, पता गांव
बिजवासन, तहसील मेहरोली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
र्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 19 बीघा 4 बिस्वा खसरा नं० 21/16
(4-16), 21/17 (4-16), 21/18 (4-16), 21/19
(4-16) स्थित गांव बिजवासन, तहसील मेहरोली, नई
दिल्ली।

कु० अंजनी ओझा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11-10-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/
1-79/961—अतः मुझे कु० अंजनी ओझा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव साहुरपुर
तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 20-1-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
व्यय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्ड आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री श्री भीखन, चतर, रामफल, छोटे सुपुत्र
श्री सुरजमल, पाता गांव साहुरपुर, तहसील
महरोली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रवी एस० वाछानी, सुपुत्र श्री सुन्दर टी०
वाछानी, पता : बी०-22, मेय फेयर गार्डन,
होज खास, इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका नाप 6 बीघा और 14-2/3 बिस्वा
है जो गांव साहुरपुर तहसील महरोली में स्थित है, जिसकी
विवरण तथा रजिस्ट्री दिनांक 20-1-1979 है।

कु० अंजनी ओझा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11-10-1979
मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 3rd October 1979

No. F. 6/79-SCA (I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed the following Officers to the post shown against each with effect from the forenoon of 3rd October, 1979, until further orders :

S. No.	Name	Post held	Post to which appointed
1.	Shri Yoginder Lal	Private Secretary to Hon'ble Judge (at present on deputation to Lok Sabha Sectt.)	Offg. Assistant Registrar (proforma)
2.	Shri Brij Mohan Sharma	Court Master	Offg. Assistant Registrar
3.	Shri K. K. Sehgal	Private Secretary to Hon'ble Judge	Offg. Assistant Registrar
4.	Shri S. Varadarajan	Section Officer	Offg. Assistant Registrar
5.	Shri K. B. Lal	Section Officer (Offg. Court Master)	Offg. Assistant Registrar

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed S/Shri D. R. Nagpal and Jagan Nath, Assistants as Officiating Section Officers with effect from the forenoon of 21st September, 1979, until further orders.

MAHESH PRASAD,
Deputy Registrar (Admn.J)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 11th September 1979

No. P/1818/Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even No., dated 4th August, 1978, the appointment of Dr. V. Subramanyam as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission has been continued for a further period of two years with effect from 1st September, 1979 or until further orders whichever is earlier, in terms of the Department of Personnel & Administrative Reforms OM No. 39/70/PP, dated 9-1-79, with the concurrence of the Ministry of Home Affairs, Department of Personnel & Administrative Reforms vide their letter No. 39017/19/79-Estt. (B), dated 31-8-79.

The 17th September 1979

No. P/271-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission, Notification of even No., dated 15-3-79, the re-employment of Shri S. P. Chakravarty beyond superannuation in the post Officer On Special Duty (Confidential) in the office of Union Public Service Commission has been continued further from 1-9-79 to 31-12-79; with the concurrence of the Ministry of Home Affairs, Department of Personnel & Administrative Reforms vide their letter No. 39017/16/79-Estt.(B), dated 31-8-79.

No. A. 32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission notification of even No., dated 16-6-79 the President has been pleased to appoint Shri S. K. Bose, a permanent Grade I officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis for a period of three months with effect from 19-8-79 or until further orders, whichever is earlier.

The 24th September 1979

No. A. 32013/1/79-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on *ad hoc* basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until further orders, whichever is earlier.

Sl. No.	Name	Period
1.	Shri J.P. Goel (Permanent Officer of Section Officers' Grade of CSS)	17-8-79 to 30-9-79
2.	Shri R. N. Khurana (Permanent Officer of Section Officers' Grade of CSS)	20-8-79 to 30-9-79
3.	Shri M.A. Ganapathy Ram, (Grade A Officer of CSSS)	6-8-79 to 30-9-79

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.,
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd October 1979

No. A-19025/6/79-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Pandey to officiate as Office Supdt., in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 7-9-79, and until further orders.

Q. L. GHOVER, Administrative Officer (E)

DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 3rd October 1979

No. O.II-1100/78-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Mangala Rajan as Junior Medical Officer on ad-hoc basis with effect from 6-9-79 (FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1445/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsna Trivedi as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 14.9.79 (FN) for a period of six months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 6th October 1979

No. O.II-256/70-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion on ad hoc basis Shri G. S. Raturi as Assistant Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

2. Shri G. S. Raturi took over charge of the post of Assistant Commandant 28th Bn. CRPF on the afternoon of 14-8-79.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Admn.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT

Ahmedabad, the 4th October 1979

No. Estt.(A)/GO/2153.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri K. M. Nair a permanent member of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 24-9-79(FN) until further orders.

K. P. LAKSHMANA RAO,
Deputy Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
MAHARASHTRA

Bombay-400 020, the 17th September 1979

No. Admn I/Genl/31-vol.III/C1(1)/4.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint the following members of the SAS to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the date mentioned against them, until further orders.

- | | |
|-------------------------|------------|
| 1. Shri K. L. Deshpande | 27-8-79 FN |
| 2. Shri S. N. Padalkar | 27-8-79 FN |
| 3. Shri M. B. Deshpande | 16-8-79 FN |
| 4. Shri S. K. Gopujkar | 16-8-79 FN |

S. R. MUKHERJEE,
Sr. Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
RAJASTHAN

Jaipur, the 27th September 1979

No. Admn.II/G.Notifi./861.—The Accountant General is pleased to promote S/Shri Ram Prakash Varshney and Har Charan Singh, Section Officers of this office and appoint them as officiating Accounts Officers with effect from 10.9.79 (Forenoon) until further orders.

R. A. BORKAR,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
CENTRAL RAILWAY

Bombay V.T., the 29th September 1979

No. Au/Admn/Misc/Con/7336.—Shri D. R. Ambre, Permanent Section Officer (Audit) of this office is promoted as Audit Officer in the officiating capacity with effect from 23.7.79 (A.N.).

Smt. R. KRISHNAN KUTTY,
Director of Audit.

COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

New Delhi, the 11th September 1979

No. 1(8)-A/CPE/79.—On transfer from the Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs, Shri M. N. Sharma, Stenographer Grade B of the C.S.S.S. of the Cadre of that Ministry is appointed as Senior Personal Asstt. (Grade 'B' of C.S.S.S.) in the Commission on Public Expenditure in the scale of Rs. 650-1040 on usual deputation terms with effect from the forenoon of 18th August, 1979, until further orders.

U. S. TECKCHANDANI,
Under Secy. (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

D.G.O.F. HEADQUARTERS CIVIL SERVICE

Calcutta, the 22nd September 1979

No. 47/79/G.—The DGOF is pleased to appoint the under-mentioned Superintendents to the grade of Assistant Staff Officer (Class-II) Gazetted with effect from 28th May, 1977 :—

- (1) Shri Govind Chandra BHATTACHARJEE (Since retired).
- (2) Shri Satyabrata NAG (Since retired).
- (3) Shri Amiya Ranjan BOSE.
- (4) Shri Santi Kumar BANERJEE (Since retired).
- (5) Shri Amarendra Nath CHOWDHURY (Since retired).
- (6) Shri Krishna Lal DEBNATH.
- (7) Shri Narayan Das CHAUDHURY (Since retired).
- (8) Shri Nalini Mohan CHATTERJEE (Since retired).

- (9) Shri Bipulendra Nath MITRA (Since retired).
- (10) Shri Byomkesh MANIK.
- (11) Shri Raghunath DASGUPTA.
- (12) Shri V. KAILASAN.
- (13) Shri Parbati Kumar GOSWAMI.
- (14) Shri Animesh DASGUPTA (Since retired).
- (15) Shri Nirmal Chandra DAS.
- (16) Shri Prasanta Kumar MALLICK.
- (17) Shri Ranjit Kumar DAS.
- (18) Shri Bibhuti Bhusan CHOWDHURY.
- (19) Shri Kalika Prasad SUKUL.
- (20) Shri Santosh Kumar SEN.
- (21) Shri Manik Lal GANGULI (Since retired).
- (22) Shri Ram Narayan Prasad DEO.
- (23) Shri Nirmalaya Bhusan CHAKRABORTY.
- (24) Shri Sabitansu Prokash GOSWAMI.
- (25) Shri Shiv Chandra SARKAR (Since retired).
- (26) Shri Benoy Bhusan CHOWDHURY.
- (27) Shri Dilip Kumar MITRA.
- (28) Shri Promode Chandra ROY.
- (29) Shri Barindra Nath GHOSH.
- (30) Shri Dharendra Nath SAHA.
- (31) Shri Krishan MOHAN (Since retired).
- (32) Shri Jogesh Chandra SEN (Since retired).
- (33) Smt. Ranu RAJAGOPALAN (Since retired).
- (34) Shri Sushil Chandra ROY.
- (35) Shri H. B. SENSARMA.
- (36) Smt. Banalata Majumdar (Since retired).
- (37) Shri Tulsi Charan DAS (Since retired).
- (38) Shri Sushil Kumar DAS.
- (39) Shri Sunil Kumar SENGUPTA.
- (40) Shri Kalidas GUHA. (Since retired).
- (41) Shri Narayan GANGOPADHYAY.
- (42) Smt. Jyotsna SEN.
- (43) Shri Balaram PAIN.
- (44) Shri Sudhir Chandra DAS (Since retired).
- (45) Shri Priya Gopal GOSWAMI.
- (46) Shri Amiya Kumar BOSE.
- (47) Shri Sisir Kumar CHAKRAVORTY.
- (48) Shri Biswa Ranjan GUPTA.
- (49) Shri Lakshmi Narayan SAMANTA.
- (50) Shri Sudhir Kumar DUTTA (Since retired).
- (51) Shri Dilip SEN.

No. 48/79/G.—The DGOF is pleased to appoint the undermentioned Officers Supervisors to the grade of Staff Officers (Class-I Gazetted) with effect from 28th May 1977 :—

- (1) Shri Rabindra Nath BOSE (Since retired).
- (2) Shri Hari Bhusan GHOSH.
- (3) Shri Kanai Lal MUKHERJEE (Since retired).
- (4) Shri Hari Pada CHATTERJEE (Since retired).
- (5) Shri Prafulla Nath SANYAL (Since retired).
- (6) Shri Timir Ranjan DUTTA.
- (7) Shri Bhupati Bhusan BISWAS.
- (8) Shri Krishna Chandra BHATTACHARJEE (Since retired).
- (9) Shri Monmohan Lal NANDA (Since expired).

The 3rd October 1979

No. 49/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri R. N. Bose, Offg. Sr. DADGOF/Subst. & Permt. DADGOF retired from service w.e.f. 31st August 1979 (A.N.).

The 4th October 1979

No. 50/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. C. Mukherjee, Offg. Sr. DADGOF/Subst. & Permt. DADGOF retired from service w.e.f. 30th September 1979 (A.N.).

V. K. MEHTA
Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 3rd October 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

ORGANISATION

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1291/79-Admn(G)/7127.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri Francis Antony, Assistant in the Railway Safety Section of the Ministry of Tourism and Civil Aviation, Lucknow as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st August 1979, until further orders.

2. Shri Francis Antony as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 5th October 1979

No. 18(1)/77-CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerlooms) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. T.C. (32-A) 59, dated 16th March 1959, namely :—

In the table appended to the said notification, in column 2 for the existing entries against S. No. 4, the following shall be substituted namely :—

- “(i) Director of Industries/Director (Handloom and Sericulture).
- (ii) Textile Controller.
- (iii) Magistrates.
- (iv) Supply (cloth) Inspectors.
- (v) General Manager, District Industries Centre.”

M. W. CHEMBURKAR
Joint Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(A-6 SECTION)

New Delhi, the 6th September 1979

No. A-17011/41/72-A-6.—Shri P. K. Krishnan, permanent Examiner of stores (Engg.) and officiating Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Bombay voluntarily retired from Govt. service w.e.f. 13th August 1979 (A.N.).

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

New Delhi-1, the 4th October 1979

No. A-6/247(229).—Shri P. S. Bhattacharjee, a permanent Assistant Inspecting Officer (Met-chem) in the Farnpur Inspectorate retired from service with effect from the afternoon of 30th June 1979 on attaining the age of superannuation.

No. A-17011/48/72-A6.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Shridhar, Assistant Director of Inspection (Engg.) in Grade III of the Indian Inspection Service, Group 'A' (Engg. Branch) to officiate on *ad-hoc* basis as Deputy Director of Inspection (Engg.) in Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' (Engg. Branch) with effect from the forenoon of 3rd September 1979 and until further orders.

2. Shri V. K. Shridhar relinquished charge of the post of Assistant Director of Inspection (Engg.) in the Directorate General of Supplies and Disposals (Inspection Wing), New Delhi on the afternoon of 31st August 1979 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engineering) in the office of Director of Inspection, Bombay on the forenoon of 3rd September 1979.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

The 10th October 1979

No. A-1/1(589).—Shri E. C. Dastur, offg. Asstt. Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Tex.), Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September 1979 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. KISHORE

Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 5th October 1979

No. C-5557/718-A.—Shri Lakshmi Chandra, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post) on *ad-hoc* basis in Western Circle Office, Survey of India, Jaipur in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 3rd September 1979 (FN) *vice* Shri M. M. Chakrabarti, Establishment and Accounts Officer, retired on 31st August 1979 (AN).

No. C-5558/594.—The undermentioned Technical Assistants, Selection Grade are appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (Group 'B' post), Survey of India on *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as stated against each :—

1. Shri J. N. Karki—22nd June 1979 (FN).
2. Shri Chanan Singh—14th June 1979 (FN).

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 3rd October 1979

No. A.12026/19/77(JIP)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Smt. G. Anuradha, Scientific Officer-Cum-Tutor (Physiology), Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the afternoon of the 31st July 1979.

No. A.19019/3/77(NMEP)/Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri R. D. Marya, Deputy Assistant Director (Stores) in the National Malaria Eradication Programme, Delhi retired from service on the afternoon of 31st July 1979.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 5th September 1979

No. A.32015/4/78-SI(Part).—In continuation of the orders contained in this Directorate notification No. A.32015/4/78-SI (Part), dated 9-7-79, the Director General of Health Services is pleased to appoint Shri J. K. Laul, Sr. Technical Asstt., Family Welfare Sub-Depot, to the post of Asstt. Depot

Manager in the same Depot on an ad-hoc basis for a further period of six months with effect from the forenoon of 13-7-79

P. K. GHAI,
Officer on Special Duty (Stores)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 3rd October 1979

No. A-19023/74/78-A.III.—The short-term appointments of the following officers in the posts of Marketing Officer (Group II) under this Directorate have been extended upto 31-12-79 or until regular appointments are made, whichever is earlier :—

1. Shri G. K. Pallan,
2. Smt. R. S. Nehete.

The 4th October 1979

No. A-19024/5/79-A.III.—Shri S. R. Mukherjee, Senior Chemist is appointed to officiate as Chief Chemist at Kanpur on ad hoc basis, w.e.f. 11-9-79 (F.N.), until further orders.

The 9th October 1979

No. A-35014/2/78-A.III.—Consequent on his selection to the post on Marketing Officer in the Directorate of Agriculture, Andaman & Nicobar Administration, the services of Shri R. Subramanyam, Marketing Officer of this Directorate at Bombay, are placed at the disposal of the A. & N. Admn. on deputation for a period of 2 years w.e.f. 17-9-79 (A.N.).

No. A-19026/2/79-A.III.—Shri I. N. Chahande, Section Officer (C.S.S.) is appointed on deputation basis to officiate as Administrative Officer in the Market Planning & Design Centre, Nagpur, for a period of one year w.e.f. 5-9-79 (afternoon) or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier.

No. A.19023/9/79-A.III.—On his reversion Shri H. N. Bhatnagar relinquished charge of the post of Chief Chemist at Kanpur in the afternoon of 23-8-79 and took over charge of the post of Marketing Officer (Group III) at Bombay in the forenoon of 3-9-79.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 29th September 1979

No. DPS/21/1(3)/78-Est/29854.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Smt. Aley Mathews, a permanent Upper Division Clerk (Junior Storekeeper) and officiating Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 31st July 1979

No. RAPP/Rectt./7(8)/79/S/1016.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri K. R. K. Rao, a permanent Upper Division Clerk of Central Pool of Power Projects Engineering Division and officiating Assistant Personnel Officer on ad hoc basis in Rajasthan Atomic Power Project to officiate as an Officer in the Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650—960/-) in a temporary capacity in the same Project with

effect from the forenoon of 8th May 1979 until further orders.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)
for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 5th October 1979

No. AMD-1/13/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri U. P. Singh as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the afternoon of 20th August 1979 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

(DEPARTMENT OF SPACE)

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 17th September 1979

No. SSG/KCP/7/3055/79.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri C. S. A. Kamath, a temporary Engineer 'SB' of this Centre with effect from the afternoon of the September 7, 1979.

The 28th September 1979

No. EST/ISCES/8.—The Director is pleased to appoint Shri A. J. Vyas as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of July 15, 1978 until further orders.

The 29th September 1979

No. EST/ISCES/10.—The Director is pleased to appoint Shri A. V. Apte as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of August 10, 1978 until further orders.

No. EST/ISCES/11.—The Director is pleased to appoint Shri Rajkumar Arora as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of August 10, 1978 until further orders.

No. EST/ISCES/12.—The Director is pleased to appoint Shri V. N. Desai as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of August 22, 1978 until further orders.

S. G. NAIR
Head, Personnel and General Admn.

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

(INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 5th October 1979

No. E(1)03357.—Shri S. Raman, Meteorologist Grade I, Meteorological Centre, Trivandrum, under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st August 1979 on attaining the age of superannuation.

G. R. GUPTA
Director
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th September 1979

No. A. 32013/6/78-EC—In continuation of this Deptt. Notification No. A. 32013/4/78-EC dated 30-6-79, the President is pleased to appoint the following two officers, at present working as Senior Communication Officers on adhoc basis, to the grade of Senior Communication Officer on regular basis, with effect from the dates and to the stations indicated against each :—

S. No.	Name	Station of posting	Date of regular appointment in the grade
1.	Shri R. C. Chitkara	Regional Director, Civil Aviation Deptt., Bombay.	18-7-79
2.	Shri N.B. Mathur	Regional Controller of Communication, Calcutta.	3-9-79

2. These Senior Communication Officers will be assigned position in the combined eligibility list of Senior Technical Officer/Senior Communication Officer, for higher promotion, according to the date of their regular appointment in the grade, subject to maintenance of inter-se seniority in the grade of Senior Technical Officer/Senior Communication Officer, and subject to the condition that in case of officers appointed in the Civil Aviation Department on the basis of the Engineering Services Examination, their inter-se seniority in the said examination for appointment as Technical Officer/Communication Officer will also be maintained.

The 28th September 1979

No. A.32014/4/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. B. Chakraborty, Communication Assistant, ACS, Varanasi, to the grade of Asstt. Communication Officer, on regular basis, with effect from 8th June 1979 (FN), and to post him at ACS, Lucknow.

No. A. 38012/1/79-EC—The undermentioned three Asstt Tech. Officers relinquished charge of office, on retirement from Govt. service, on attaining the age of superannuation, on the dates and at the stations indicated against each :—

S. No.	Name & Design.	Station of posting	Date of retirement
1.	Shri G.S. Sampath Iyenger, Asstt. Tech. Officer	Aero. Comm. Station, Bangalore	31-8-79 (AN)
2.	Shri K.V. George, Asstt. Tech. Officer	Aero Comm. Stn, Bombay	31-8-79 (AN)
3.	Shri B. Kumar, Asstt. Tech. Officer	Aero. Comm. Stn, Calcutta	31-8-79 (AN)

No. A.38015/13/79-EC.—Shri N. Pichumani, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay, relinquished charge of office on 31st August 1979 (AN), on retirement from Government service, under the provisions of FR. 56 (k).

S. N. MOTWANI
Officer on Special Duty (E)

New Delhi, the 5th October 1979

No. A.38013/1/79-EC.—Shri B. Kar, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta relinquished charge of his office on the 31st August 1979 (AN), on retirement from Government service, on attaining the age of superannuation.

The 6th October 1979

No. A. 32014/3/79-EC (Pt)—In continuation of this Department Notification No. A. 32014/3/79-EC dated 30-7-79, No. A. 32013/3/79-EC dated 22-8-79 and A. 32013/3/79-EC dated 7th Sept. 1979 and No. A. 32014/3/79-EC dated 18-9-79 the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following 13 Technical Assistants at present working as Asstt. Technical Officer on ad-hoc basis to the grade of Asstt. Technical Officer on regular basis with effect from 20-8-79 and to post them to the station indicated against each :—

S. No.	Name	Station of posting
1.	Shri S. Tadkase	A.C.S., Bombay
2.	Shri A. P. Sadanandam	A.C.S., Calcutta
3.	Shri R.S. Sokhey	A.C.S., New Delhi
4.	Shri K.S. Anand	A.C.S., Jaipur
5.	Shri V. R. Anantharaman	A.C.S., Madras
6.	Shri K. V. George	A.C.S., Bombay
7.	Shri M. W. Shrouti	A.C.S., Bombay
8.	Shri M. K. Krishnan	A.C.S., Bombay
9.	Shri S. K. Rao	A.C.S., Madras
10.	Shri Kulwant Singh	A.C.S., Bhubaneswar
11.	Shri N. Venkatasubramanian	A.C.S., Bombay
12.	Shri Kesho Nath	A.C.S., Bombay
13.	Shri R. N. Mehta	A.C.S., Palam.

R. N. Das
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOM

Patna, the 12th September 1979

No. II (7) 2-ET/79/11990—In pursuance of this office E.O. No. 309/78 dated 10-11-78, and 310/78 dt. 10-11-78 following Inspectors of Central Excise/Customs promoted to officiate as superintendent Group 'B', Central Excise/Customs in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200/- plus other usual allowances as admissible under rules have assumed charge as Superintendent, Group 'B', Central Excise/Customs at the places and with effect from the dates and hours as indicated below against each :—

Sl. No.	Name	Place of posting	Date of assumption of charge
(1)	(2)	(3)	(4)
	S/Shri		
1.	C. M. Zerai	Supdt., Central Excise (P) Jamshedpur	28-11-78 (F.N.)
2.	Tarini Prasad	Supdt., Customs, Simrahi (Saharsa)	29-12-78 (F.N.)
3.	Mahesh Chandra Prasad	Supdt., Central Excise (SRP I) Patna	8-2-79 (F.N.)
4.	Tarkeshwar Nath Singh	Supdt., Central Excise Patna Division	17-11-78 (F.N.)
5.	Rewati Raman Sinha, No. 1	Supdt., Customs Muzaffarpur.	16-12-78 (F.N.)
6.	Lakhan Lal	Supdt., Central Excise Karanpura (SRP)	30-1-79 (F.N.)
7.	Krishna Kr. Sinha	Supdt., Gold (Prev) Patna.	15-11-78 F.N.
8.	Balram Prasad	Supdt., Customs (P) Raxaul.	12-78 (F.N.)

(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
9. Ahmad Bashir	Supdt., Customs Garhara T.Y.	12-3-79 (F.N.)	
10. Kalyan Kr. Roy	Supdt., Central Excise Jamadoba (SRP)	16-1-79 (F.N.)	
11. Bindhyachal Singh	Supdt., Customs Muzaffarpur	20-11-78 (F.N.)	
12. Rajeshwari Prasad	Supdt., Central Excise (P) Dhaubad	16-11-78 (F.N.)	
13. Mustaq Alam	Supdt., Central Excise Mahuda (SRP)	19-1-79 (F.N.)	
14. S. Banerjee	Supdt., Hazaribagh (SRP)	12-12-78 (F.N.)	
15. Ram Chhabila Pd. Singh	Supdt., Central Excise Barkakana (SRP)	29-1-79 (F.N.)	
16. Hari Pd. Dubey	Supdt., Customs (P) Forbesganj	28-11-78 (F.N.)	
17. Hazari Singh	Supdt., Central Excise Purnea Range	16-3-79 (F.N.)	
18. Janardan Pd. Singh	Supdt., Central Excise Sijua (SRP)	17-11-78 (F.N.)	
19. Man Mohan Pandey	Superintendent, C. Ex. Bermo	29-11-78 (F.N.)	
20. K.C. Chakraborty	Supdt., Central Excise Barauni (SRP) Range	23-11-78 (F.N.)	
21. Gajendra Prasad	Supdt., Central Excise Hatia Range	20-11-78 (F.N.)	
22. Raghunath Chaudhary	Supdt., Central Excise SRP Bhowra	27-2-79 (F.N.)	
23. Laxmi Narain	Supdt., Central Excise (SRP) Patna	20-11-78 (F.N.)	
24. Subodh Chandra Mukherjee	Supdt., Customs. Kishanganj	26-12-78 (F.N.)	
25. Ranveer Prasad	Supdt., Central Excise Kusunda (SRP)	27-11-78 (F.N.)	
26. Sita Ram Mishra	Supdt., Central Excise Mugma (SRP)	18-1-79 (F.N.)	
27. Ramyash Choubey	Supdt., Central Excise Sonardih (SRP) Range	22-1-79 (F.N.)	

D. K. SARKAR, Collector
Central Excise : Patna

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 9th October 1979

MERCHANT SHIPPING

No. 6(2)CRA/79.—The Director General of Shipping, Bombay hereby appoints Shri J. P. Pinto to Officiate as Asstt. Director, Seamen's Employment Office, Bombay with effect from the forenoon of the 8th August 1979 and until further orders.

K. S. SIDHU
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 1st September 1979

No. 19013/5/79-Adm.IV.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri A. P. Khanna to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Hydromet), on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 16th August 1979 (FN) until further orders.

Shri Khanna is posted at the Central Flood Forecasting Division at Lucknow.

J. K. SAHA
Under Secy.
for Chairman, Central Water Commission

New Delhi-110022, the 3rd October 1979

CORRIGENDUM

No. A-19012/715/78-Adm.V.—The date of promotion appearing against S. No. 6 in respect of Shri M. V. Desai, Supervisor in this Commission's Notification No. A-19012/707/78-Adm.V, dated 24-7-78 may be read 29-5-78 (F.N.) instead of 6-6-78 (F.N.).

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS) CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 28th September 1979

No. 27-E/N(13)/75-ECII(Vol.II).—Shri L. N. Narasimhan, Executive Engineer (Civil), working as E.E. (Vigilance) in the office of Chief Engineer (Vigilance), C.P.W.D., New Delhi has retired voluntarily from Government service under the provisions of F.R. 36 (K) with effect from 31st July 1979 (A.N.).

S. S. P. RAU
Dy. Director of Administration
for Director General (Works)

New Delhi, the 31st August 1979

No. 1/296/69-FCIX.—Shri Mansinh M. Rana, Chief Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st August 1979.

The 4th October 1979

No. 1/211/69-ECIX.—In pursuance of Ministry of Works and Housing Office Order No. 430 of 1979 Shri H. R. Laroya has taken over as Chief Architect, CPWD in the scale of Rs. 2250—125/2—2500—EB—125/2—2750 with effect from 18th September 1979 (FN) on repatriation from the U.N. assignment in Swaziland under U.N.D.P. as an expert.

H. D. SINHA
Dy. Director of Administration

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 29th September 1979

No. HPB/220/G/II/N.—The following Officiating Assistant Signal and Telecommunication Engineers (Class II) are confirmed in that appointment from the dates shown against each :—

- Sr. No., Name and Date of Confirmation in Class II
1. Shri D. Pinto—9-2-1972.
 2. Shri S. C. Misra—1-3-1975.

KRISHAN CHANDRA
General Manager

MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Polyam Packages Private Limited*

Hyderabad, the 3rd October 1979

No. 1311/TA/560/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Polyam Packages Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU

Registrar of Companies
Andhra Pradesh, Hyderabad

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s Sri Dhandayuthapani High School Committee Private
Limited*

Madras-600 006, the 4th October 1979

No. DN/2864/560(5)/79.—Notice is hereby given pursu-

ant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of M/s Sri Dhandayuthapani High School Committee Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN

Addl./Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Shahzada and Shahzada Lucky Schemes (Chit Fund) Pvt.
Limited*

Jullundur, the 6th October 1979

No. G/Stat/560/2541/6400.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shahzada and Shahzada Lucky Schemes (Chit Fund) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL

Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 9th May 1979

Ref. No. 470/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 81/4, situated at Raja S. C. Mullick Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sunila Choudhuri,
81/4, Raja S. C. Mullick Road,
Calcutta-47.

(Transferor)

(2) Shri Tarabrata Bhattacharya 64, Jodhpur Park,
Calcutta-68.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of undivided half share in premises No. 81/4, Raja Subodh Chandra Mullick Road, P. S. Jadavpur, Calcutta, consisting of 5.5 cottahs of land with building thereon,

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 9-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 28th June 1979

Ref. No. 475/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6B, situated at Swinhoe Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5.1.1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manindra Kr. Ganguly,
6B, Swinhoe Street, Calcutta.

(Transferor)

- (2) M/s. Sukhaneeh Co-operative Housing Society Limited, 227A, Rashbehari Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 3 cottahs 12 chittacks 29 s q.ft. more or less situated at and being the western portion of premises No. 6B, Swinhoe Street, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 28.6.1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

COMPETENT AUTHORITY, IAC : ACQ. RANG.-I, CAL.

Calcutta, the 12th July 1979

Ref. No. Sl.497/TR-488/C-443/Cal-1/78-79.—Whereas, I, V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4 situated at Pretoria St., Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North Calcutta on 12-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Mohonal Goenka
- (2) Sawar Mal Goenka
- (3) Atmaram Goenka
- (4) Chandra Prakash Goenka

(Transferors)

- (2) Shri Vidya Mandir Society

(Transferee)

- (3) Deputy Commissioner of Police (Security Passport, Calcutta.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building together with land-containing an area of one Bigha and Eighteen Cottahs more or less being premises No. 4, Pretoria Street, Calcutta registered before the Registrar of Assurance, Calcutta under deed No. I-148 of 1979.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 12-7-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sm. Subha Mitra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Md. Ehsanul Haque

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

COMPETENT AUTHORITY, IAC : ACQ. RANG.-I, CAL.

Calcutta, the 30th July 1979

Ref. No. TR-501/C-455/Cal-1/78-79.—Whereas, I. I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38, situated at Darga Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land measuring 3 cottahs 0 Chittack and 25 Sft. situated at 38, Dargah Road, registered by the Registrar of Assurance, Calcutta under Deed No. 1-395 of 1979.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 30-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Madhab Prosad Mitra

(Transferor)

(2) Smt. Jogamaya Rani Ghosh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 30th July 1979

Ref. AC-45/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I. S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag no. 496 situated at Hanseswari, P. S. Mogra, Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hooghly on 10-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.076 acres situated at Holding no. 38, Hanseswari Road, P. S. Mogra, District, Hooghly more particularly as per deed no. 100 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.
Ludhlana.

Date : 30-7-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ashoka Rani Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Smt. Ilabati Dutta
2. Sri Sibabrata Dutta &
3. Sri Debabrata Dutta

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV : CALCUTTA**

Calcutta, the 31st July 1979

Ref. AC-49/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag no. 2552 situated at P. S. Chinsurah, District : Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chinsurah on 25-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .096 acres situated District : Hooghly, P. S. Chinsurah, I. L. No. 19, Kh. No. 200, Dag no. 2552, Holding no. 53/47, more particularly as per deed no. 181 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed
Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 3-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY IAC : ACQ.
RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1979

Ref. No. SI.498/TR-494/C-442/Cal-1/78-79.—Whereas, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

38 situated at Wellington St., Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Kanak Lal Saha (Transferor)
- (2) Wellington Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) Calcutta Dyeing and Cleaning Co. (Person in occupation of the property)
- (4) 1. S. M. Pyne. 2. Dr. M. K. Chatterjee 3. Amal Banerjee 4. Ramesh Saha 5. A. K. Ghosh 6. Nirmal K. Ghosh 7. S. N. Chatterjee. 8. Nilay Kr. Ghosh. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one & partly two storeyed building on an area of 4 cottahs and 440 sft. being premises No. 38 Nirmal Chandra Street, Cal., (also known as 38, Wellington St., Cal.) registered before the Registrar of Assurance, Calcutta, under deed No. 81 of 1979.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 1-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kamala Jindal
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Debika Chakravarty Flat No. 5, 4th floor,
8A, Alipore Road Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1979

Ref. No. AC-19/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C.

YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8A situated at Alipore Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Registrar of Assurances, Calcutta on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—296G1/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of and in flat No. 5 of fourth floor of premises No. 8A, Alipore Road, Calcutta, and 1/4th share in land measuring 8-cottahs, 16-chittaks & 29-sq. ft. more or less, Flat space-1000 sq. ft.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed
Kidwai Rd., Calcutta-16.

Date : 2-8-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd August 1979

Ref. No. Ac-20/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8A situated at Alipore Road Calcutta (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 24-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamala Jindal,
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Debi Dalmia,
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) Vendee.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-half share of one flat lying on the 3rd floor of the premises No. 8A, Alipore Road, Calcutta, containing an area of 2000 sq. ft.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 3-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd August 1979

Ref. No. Ac-21/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A situated at Alipore Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 24-1-1979 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Murlidhar Jindal,
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Smt. Sushila Debi Dalmia,
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

- (3) Vendee,
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-half share of one flat lying on the 3rd floor of premises No. 8A, Alipore Road, Calcutta, containing an area of 2000-sq. ft.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 3-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd August 1979

Ref. No. Ac-18/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I. S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 8A situated at Alipore Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Muralidhar Jindal,
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Debika Chakravarty,
Flat No. 5, 4th floor,
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half (½) share of and Flat No. 5 of Fourth floor of premises No. 8A, Alipore Road and 1/44th share in land measuring 8-cottahs, 10-chittaks & 29-sq. ft. more or less.
Floor space = 1000 sq. ft.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 3-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 4th August 1979

Ref. No. 484/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I. VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Vivekananda Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-1-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Babulal Dugar,
15, Noormal Lohia Lane, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Smt. Sohani Devi Sethia 1, Vivekananda Road,
Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of undivided one tenth share in premises No. 1, Vivekananda Road, Calcutta, consisting of land of 5 cottahs two chittacks and two sq. ft. together with a six storied building thereon.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 4-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1979

Ref. No. AC-53/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kh. No. 1095 situated at Mouza Ankurhati Makardah, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 8-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Pradip Kr. Mondal,
- (2) Shri Susanta Kr. Mondal,
- (3) Shri Narayan Mondal,
- (4) Shri Chandi Charan Mondal,
- (5) Smt. Rekha Mondal,
- (6) Shri Jyotsna Mondal,
- (7) Smt. Champa Mondal,
- (8) Smt. Gayatri Dalmi and
- (9) Smt. Alok Lata Mondal.

(Transferors)

- (2) M/s. Chemoco Products, Tosh House.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11 cottahs 3 chittacks with building thereon situated at Mouza Ankurhati Makardah, P. S. Doomjur, District : Howrah, Kh No. 1095, more particularly as per deed No. 53 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 9-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1979

Ref. No. AC-54/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Kh. No. 1095 situated at Mouza Ankurhati Makardah, Dist. Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 8-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Pradip Kr. Mondal,
- (2) Shri Susanta Kr. Mondal,
- (3) Shri Narayan Mondal,
- (4) Shri Chandri Charan Mondal,
- (5) Smt. Rekha Mondal,
- (6) Shri Jyotshna Mondal,
- (7) Smt. Champa Mondal,
- (8) Smt. Gayatri Dalmi and
- (9) Smt. Alok Lata Mondal.

(Transferor)

- (2) M/s. Chemoco Products, Tosh House.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 17 cottah 13 chittacks 18 sft. with building thereon situated at Mouza Ankurhati Makardah, P. S. Doomjur, District : Howrah Kh. No. 1095, more particularly as per deed No. 52 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 9-8-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sarani Chattopadhyay

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ramnarayan Gupta (Agarwal).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV-CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1979

Ref. No. Ac-55/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 3075, situated at Mouza Narsingh Bund, Distt. Burdwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Asansol on 29-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.06 acres with building thereon situated at Kh. No. 2059 Dag no, 3075, Mouza Narsingh Bund, Burdwan, Distt. Burdwan, more particularly as per deed no. 261 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-700016.

Date : 9-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, 22th August 1979

Ref. No. 558/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 C.I.T. Scheme XLVII situated at Raja Basanta Roy Road, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—296GI/79

- (1) (1) Shri Krishna Prasad Dasgupta,
- (2) Shri Sati Prasad Das Gupta,
- (3) Nirmalya Das Gupta,
- (4) Smt. Kalyani Das Gupta,
- (5) Smt. Tulsi Sen,
- (6) Smt. Kalyani Sen Gupta,

4/14, Ekdalia Road, Calcutta,

(Transferor)

- (2) Shivashakti Co-operative Housing Society Ltd., 3, Mangoe Lane, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land containing an area of 5 cottahs 15 chittacks 9 sq. ft more or less situated at plot No. 24 of C.I.T. Scheme No. XLVII on Raja Basanta Roy Road, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 22-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Asit Kumar Ghosh,
47, Patimanghata Street, Calcutta.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Durgadas Saha and Kalidas Saha,
2, Sovabazar Street, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 23rd August 1979

Ref. No. 559/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 66 situated at Sovabazar Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Calcutta on 18-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 6 cottahs 3 chittrecks more or less situated at premises No. 66, Sovabazar Street, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 23-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 24th August 1979

Ref. No. Ac-30/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. 9/4 A situated at seven Tank (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 24-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Surendra Nath Bera,
94A, Seven Tank Lane, Calcutta-30.

(Transferor)

(2) Smt. Sabitri Bose,
2, Raja Bagan Lane, Calcutta-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring one-half portion of 3-cottahs and 30-sq. f. being premises No. 9/4, Seven Tank Lane, Calcutta-30.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 24-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 24th August 1979

Ref. No. Ac-31/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9/4A situated at Seven Tank Lane, Calcutta-30,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 24-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Bidyutlata Bera,
9/4A, Seven Tank Lane, Calcutta-30.

(Transferor)

(2) Smt. Sabitri Bose,
1.2 Raja Engan Lane, Calcutta-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land with building measuring one-half portion of 3-cottahs and 30-sq. ft. being premises No. 9/4, Seven Tank Lane, Calcutta-30.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-8-1979
Seal :

FORM ITNS -

(1) Sri Mohanlal Loyalka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Abatar, Shri Omprakash Bajoria and Shri Ram Gopal Bajoria,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st September 1979

Ref. No. AC-56/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2956 situated at Mouza Raniganj Municipality, Dist. Burdwan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raniganj on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2449 sq. ft. situated at Mouza Raniganj Municipality, Kh. No. 886 and 2625, plot no. 2956 and 2950/3006, Dist. Burdwan more particularly as per deed no. 59 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 1-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Mohanlal Loyalka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Biraji Devi Bajoria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st September 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-57/Acq R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2956 & 2950 situated at Mouza Raniganj Municipality, Dist. Burdwan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raniganj on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2234 sq. ft. situated at Mouza Raniganj Municipality, Kh. No. 886 and 2625, Plot No. 2950 and 2956/3006, Dist. Burdwan, more particularly as per deed no. 60 of 1979.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.Date : 1-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st September 1979

Ref. No. AC-58/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2956 & 82950 situated at Mouza Raniganj Municipality, Dist. Burdwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raniganj on 8-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---------------------------|--------------|
| (1) Sri Mohanlal Loyalka, | (Transferor) |
| (2) Smt. Bhagawati Debi. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2667 sq. ft. situated at Mouza Raniganj Municipality, Kh. No. 886 and 2625, Plot No. 2950 and 2956/3006, Dist. Burdwan, more particularly as per deed No. 61 of 1979,

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 1-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Subhas Chandra Dhar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Purnima Sarkar:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st September 1979

Ref. No. AC-59/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S.K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14 situated at T. N. Chatterjee Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cossipore on 14-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs 11 chittaks 33 sq. ft. situated at 14, T. N. Chatterjee Street, Mouza Palpara, District 24-Pargana, more particularly as per deed no. 981 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 1-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Nathmal Joradia and Sri Sivram Joradia.
(Transferor)(2) Kamala Devi Baid.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st September 1979

Ref. No. AC-60/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 99/315 situated at Mouza Deogram, Kh. No. 33/1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—296GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 acres situated at Mouza Deogram, Kh. 33/1, Plot no. 99/315, Siliguri, Distt. Mouza Darjeeling, more particularly as per deed no. 164 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 1-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(2) Sri Nathmal Jorodia, and Smt. Shivrām Joradia,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sangita Devi Baid.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16, the 1st September 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. AC-61/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K.
DASGUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Plot No. 99/315 situated at Mouza Dehgram, Kh. No. 33/1,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Shiliguri on 8-1-1979
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 66 Decimal
situated at Mouza Debgram, Kh. No. 33/1, Plot no. 99/315
Shiliguri, Dist. Darjeeling more particularly as per deed no.
165 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Girdharilal Saraf,
34, Pussa Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ginia Devi Saraf,
11, Jatindra Mohan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st September 1979

Ref. No. 589/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11A, situated at Jatindra Mohan Avenue, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that one sixth share in the six storied building containing an area of 8 cottahs 9 chittucks 14 sq. ft. of land situated at 11A, Jatindra Mohan Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 1-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 21st September 1979

Ref. No. 599/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2E at 95, Southern Avenue, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.
(Transferor)

(2) Sri Amitava Khastgir,
95, Southern Avenue, Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 2E situated at 95, Southern Avenue, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta under Deed No. 315 of 1979.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 1-8-1979
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) Smt. Manjusree Sinha,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 21st September 1979

Ref. No. 598/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, S. K. SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. AE at 95,
Southern Avenue, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 3E situated at 95, Southern Avenue, Calcutta registered under deed No. 314 of 1979 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 21-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Jharna Sengupta, 95 Southern Avenue,
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,

Calcutta-16, the 21st September 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. 597/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR
SEN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. 1C at 95,
situated at Southern Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer
at Calcutta on 20-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SHEDULE

All that entire flat No. 1C situated at 95, Southern Avenue,
Calcutta registered under deed No. 313 of 1979 before the
Registrar of Assurances, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Date : 21-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANG-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 21st September 1979

Ref. No. 596/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 6/C

situated at 95 Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sm. Malati Bhattacharjee,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 6/C situated at 95, Southern Avenue, Calcutta registered under deed No. 205 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Date : 21-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sri P. S. Ananta Narayan,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANG-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA**

Calcutta-16, the 21st September 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 594/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR
SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Flat No. 3D situated at 95 Southern Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on
16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 3D situated at 95, Southern Avenue,
Calcutta registered under Deed No. 203 of 1979 before the
Registrar of Assurances, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 21-9-1979
Seal :

FORM JTNS

(1) Luke Co-operative Housing Society Ltd.
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Suresh Chakraborty,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANG-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,

Calcutta-16, the 21st September 1979

Ref. No. 593/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. Flat No. 4D situated at 95, Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 4D situated at 95, Southern Avenue, Calcutta registered under Deed No. 200 of 1979 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—296GI/79

Date : 21-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Dipika Sikdar,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANG-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,

Calcutta-16, the 21st September 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 595/Acq.R-III/79-80./Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 3/B

situated at 95, Southern Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 3/B, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta under Deed No. 204 of 1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta.

Date : 21-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri R. K. Sikdar,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,

Calcutta-16, the 21st September 1979

Ref. No. 592/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Flat No. 3/A

situated at 95, Southern Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 3/A situated 95, Southern Avenue, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta under Deed No. 199 of 1979.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 21-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Krishna Sengupta, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 600/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25000/- and bearing

Flat No. 1A situated at 95 Southern Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 16-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 1A on the 1st floor situated at
95, Southern Avenue, Calcutta.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 9-10-1979
Seal :

FORM ITNS

M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri S. K. Basu, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 601/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 5D situated at 95, Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 5D on the 5th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Chanda Das Gupta, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 602/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Flat No. 1D, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 20-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 1D on the 1st floor situated at 95,
Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 9-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri A. . Gupta, 158 P. A. Sha Road, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 603/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 8C, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 20-1-79.

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 8C on the 8th floor situated at 95,
Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 9-10-1979

Seal :

FORM ITNS

M's. Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Sabitri Das, 117/M/2, Pann Nagar, Kanpur-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III CALCUTTAObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 604/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1F, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 16-1-1979.for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such, transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire at No. 1E on the 1st floor situated at 95,
Southern Avenue, Calcutta.VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 9-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Ramendra Nath Ghosh. 95. Southern Avenue, Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 605/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 8C, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 20-1-79.

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 8C on the 8th floor situated at 95,
Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
28—296GI/79

Date : 9-10-1979

Seal :

FORM ITNS

M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri A. P. Roy, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 606/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Flat No. 9D, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 16-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 9D on the 9th floor situated at 95,
Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 9-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

Sri H. N. Guha, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 607/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Flat No. 4C, situated at 95 Southern Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 20-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 4C on the 4th floor situated at 95,
Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 9-10-1979

Seal :

FORM ITNS

1. M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 608/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASAKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9E, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2. Smt. Uma Sen
95, Southern Avenue,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 9E on the 9th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Date : 9-10-1979
Seal :

FORM ITNS—

1. M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd.,
95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sri B. N. Ghosh
95, Southern Avenue,
Calcutta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 609/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,
VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Flat No. 2D, situated at 95 Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Calcutta on 20-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 2D on the 2nd floor situated at 95,
Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Date : 9-10-1979
Seal :

FORM ITNS—

1. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Mihir Kumar Gangopadhyay

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 610/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 8, situated at Mouza Kankulia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Alipore on 13-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (3) As mentioned at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 1 cottah 15 chittack's 12 sq. ft. situated at plot No. 8 of Mouza Kankulia, P. S. Tolligange.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Date : 9-10-1979
Seal :

FORM ITNS—

1. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Nilima Ghosh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 611/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 9 situated at Mouza Kankulia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 15-1-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 2 Cottah 13 Ch. 32 Sq. ft. situated at plot No. 9 of Mouza Kankulia P. S. Tollygange

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta-16.

Date : 9-10-1979
Seal :

FORM ITNS—

1. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

2. Kamala Kanta Ghosh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 612/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3, situated at Mouza Kankulia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore on 11-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 2 cottahs 5 chittacks 3 Sq. ft. situated at plot No. 3 of Mouza Kankulia, P. S. Tollygunge.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Date : 9-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

1. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sh. Subodh Chandra Mukherjee

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 613/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, J. VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein-after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21/1, situated at Prince Baktier Shah Rd. Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 11-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
29—296GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 2 cottahs 10 chittacks by portion of 21/1 Prince Baktier Shah Rd., Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Date : 9-10-1979
Seal ;

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 615/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 7, situated at Mouza Kankulia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Orient Beverages Ltd. (Transferor)
2. Shri Amarendra Nath Gupta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 2 cottah 7 Sq. ft. situated at plot No. 7 Mouza Kankulia P. S. Tollygunge.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Calcutta.

Date : 9-10-1979
Seal :

FORM ITNS

1. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Manzula Guha

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 14, situated at Mouza Kankulia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-1-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 2 cottah 3 Chittacks 3 Sq. ft. situated at plot No. 14 Mouza Kankulia P. S. Tollygunge.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 26th May 1979

Ref. No. 4/JAN/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31 situated at New Agraharam, Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindigul (Doc. No. 21/79) on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Subbulakshmi Ammal,
2. Sri K. Venkatasubramanian,
3. Sri V. Gopalakrishnan,
4. Sri K. Krishnamurthy,
5. Sri K. Sundararaman &
6. Smt. S. Rajalakshmi.
66, Habibullah Road, T. Nagar, Madras-17.
(Transferor)
- (2) Dr. J. Raja, M.B.B.S., 31, New Agraharam,
Dindigul.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 21/79-S. R. Dindigul

Land & Building at Door No. 31 New Agraharam, DINDIGUL.

O. ANADARAM,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 26-5-1979.
Seal :

FORM ITNSNOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th August 1979

Ref. No. 13/JAN/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 449, 450, 451 & 452 situated at Ammapet Main Road, Salem-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Salem. (Doc. No. 4849/79) on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. K. Sornammal Ammal,
W/o Shri A. Kandasamy Mudaliar,
Opp : Subramania Swami Temple, Fairlands,
Salem.

(Transferor)

- (2) Shri M. P. Subramania Mudaliar,
No. 8, Kanakkar Street, Salem-I.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4849/79 JSRO I, Salem

Land & Buildings at Door No. 449, 450, 451 & 452, Ammapet Main Road, Salem-3.

O. ANADARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 6-8-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th August 1979

Ref. No. 28/JAN/79.—Whereas, I, O. ANADARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

75, situated at North Street, Singarayar Colony, Narimedu, Madurai

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Shenoyanagar, Madurai (Doc. No. 123/79) on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajarathinasamy Nadar,
No. 67-B, Tamil Sangam Road,
Madurai.

(Transferor)

- (2) Smt. K. Vatsala,
D/o Shri S. Karupiah,
No. 44/11, Aruna Nagar, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 123/79 SRO Shenoyanagar, Madurai

Land & Buildings at Door No. 75, North Street, Singarayar Colony, Narimedu, Madurai.

O. ANADARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 6-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) J. Vanajakshi Dr. J. Sanathkumar J. Balagopal,
"Maheswari", G. D. Naidu St., Coimbatore-18

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) The Coimbatore Real Estate Co. Office Layout
No. 1, "B" Block, Coimbatore-14.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madrass-600006, the 5th September 1979

Ref. No. 10023.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2731/1 B, 2, 3, 274/2B, 3A, situated at 275 (Part) Dr. Jagannatha Nagar, Uppilpalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 417/79) on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S.No. 273/1B, 2, 3, 274/2B, 3A 275 (Part) (Doc. No. 429/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madrass-600006.

Date : 5-9-1979
Seal :

FORM ITNS.—

(1) J. Vanajakshi Dr. J. Sanath Kumar J. Balagopal
"Maheswari" G. D. Naidu St., Coimbatore-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 5th September 1979

Ref. No. 10023.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 273/1B, 2, 3, 274/2B, 3A, situated at 275 (Part) Dr. Jagannatha Nagar, Uppilipalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 426/79) on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) The Coimbatore Real Estate Co. Office Layout No. 1, "B" Block, Coimbatore-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at R. S. No. 273/1B, 2, 3, 274/2B, 3A, 275/(Part) Dr. Jagannatha Nagar, Uppilipalayam. (Doc. No. 426/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) J. Vanajakshi Dr. J. Sanathkumar J. Balagopal,
"Maheswari" G. D., Naidu St., Coimbatore-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) The Coimbatore Real Estate Co. Office Layout .
No. 1, "B" Block, Coimbatore-14.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 5th September 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 10023.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

273/1B 2, 3, 274/2B 3A, situated at 275 (Part) Dr. Jagannatha Nagar, Uppilpalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. No. 427/79) in January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Survey Nos. 273/1B 2, 274/2B3A, 275/Part Dr. Jagannatha Nagar, Uppilpalayam
(Doc. No. 427/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—296GI/79

Date : 5-9-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) J. Vanajakshi,
Dr. J. Sanathkumar,
J. Balagopal.
"Maheswari, G. D. Naidu St., Coimbatore 18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) The Coimbatore Real Estate Co. Office Layout
No. 1, "B" Block, Coimbatore-14.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 5th September 1979

Ref. No. 10023.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

273/1B2, 3, 274/2B3A, 275 (Part) situated at Dr. Jagannatha Nagar, Uppilpalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 429/79) in January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at R. S. No. 273/1B, 2, 3, 274/2B3A, 275/Part Dr. Jagannatha Nagar, Uppilpalayam.
(Doc. No. 429/79)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 6th September 1979

Ref. No. 6925.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 1, situated at Chari Street, Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, (Doc. No. 90/79) on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) A. M. Kothandapani Thevar, Lakshmi Ammal, 79, Sami Naicken St., Chintadripet Madras.

(Transferor)

(2) Shri Ranganayaki, Shri Sridharan, Shri M. Devanathan 15, Ramakrishna St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 1, Chari St., T. Nagar, Madras-17. (Doc. No. 90/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006

Date : 6-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th September 1979

Ref. No. 10023.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 273/1B, 2, 3, 274/2B 3A, 275 (Part) at Dr. Jagannatha Nagar, Uppilipalayam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 430/79) on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri J. Vanajakshi,
Dr. J. Sanath Kumar,
Shri J. Balagopal,
"Maheswari", G. D. Naidu St., Coimbatore-18.
(Transferor)
- (2) The Coimbatore Real Estate Co. Office Layout,
No. 1, "B" Block, Coimbatore-14.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at R.S. No. 273/1B, 2, 3, 275/2B3A, 275 (part) Dr. Jagannatha Nagar, Uppilipalayam, (Doc. No. 430/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 5-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) D. Veerappan Chettiar,
53, Subbarayulu Nagar, Thiruppapuliur Cuddalore.
(Transferor)
- (2) Smt. G. Vatsala Devi.
52, Sanjivi Naidu St., Thiruppapuliur,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th September 1979

Ref. No. 8478.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107, Bodi Chetty St., situated at Thiruppapuliur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Cuddalore (Doc. No. 98/79) on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 107, Bodi Chetty St., Thiruppapuliur.
(Doc. No. 98/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 5-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Lakshmi Machine Works Ltd.,
Perianaickenpalayam, Coimbatore-641 020.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Lakshmi Card Clothing Manufacturing Company (P)
Ltd.,
Kuppuswamy Naidupuram Post 638 662, Coimbatore
Dt.
(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 5th September 1979

Ref. No. 10017.—Whereas, J. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 459/2, 468/1&2, 469, situated at 470, 471/1, 472 Perianaickenpalayam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam (Doc. No. 51/79) on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lands, at S.No. 459/2, 468/1 and 2, 469, 470, 471/1 and 472 at Perianaickenpalayam, Coimbatore Dt. in extent of 8 Acres and 85 Cents and 74 sq. ft.
(Doc. No. 51/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-9-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th September 1979

Ref. No. 10016.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 243 situated at Palladam (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palladam (Doc. No. 44/79) on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. Sambandam,
Official Receiver,
on behalf of Shri Lalan Thomas,
113A, Mangalam Road, Palladam, (Transferor)
- (2) Lovely Thomas,
Perur House,
Chengana Cherry (PO) Kerala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at S. No. 243 and pump set and tiled house at Palladam.
(Doc. No. 44/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 5-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 5th September 1979

Ref. No. 10031—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 2525 Door Nos. 59, situated at 60, 70, 71, Ootacamund, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 144/79) on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri A. Sheik Mohamed M. Shahul Hameed, Main Bazar, Ootacamund,
(Transferor)
- (2) Shri M. Gul Mohamed Sait S/o Shri V. Muthaliff Rowther,
Upna Cottage, Gool Mohamed Sait Line,
Ootacamund,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in R.S. No. 2525 of Ootacamund Door Nos. 59, 60, 70 and 71.
(Doc. No. 144/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006

Date : 5-9-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006**

MADRAS-600 006, the 5th September 1979

Ref. No. 10068.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 55/2A2 and 56/2A2, situated at Sangapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 367/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—296GI/79

(1) A. Shri A. Srinivasan, 14/21-1, Sivananda Colony, Coimbatore.
(Transferor)

(2) Shri K. Neelavathy, 1/21A, N. G. Narayanaswamy St., Siddapudur, Coimbatore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in T.S. No. 55/2A2 and 56/2A2 Sangapur 14/21-I, Sivananda Colony, Tatabad, Coimbatore.
(Doc. No. 367/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006

Date : 5-9-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1979

Ref. No. 6920.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 53, Usman Road, situated at T. Nagar, Madras-17, (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 5/79) on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri J. Jamuna,
8-2-701/A, Road No. 12, Banjra Hills Hyderabad-34.
(Transferor)

(2) Shri G. Ramakrishna and Geetanjali,
93, Habibulla Road, T. Nagar, Madras-17.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 53, Usman Road, T. Nagar, Madras-17.
(Doc. No. 5/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 6-9-1979

Sd/-

FORM ITNS—

(1) Shri Vedavalli Ammal,
18, Hindi Prachara Sabha St., Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1979

Ref. No.: 8486.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No. 14, situated at Dr. Varadarajan Road, Vedachala Nagar, Guntur Village, Chinglepet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chinglepet (Doc. No. 145/79) on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri P. K. Doraiswamy Reddiar,
S/o. Kothandrama Reddiar,
345, Kodur Village, Madurantakam TK.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 14, Dr. Varadarajan St., Vedachala Nagar, Guntur Village, Chinglepet.

(Doc. No. 145/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 6-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 6th September 1979

Ref. No. 6932.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 315 and 316, (95A) Mount situated at Road, Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, (Doc. No. 128/79) on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Abdul Majeed Khan,
Shri Abdul Aziz Khan,
Shri Abdul Hamid Khan,
14, Esuf Labbal St., Madras-5.

(Transferors)

- (2) Tan India Wattle Extracts Co. Ltd.
315 and 316, Mount Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 315 and 316, Mount Road, Madras-18.
(Doc. No. 128/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006

Date : 6-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th September 1979

Ref. No. 10052.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 1165, 1162, 1163, situated at Ebenezer Villa, Missionary Hill, Ootacamund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 233/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri B. B. Mundkur,
Prop : M/s Ulka Advertising,
Deepak Mahal, Vir Nariman Road, Bombay-1.
(Transferor)

(2) Mrs. Balbir Kaur,
Widow of late Lt. Col. Gurbachan Singh,
Whitefields, Bangalore.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 'Ebenezer Villa, Missionary Hill R.S. No. 1165, 1162 and 1163, Ootacamund, (Doc. No. 233/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 7-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th September 1979

Ref. No. 10015.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 7, Anamalai Hills situated at Valparai (Muthumalai Estate) G. S. No. 1/1-C-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. No. 26/79), on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri S. Nachimuthu Gounder,
(2) Shri N. Janardhanan,
(3) Shri A. S. Ramaswamy,
(4) Shri A. K. Manickam,
(5) Shri A. K. Balashanmugham,
Sethumadai Road, Anaimalai(PO).
(Transferors)

- (2) (1) Shri C. Alamelu Achi,
15, Kamber St.,
Mahalingapuram Pollachi.
(2) Shri V. Meenakshi Achi,
13, Kamaraj St., Mahalingapuram, Pollachi.
(3) Shri M. Lakshmi Achi,
135, Bazaar St., Pollachi.
(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 7, G.S. No. 1/1-C-1, Anaimalai Hills Village Valparai (Muthumalai Estate).
(Doc. No. 26/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 7-9-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th September 1979

Ref. No. 10015.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6, G.S. No. 1/1-C-1 situated at Anamalai Hills Valparai (Ramarmalai Estate), (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. No. 27/79) on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) (1) Shri S. Nachimuthu Gounder,
- (2) Shri M. Janardhanan
- (3) Shri A. S. Ramaswamy,
- (4) Shri A. K. Manickam
- (5) Shri A. K. Balashanmugha

Sethumadaj Road, Anaimalai.

(Transferors)

- (2) (1) Shri C. Alamelu Achi,
- 15, Kambar St.,
- Mahalingapuram Pollachi.
- (2) Shri M. Lakshmi Achi,
- 135, Bazar St., Pollachi.
- (3) Shri V. Meenakshi Achi,
- 13, Kamaraj St., Mahalingapuram, Pollachi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 6, G.S. No. 1/1-C-1, Anaimalai Hills Village, Valparai (Ramarmalai Estate).
(Doc. No. 27/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 7-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 7th September 1979

Ref. No. 6952.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/17C, New No. 89, situated at Anna Salai, Madras-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 81/79) on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Ldr. Jamshid Dinsha Italia (Retd.),
Dr. Farid J. Italia Attorneys of the Estate of late
D. D. Italia, Dinroze Estate, Madras-2.
(Transferor)
- (2) Mrs. S. M. Rajiha Beevi, W/o, M. M. Ahamed,
Shri A. Mohamed Jameel S/o, M. M. Ahamed,
Hotel Sheriff, 89, Anna Salai, Madras-2.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 89 (6/17C), Anna Salai, Madras-2.
(Doc. No. 81/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006

Date : 7-9-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) (1) Shri V. K. S. Abdul Majeed,
 (2) Shri V. K. S. Kalifulla,
 (3) Shri V. K. S. Jafarullah,
 Moorkanamalaipatti, Pudukottai Dist.
 (Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
 SIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1979

Ref No. 8475/79.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. T.S. No. 3604/4 situated at Jail Road, Pudukottai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pudukottai (Doc. No. 182/79) on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32—296GI/79

- (2) Shri P. Abdul Hameed, S/o. Shri N. M. Pichali Ibrahim,
 Timber Merchant, North Main Road, Pudukottai.
 Document No. 182/79 SRO Pudukottai.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No. 3604/4 Jail Road, Pudukottai.

RADHA BALAKRISHNAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Madras-600 006

Date : 10-9-1979
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1979

Ref. No. 8473/79.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 40 No. 46 situated at Yanaon Vingadasalapillai Street, Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Pondicherry (Doc. No. 11/79) on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Senthuyyar Chinnappan,
(2) Shri Senthuyyar Valantheen,
46, Yanaon Vingadasalapillai Street, Pondicherry.
(Transferor)

- (2) Smt. S. Clementine Saint Gues,
Rep. by : Saint Gues Simon,
156, Thattotou Kalapet,
Ulavakarai Vattam, Pondicherry,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 11/79 JSRO I Pondicherry.

Land and buildings at Door No. 46, Yanaon Vingadasalapillai Street, Pondicherry.

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 12-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rajam Vaithianathan,
32, Madhavan Road, Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Bharathi,
Care of Vijaya Hospital, Madras-26.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 12th September 1979

Ref. No. 6926/79.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3, situated at Sterling Road, Nungambakkam, Madras-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Madras (Doc. No. 97/79) on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Document No. 97/79 SRO T. Nagar, Madras.
Land & Buildings at Plot No. 3 R.S. No. 533/25 Sterling Road, Nungambakkam, Madras-34.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-9-1979

Seal :

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

FORM ITNS—

(1) S/Ldr. Jamshed Dinsha Italia (Retd.)
Dinroze Estate,
1/17, Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) The Central Co-op. Printing Works Ltd.,
New No. 71, Anna Salai, Madras-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 18th September 1979

Ref. No. 6958/P. 1/79.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 71 (New Number) situated at Anna Salai, Madras-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Triplicane, Madras, (Doc. No. 38/79) on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Doc. No. 38/79/P.1 SRO Triplicane, Madras
Land and buildings at Door No. (New) 71, Anna Salai,
Madras-2.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 18th September 1979

Ref. No. 6958/P. 2/79.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door (New No.) 77 situated at Anna Salai, Madras 2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Triplicane, Madras (Doc. No. 38/P. 2/79 on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Ldr. Jamshed Dinsha Italia (Reid.)
Dinroze Estate,
1/17, Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

(2) The Central Co-op Printing Works Ltd.,
New No. 71, Anna Salai, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 38/P. 2/79 SRO Triplicane, Madras

Land and buildings at New Door No. 77, Anna Salai, Madras-2.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006

Date : 18-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. P. L. Kothai,
W/o. Shri Palaniappan,
33, K. K. Pudur, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) (1) Shri Valampuri Somanathan and
(2) Shri Palaniappan,
Mayileru, Periasamy Road, Coimbatore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 18th September 1979

Ref. No. 10058/79.—Whereas, I, RADHA BALAKRISH-
NAN,

being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 201-A, situated at 3rd Street, Gandhipuram, Coimbatore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
SRO Gandhipuram, Coimbatore (Doc. No. 195/79) on
January 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
pose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 195/79 SRO, Gandhipuram, Coimbatore
Land and buildings at Door No. 201-A, 3rd Street, Gandhi-
puram, Coimbatore.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 18-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th August 1979

Ref. No. 1019/A/Saharanpur.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 16-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gajendra Singh s/o Shri Sant Singh Dua,
R/o Ambala Road, Saharanpur.
(Transferor)
- (2) Sardat Iqbal Singh s/o Shri Sant Singh,
R/o Patel Nagar, Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 2/424/1 situated at Mehalla Sarai Dhoom Singh Gali Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 30,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 17th August 1979

Ref. No. 742/Acq/Etawah. --Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawah 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devendra Pd. s/o Jai Chand,
Gaushala, City Etawah.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Surendra Kaur Joje,
(2) Shri Darshan Singh and Shri Santosh Singh
Bhatia S/o Dela Singh,
R/o Etawah Moh. Choughari and
(3) Shri Mohan Chand S/o Mahadee Pd.,
(4) Shri Harish Chand S/o Bafeshwar Pd.
R/o Etawah Mohalla Kashganj,
(5) Shri Abdul Malik, Abdul Salim S/o Haji Abdul
Gaffar
R/o City Etawah Moh. Naurangabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Barus Bathopur sold for apparent consideration of Rs. 20000/-, the fair market value of which has been determined at Rs. 1,00,370/-

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 17-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

- (1) The General Talkies Limited,
7, M. J. Building, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) M/s. Gopal Das Estate and Housing Private Limited,
28 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 902-A/Ghaziabad.—Whereas, I, B. C.

CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Ghaziabad on 31-1-79,

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the trans-
feree for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot of 4600 sq. yds. Bagh Bhatnari, G.T. Road Ghaziabad
sold for an apparent consideration of 7,00,000/- the fair market
value of which has been determined at Rs. 10,08,940/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

33—296GI/79

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date : 18-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ajit Singh s/o Indrapal Singh,
Sarswati Mandi Suraj Kund Road, Meerut City.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Faizal Ali s/o Shri Zafar Ali Khan,
R/o No. 1 R.A. Lines Meerut Cantt.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th August 1979

Ref. No. 939-A/Meerut.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 2-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Clement Street, Hazari Ka Piao, Meerut for apparent consideration of Rs. 48750/- the fair market value of which has been determined at Rs. 75000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 20-8-1979
Seal :

FORM INS—

- (1) Shri Chander Bhan Gaba s/o Shri Dhani Mal Gaba,
R/o Quarter No. 1 Lal Singh Quarters, 4 Dhamen-
wala Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Lal Bahadur Lal S/o Shri Guru Deen,
R/o 13/242 Parmat Kanpur New at Dehradun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 31st August 1979

Ref. No. 648-A.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Dehradun on 11-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for which transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at 19/1 Mohini Road, Dehradun
sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 31-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st September 1979

Ref. No. 922-A/Meerut/980.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed-Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baghpat on 15-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chandra Bhan Pissar late Munshi Lal, Kamil minor, Sambhudhan, Sahdes, Ashok s/o Shri Chandra Bhan R/o Tatori Pargana and Tehsil Baghpat Distt. Meerut.

(Transferor)

- (2) Shri Rameshar Dayal s/o Lala Babu Ram, Smt. Angoori Devi W/o Shri Deo Karan Das R/o Agarwal Mandi Tatori, Pargana and Tehsil Baghpat Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property with boundry situated in Agarwal Mandi Tatori Pargana and Tehsil Baghpat Distt. Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-9-1979

Seal -

FORM ITNS(1) Ch. Desraj Singh s/o Shri Ch. Chhotu Ram,
R/o Old Market Malviya Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ved Prakash Sharma s/o Shri Chiranjec Lal
Sharma 1001 West Gorekh Park Shahadara Delhi
32 and Smt. Surdes Chawla w/o Shri Kishori Lal
Chawla, R/o 1/9263 West Rohtasnagar Shahadara
Delhi 32.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 1st September 1979

Ref. No. 899-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C.
CHATURVEDI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. As per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Ghaziabad on 17-1-1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publications of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette;**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.**THE SCHEDULE**A cinema Building No. 1030 and 1030A situated in Murad-
nagar Distt Ghaziabad sold for an apparent consideration of
Rs. 4,50,000/-.**B. C. CHATURVEDI**
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur

Date : 1-9-1979

Seal :

FORM ITNS ———**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 6th September 1979

Ref. No. 1013/Acq/Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 12-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vidyadhari Johari W/o Shri Chandradhar Johari, Shri Prabhat Kumar Johari R/o 56, Ilyat Road, Calcutta, Project Engineer Indian Explosive Ltd; Calcutta Mukhtar-a-am and s/o Smt. Vidyadhari Johari Majkoor Hall Varid, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Govind Pd., Mahesh Chandra, Ashok Kumar, Bakunth Nath, Shri Gopal Dass and Brij Bihari s/o Shri Phool Chand R/o Namak Ki Mandi, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 25/35 and Plot No. 21-A situated at Vijay Nagar Colony, Agra sold for an apparent consideration of Rs. 2,40,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th September 1979

Ref. No. 907-A/G.Bad.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 9-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ravendra Singh s/o Pitam Singh,
R/o Village Barnauli, Post Khas Parg. and Tehsil
Sardhana Distt. Meerut.
(Transferor)
- (2) Shri Indrajit Singh Vedi s/o Chanchal Singh Vedi,
R/o 3/8 Desh Bandhu Marg Paharganj, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agra, land situated at Village Mirpur Kala Parg. and Tehsil Hapur Distt. Ghaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/- and the fair market value has been determined at Rs. 1,38,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Dated : 7-9-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 11th September 1979

Ref. No. 918-A.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hardwar on 22-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vaidya Vishnu Datt s/o Late Pt. Vaidya Ramchand,
R/o Mohalla Rajghat, Kankhal Post Khas, Pargana Jwalapur, Roorkee, Saharanpur.
(Transferor)
- (2) Himalaya Property Agents, Upper Road, Hardwar through Sri Sant Kumar Sharma s/o Pt. Jai Narain Sharma R/o Kankhal Mohalla Latovali share holder of Himalaya Property Agents, Upper Road, Hardwar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per enquiry made by this office and the evidence available with us the fair market value of agricultural land is more than 15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-9-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1979

Ref. No. GRG/27/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANJA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 20 kanal 6 marlas with Tubewell fitted thereon and situated at Village Daulatpur Nazirabad (Gurgaon),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gurgaon in February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
34—296GI/79

(1) Shri Sampat S/o Shri Deep Chand Ahir R/o Village Mulahera Teh. & Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s Usha Stud and Agriculture Farm (P) Ltd. Village Daultpur Nazirabad. Distt. Gurgaon.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing land measuring 20 kanal 5 marla along with Tubewell and a room, situated at Village Daulatpur Nazirabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3663 dated 2-2-1979 with the Sub Registrar, Gurgaon.

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bimla Chaudhari Wd/o Shri Lachhman Dass,
House No. 188, Model Town, Panipat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Radhey Sham S/o Shri Kidar Nath and Shri
Roop Chand S/o Shri Lachhman Dass resident of
Panipat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1979

Ref. No. PNP/11/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land measuring 5 Bigha 2 Biswa situated at Patti Rajputan, Panipat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing land measuring 5 Bigha 2 Biswa situated at Pathi Rajputan, Panipat and as more mentioned in the Sale deed registered at No. 4264 dated 19-1-1979 with the Sub Registrar, Panipat.

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Satish Kumar Jain S/o Raja Ratti Ram Jain,
Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/15/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Line, Gurgaon situated at Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Raj Pal Singh Sarna S/o Shri Ishar Singh Sarna and Ishar Singh Sarna S/o Shri Inder Singh Sarna R/o G-Block Hari Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, Gurgaon and as more described in the Sale deed registered at No. 3586 dated 25-1-1979 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 1-9-1979,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/16/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, situated at Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. K. Jain So Raja Ratti Ram Jain, 1, Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

- (2) Shri Harvinder Singh Chhatwal S/o Shri Darshan Singh Chhatwal R/o 136, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, Gurgaon and as more described in the Sale deed registered at No. 3587 dated 25-1-1979 with Sub Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 1-9-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. K. Jain, S/o Shri Raja Ratti Ram 1, Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jasbir Kaur W/o Jagjit Singh C-7, Green Park Ext. New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/17/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, situated at Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Registering Officer at and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, Gurgaon and as more described in the Sale deed registered at No. 3588 dated 25-1-1979 with Sub-Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 1-9-1979.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri S. K. Jain S/o Raja Ratti Ram Jain I, Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kalwant Kaur W/o Shri Jasbir Singh C-7, Green Park Ext. New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/18/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, situated at Gurgaon, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, Gurgaon and as more described in the Sale deed registered at No. 3589 dated 25-1-1979 with Sub Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 1-9-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. K. Jain S/o Raja Ratti Ram Jain 1, Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh S/o Shri Darshan Singh Chhatwal, C-7, Green Park Ext., New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/19/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, situated at Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, Gurgaon and as more described in sale deed registered at No. 3590 dated 25-1-1979 with the Sub Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 1-9-1979,
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Shri S. K. Jain S/o Raja Ratti Ram Jain, 1, Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/20/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, situated at Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Kirtan Kaur W/o Shri Darshan Singh Chhatwal, R/o C-7, Green Park Etc., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines Gurgaon and as more described in sale deed registered at No. 3591, dated 25-1-1979 with the Sub Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 1-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. K. Jain S/o Raja Ratti Ram Jain 1, Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Darshan Singh Chhatwal S/o Mehtab Singh, 136, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/21/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, situated at Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
35—296GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being 1/8th share in kothi No. 3, Civil Lines, Gurgaon and as more described in sale deed registered at No. 3592, dated 25-1-1979, with Supb Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 1-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/22/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, situated at Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. K. Jain S/o Raja Ratti Ram Jain 1, Civil Lines, Gurgaon,
(Transferor)

(2) Shri Jagjit Singh Chhatwal S/o Darshan Singh Chhatwal, C-7, Green Park Ext., New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, Gurgaon and as more described in sale deed registered at Sr. No. 3593, dated 25-1-1979, with the Sub Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 1-9-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Parsa S/o Shri Telu Ram, R/o Vill. Munak, Teh. Assandh.

(Transferor)

(2) Shri Attar Singh S/o Shri Daya Singh, R/o Vill. Gagsina Teh. Assandh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st September 1979

Ret. No. ASD/2/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 79 kanals 14 marlas, situated at village Munak, Teh. Assandh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Assandh in January 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 79 kanal 14 marlas situated in village Gagsina, Teh. Assandh and as mentioned more in the sale deed registered with the Sub Registrar, Assandh at serial No. 2091, dated 9-1-1979.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 21-9-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BUILDINGS
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 4th August 1979

Ref. No. L.C. 314/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 22-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dr. Indira Devi,
2. Shri Krishnan.
3. Shri Govindan.
4. Shri Sivan.
5. Shri Vijayan. } (by Indira Devi)
Kizhakke Thottakkattu House, Ernakulam.
6. M/s Joseph Michael & Bros., Palai (by Joseph Mathew).

(Transferee)

- (2) 1. Smt. Girija Devi,
2. Smt. Nalini,
3. Smt. Saraswathi,
4. Smt. Parvathi, and
5. Sri Sivarama Krishnan, Kizhakke Thottakkattu House, Ernakulam.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 right over 58.5 cents of land and building as per schedule attached to Doc. No. 222/79 of SRO, Ernakulam.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 4-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri N. Sivathanu Pillai, Director of Physical Plant,
Kerala Agricultural University, Trichur.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Mathew,
2. Sosamma,
3. Roy M. Mathew,
4. Nissy Mathew,
5. Sosamma Mammen, and
6. Sherry Mathew, C/o Muthoot Brothers, Kozhen-
cherry.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BUILDINGS
ANAND BAZAR, COCHIN-682016
Cochin-682016, the 7th September 1979

Ref. No. L.C. 319/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA
MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-
ble property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trivandrum,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Chalai on 16-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
pose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

43 cents of land in Sy. Nos. 2613/2, 2614/2, 2615/2 of
Chengazhassery Village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-9-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mathew, K. U. "Molmunmount", Kunnukuzhi, Trivandrum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ammini Valsan, T.C. 13/831-832, Kunnukuzhi, Trivandrum.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

ANJIPARAMBIL BUILDINGS

ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 10th September 1979

Ref. No. L.C. 333/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trivandrum,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trivandrum on 3-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9 cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 37/79 of SRO, Trivandrum.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 10-9-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. V. Anandavally, W/o C. G. Kesavan, Advocate, Quilon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Devadasan Nair and Shri P. Achuthan Nair, Mangattu Veedu, P.O. Vettoor, Varkala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BUILDINGS
ANAND BAZAR, COCHIN-682016**

Cochin-682 016, the 10th September 1979

Ref. No. L.C. 331/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Varkala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 28-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

40 cents of land with buildings as per schedule to Doc. No. 328/79 of SRO, Quilon.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 10-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. V. Anandavally, W/o Shri C. G. Kesavan,
Advocate, Quilon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. Ashraf, Puthenvila Veedu, Odayam, Varkala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BUILDINGS
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 10th September 1979

Ref. No. L.C. 332/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Varkala,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Quilon on 29-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

61 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 327/79 of SRO, Quilon.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 10-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Karim (For M/s Mytheen Kunjhu & Sons Pvt. Ltd.), Quilon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohanan Nair, S/o Dr. K. P. Nair, Nair Hospital, Quilon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BUILDINGS
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 13th September 1979

Ref. No. L.C. 335/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Quilon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 30-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—296GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

30 cents of land as per schedule attached to document No. 348/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 13-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Karim (For M/s Mytheen Kunjhu & Sons Pvt. Ltd.), Quilon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. K. Parameswaran Nair, Nair Hospital, Quilon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

ANIIPARAMBIL BUILDINGS

ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 13th September 1979

Ref. No. J.C. 336/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Quilon, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Quilon on 30-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 cents of land with building as per schedule attached to document No. 349/79.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BUILDINGS
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 13th September 1979

Ref. No. L.C. 337/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule, situated at Quilon, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 30-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Abdul Karim (For M/s. Mytheen Kunju & Sons Pvt. Ltd.), Quilon.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmikutty Amma, W/o Dr. K. P. Nair, Nair Hospital, Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

30 cents of land with building as per schedule to document No. 350/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 13-9-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jwala Pd. Jalan & Sri Sawal Ram Jalan, sons of late Sri Maliram Jalan, No. 8/1A Nafar Kundu Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 17th April 1979

Ref. No. III-317/Acq/79-80/131.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khunti on 8th January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Samar Singh Jaiswal, Managing Director of M/s Bardhan Brothers (Pvt.) Ltd., 27B Camac Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Several pieces or parcels of land measuring 9 acres 61 decimals together with all messuage houses, out-houses, bungalows, godown, building, sheds and structures erected thereon bearing :

Plot No.	Khata No.	Plot No.	Khata No.
158	.. 2/16	207	.. 40/5
167	.. 2/11	161,162,163,164,165 & 166	51
170	.. 2/11	533 & 534	.. 52
147	.. 2/15	160	.. 51
204,205,206	39	147	.. 2/16
152	.. 39	487	.. 38

Situated in village Dudri and Murhu, Pargana Sonapur, Thana and sub registry Khunti in the district of Ranchi morefully described in deed No. 7 d/d 8.1.79

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 17-4-1979

Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 28th June 1979

Ref. No. III-333/Acq/79-80.—Whereas, I. J. NATH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 237, Khata No. 2, Tauzi No. 9, Khewat No. 1 situated at village Bahadurpur, P.S. Pirbapore at present known as Kankarbagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna City on 12-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Enclosure (A)

- (1) M/s "Bihar Cable Company", Kankarbagh Road, P. S. Sultanganj, Dist. Patna through its partners namely:—
 - (i) Sri Madan Lal Bishnoi.
 - (ii) Sri Dr. Shantilal Bishnoi
Both sons of Sri Hari Dutta Bishnoi, resident of Boring Road, P. S. Kotwali, Dist., Patna.
 - (iii) Smt. Suresh Kumari Bishnoi W/o Sri Ratan Lal Bishnoi, resident of Srikrishnapuri, P.S. Kotwali, Dist., Patna.
 - (iv) Sri Anjani Kumar Bishnoi S/o Sri Madanlal Bishnoi, resident of Boring Canal Road, P.S. Kotwali, Dist. Patna representing himself through his lawful attorney Sri Madanlal Bishnoi S/o Daridutta Bishnoi of Boring Canal Road, P.S. Kotwali, Dist. Patna.
 - (v) Sri Udai Bishnoi S/o Sri Ratan Lal Bishnoi resident of Srikrishnapuri, P.S. Kotwali, Dist. Patna.
 - (vi) Sri Devendra Kumar Singh, and
 - (vii) Sri Yogendra Kumar Singh.

Both sons of Sri Rajendra Kumar Singh resident of Baradai F.S. Kotwali, Dist. Muradabad representing themselves through their lawful attorney Sri Ratanlal Bishnoi S/o Sri Haridutta Bishnoi of Mohalla Srikrishnapuri P.S. Kotwali, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) M/s Road Transport Corporation Head Office at 14, Tarachand Dutt Street, Calcutta-73, zonal office at R. K. Bhattacharjee Road, Patna-1, through the zonal Manager, Sri B. S. Jain S/o late Sri Ugger Jain, holder of power of attorney on behalf of all the partners of the said Road Transport Corporation namely Sri Kishan Lal Sureka s/o late Sri Kani Ram Sureka.

- (ii) Sri Ghanshyam Das Goyal.
- (iii) Sri Brahma Nand Goyal.
- (iv) Sri Om Prakash Goyal.
- (v) Sri Tara Chand Sureka s/o late Sri Kani Ram Sureka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of raiyati land measuring about 25½ (twenty five and half) Kathas being part of plot No. 237, Khata No. 2, Tauzi No. 9, Khawat No. 1, situated at village Bahadurpur, under pargana Azimabad Survey, P.S. Pirbapore, which is at present known as Kankarbagh under pargana Azimabad Survey, P.S. Sultanganj, Thana No. 10, District Patna, Sub Registration Office Patna City under P.R.D.A. including three godowns, one pucca room, one transformer room, one Kutcha built house including boundary walls on three sides measuring 155 feet from east to west; main Road and 235 feet from North to South from eastern side, 145 feet from east to west from the northern side and 220 feet from North to South on the Western side.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 28-6-1979.

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Patna-800001, the 25th September 1979

Ref. No. III-346/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 8 (old) 15 (New) Circle No. 23, Sheet No. 67, Holding No. 6 situated at Ashoke Raj Path, Patna (Near Patna Market),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 15-1-1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Abdul Moiz, S/o Sheikh Abdul Aziz, Mohl. Muradpur, P.S. Pirbahore, Patna Town.

(Transferor)

(2) Shri Jainath Prasad, S/o Late Sri Debi Lal Sah, resident of Rudhika Niwas, Anugraha Narain Road, (New Area) Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

(3) M/s Top Tailoring, Muradpur, Patna.

(2) M/s Big Ben Watches, Muradpur, Patna.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A share of 2 annas 8 paise in a house property situated at Ashoke Raj Path in area .37 Kari at Muradpur, Ashoke Raj Path, P.S. Pirbahore, Patna more fully described in deed No. 247 dated 15-1-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Patna

Date : 25-9-1979.

Seal :

FORM IINS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 23rd August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/589.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Ajmer, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ajmer on 9-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Ram Swaroop Hingad s/o Ganeshtilal Hingad.
2. Dhanpat Kumar (Minor).
3. Kumari Kusmlata (Minor) son and Daughter of Shri Ram Swaroop Hingad Nehru Nagar, Beawar.
(Transferor)
- (2) 1. Ranglal.
2. Hardin ss/o Mangla.
3. Ganpat minor son through father Shri Mangla R/o Village Dantra Teh. Ajmer.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 37 bigha and 12 biswa including well situated at Village Dantra Teh. Ajmer and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Ajmer vide registration No. 680 dated 9-3-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 23-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 31st August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/590.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Madanganj Kishangarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kishangarh on 26-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

M/s Mahavir Sizing Factory Through its partners—Shri Ladulal, Shri Prakash Chand and Shri Mahavir Prasad sons of Shri Navratan Mal Gangwal Jain. Resident of Village Dadia, Teh. Kishangarh and Shri Jatan Singh, Shri Gopichand and Shri Nahar Singh sons of Shri Gulab Singh Mehta, Resident of Village Dasuk, Teh. Kishangarh.

(Transferors)

2. M/s Oswal Silying Industry, Through its partners Javarilal Modula (HUF) Through Trilokchand, S/o Javarilal, Smt. Prem Devi, W/o Sohanlal, Smt. Siriadevi, W/o Trilokchand Resident of Bagusari, Teh. & Distt., Ajmer and Mahavir Pd. S/o Bheru Singh Jamad, Surender Kumar, S/o Gulab Singh Saklecha, Ashok Kumar, S/o Jethmal Mehta, Madanganj, Kishangarh, Ajmer.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Azadpur Madanganj Kishangarh and more fully described in sale deed registered by S.R. Kishangarh vide registration No. 119 dated 26-3-1979.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 31-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 23rd August 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/591.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. A-29 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
37—296GI/79

- (1) Shri Kamal Chand Navlakha s/o Seth Sirehmal Navlakha Jain Oswal R/o Kundi Gar Ke Bheru ka Rasta Chokri Ghat Gate, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Rameshwarlal Dalwala s/o Shri Ghisilal Vaish Agarwal R/o Nathmal ji ka Chowk Chokari Ghat Gate, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Plot No. A-29 Janta Colony facing West and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 16 dated 6-1-1979,

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 23-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I,

Jaipur, the 4th September 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/592.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 27-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kumari Rashmi Bansal D/o Srikishan Bansal Plot No. A-27 Kanti Chandra Marg Bani Park, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Shyamsunder Lal Bafna s/o Shri Vishnunal Bafna R/o 7 Ka 15 Jawahar Nagar, Jaipur.
(Transferee)
- (3) M/s National Seeds Corporation, Jaipur (Tenant).
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house named as Bansal Bhawan situated at Gulab Path Sardar Patel Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 116 dated 27-1-1979.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 4-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 4th September 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/593.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Jaipur, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kumari Rashmi Bansal D/o Srikishan Bansal Plot No. A-27 Kanti Chandra Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Shyamsunderlal Bafna s/o Shri Vishnulal Bafna R/o 7 Ka 15 Jawahar Nagar, Jaipur.
(Transferee)

(3) M/s National Seeds Corporation (Tenant) Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house named as Bansal Bhawan situated at Gulab Path Sardar Patel Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 28 dated 21-1-1979.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 4-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 4th September 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/594.—Whereas, I M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 27-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kumari Rashmi Bansal D/o Srikishan Bansal Plot No. A-27 Kanti Chandra Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferor)

(2) Kumari Aruna Bafna D/o Shri Shyamsunder Lal Bafna R/o 7 Ka 15 Jawahar Nagar, Jaipur.
(Transferee)

(3) M/s National Seeds Corporation, Jaipur (Tenant).
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house named as Bansal Bhawan situated at Gulab Path Sardar Patel Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 117 dated 27-1-1979.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 4-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kumari Rashmi Bansal D/o Srikishan Bansal Plot No. A-27 Kanti Chandra Marg, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 4th September 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/595.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 30-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Sardar Kumari W/o Shri Shyamsunderlal Bafna R/o 7 ka 15 Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferee)

(3) M/s National Seeds Corporation, Jaipur (Tenant).
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house named as Bansal Bhawan situated at Gulab Path Sardar Patel Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 192 dated 30-1-1979.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 4-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Shyama Devi Wd/o late Shri Kapoor Chand Sanghi Plot No. J-47 Krishna Marg C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 4th September 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/596.—Whereas, I M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. J-47 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 9-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-

(2) Shri Nihal Chand s/o Shri Gulab Chand Kasliwal Plot No. J-47 Krishana Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Plot No. J-47 Krishna Marg C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 265 dated 9-2-1979.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 4-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bansilal, S/o Shri Laxmichand Jain 775, Baldarpur, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chhaganmal, S/o Keshrimal, and Shri Mangilal Pannalal, S/o Chhaganmmal, Sadar Bazar, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1321/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing HOUSE situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 1st January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 288 on plot No. 166/1 at Gorakhpur, Jabalpur.
Date : 29-8-1979

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-8-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1322/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 13th March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri
1. Virendrakumar Samaiya,
2. Arvind Kumar Samaiya,
3. Santosh Kumar Samaiya, sons of Ghasiram Samaiya, 528, Hanumantal, Jabalpur.
(Transferor)

(2) S/Shri
1. Amritlal Jain,
2. Dayachand Jain,
3. Rajendrakumar Jain,
4. Kewalchand,
5. Prakashchandra,
6. Ajay Kumar,
7. Rajkumar, sons of Amritlal Jain and
8. Mukesh Kumar Jain, resident of 117, Lordganj, Jabalpur.
(Transferees)

(3) Tenants.

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 874 on plot No. 45 measuring 1100 sft. at Lordganj, Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1323/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot and House situated at Dewas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on 8th January 1979, apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
38—296GI/79

- (1) S/Shri
1. Vasant Trimbakrao Pande,
2. Rajnikant, s/o Trimbakrao Pande,
3. Madhusudan, S/o Chandrasekhar Pande,
4. Smt. Parvati Bai, Wd/o Chandrasekhar Pande,
5. Yeshwant, S/o Madhusudan Pande, 12, Jail Road, Dewas.

(Transferor)

- (2) M/s Sanghvi Brothers, Maharaja Tukojirao Cloth Market, Indore through partners.

(Transferee)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as 'Kishorkunj' on Dewas Ujjain Road, Dewas (Plot measuring 3.84 acres out of survey No. 65 of Dewas Jr. Plot with structure standing thereon in Ward No. 4, Dewas).

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sardar Harban Singh S/o Sardar Wazir Singh, 12,
Tajpat Kunj, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Khushiram, S/o Hiranand Kekwani, Nai Basti,
Katni.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 29th August 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1324/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
House situated at Jabalpur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Jabalpur on 28th March 1979,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.

House No. 12 constructed on plot measuring 2245 sft. at
Napier Town, Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 29-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Freni Rustomji Gerda, W/o Rustom Bomenji Gerda, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1325/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 31st March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) S/Shri
1. Rochiram, S/on Amulmal;
2. Chanderlal,
3. Lalchand and
4. Narayandas, sons of Shri Rochiram, Amul Market, Omti Jabalpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. 776 of North Civil Lines (Napier Town) with Nazul Plot No. 20/2, Block No. 1, Civil Station, Jabalpur measuring 20473 sft.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1326 '79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jabalpur, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jabalpur on 31st March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sardar Rajindra Singh Sareen, No. 4, Lajpat Kunj, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) S/Shri
1. Bhagwandas, S/o Bulchand Rupchandani;
2. Smt. Hira Bai, W/o Bhagwandas;
3. Shri Ishwarlal Roopchandani, 1071, Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 1071-B to B/2, Napier Town, Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-8-1979

Seal :

FORM IINS

(1) Smt. Ishwaribai, W/o Khanohandji, 213, Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sewaram, S/o Basharamji, 213, Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE
BHOPAL**

Bhopal, the 31st August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1327/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 2nd January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house No. 212 on Rakba 2241.6 sft. at Palsikar Colony, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1328/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Ujjain, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 4th January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chhotabhai S/o Purshottamdasji Patel, Madhavnagar, Ujjain.
(Transferor)
- (2) Shri Keshavdeo, S/o Harprasadji Gupta Madhavnagar, Ujjain.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house Municipal No. 6/328 (New No. 51) situated at Amarsingh Marg, Ujjain.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1329/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Sohagpur (Dist. Hoshangabad), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Piparia on 4th January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Sire Kunwar, W/o Shri Vallabhdasji Bhattar, Piparia, Teh. Sohagpur, Distt. Hoshangabad.

(Transferor)

(2) Shri Ishwardas, S/o Manakchand Gandhi (Maheshvari), C/o Ms. Mohanlal Manekchand, Gole Bazar, Pipariya, Teh. Sohagpur, Distt. Hoshangabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 105, Kh. No. 174 at Deogaon, Pipariya, Tilak Ward, Teh. Sohagpur, Distt. Hoshangabad.

K. K. ROY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ganpatrao, S/o Ramraoji Jawkar 34, Bansi Press Ki Pichhali Chal, Malwa Mills, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rukhabchand, S/o Hiralal Jain, 7, Marothia Bazar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1330/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16th January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 19 on Rakba 1728 sft. at Ram Laxman Bazar, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sadashiv Shankar Raude.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sharadabai, W/o Ganesh Bhalerao, 48-B, Rajendra Nagar, Indore

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1331/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 15th January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. 48-B, Rajendra Nagar, Indore.

K. K. ROY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—296G1/79

Date : 7-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1332/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Manganj (Damoh), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Damoh on 3rd January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri 1. Raghavendra Singh, 2. Vanmali Singh 3. Yadumath Singh, sons of Thakur Makundsingh Rajput, 'Rampur, Teh. and Distt. Damoh,

(Transferor)

(2) Shri Devandrakumar, S/o Babulal Jain, Mohalla Manganj, Distt. Damoh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 59, at Manganj, Mohalla No. 1, Tehsil and Distt., Damoh.

K. K. ROY

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-9-1979

Seal.

FORM ITNS—

(1) Shri Devendrakumar, S/o Babulal Jain Manganj
No. 1, Teh. and Distt. Damoh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1333/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Manganj (Damoh).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Damoh on 3rd January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(2) S/Shri

1. Makund Singh;
2. Raghvendrasingh;
3. Deshraj Singh;
4. Vanmali Singh;
5. Yadunath Singh;
6. Bhagat Singh, Rampur, Teh. and Distt. Damoh.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

House on land bearing No. B-306, Halka No. 59-A. Man-
ganj Mohalla No. 1, Teh. and Distt. Damoh.

K. K. ROY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1334/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing House situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 1st January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajendrakumar, S/o Phulchand Yadav 181, Mohalla Dixit Pura, Uprenganj Ward, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) S/Shri Prakashchand and Rajendrakumar (Minors) both sons of Shri Balam Sahu, through guardian mother Smt. Gopi Bai, W/o Balam Sahu, 224, Uprenganj Ward, Jabalpur—at present Parasar Colony, Cherital Ward, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Nagar Nigam No. 90/J, 90/J1 to 90/J7 at Cherital Ward, Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sadashivrao, S/o Shanker Rao Akolkar, Station Road, Mandsaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Omprakash, S/o Bhuralalji Sutar, Sharma, Mandsaur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 10th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1335/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House and land situated at Mandsaur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandsaur on 12th January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—286GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 29 with open land situated at Station Road, Mandsaur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 10-9-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 10th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1336/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing open land and Garrange situated at Mandsaur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mandsaur on 12th January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sadashiv, S/o Shanker Rao Akolkar, Station Road, Mandsaur.
(Transferor)
- (2) Shri Bhagwanswaroop and Shri Mukesh, both sons of Shri Omprakash Sharma, 29, Station Road, Mandsaur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot with a garage and pacca Otala, total Rakba 3048.75 sft. at Station Road, Mandsaur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 10-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Anopkumari, W/o Anokhilal Dakh Jain Dalu
Modi Bazar, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Tassadak Husain, S/o Yusuf Ali Bohara Tal-
wala, Chandni Chowk, Lakhadpitha, Ratlam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1337/79-80.—Whereas, I,
K. K. ROY,
being the Competent Authority under Section 269B of
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Plot situated at Ratlam,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Ratlam on 25th January 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been o.
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12/337 Rakba 7000 sft. at Mitra Niwas Road,
Ratlam.

K. K. ROY

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 10-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Anopkumari, W/o Anokhilalaji Dakh, Dalu
Modi Bazar, Ratlam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shabbirbhai, S/o Hakimuddin Bohra, Singapurwala, Chandni Chowk, Lakhadpitha, Ratlam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th September 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1338/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 25th January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 12/337, Rakba 7000 sft. at Mitra Niwas Road, Ratlam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, BhopalDate : 10-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Hasib Ahmad and Mohd. Ahmad, sons of Ahmad Mujtuba, Amirganj, Shahjehanabad, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Nareshkumar, S/o Harishchand and Shri Harishchandra, S/o Jiyandmal, Legal Guardian of S/Shri Kamleshkumar, Sunder and Prakashchandra, Islmigate, Shanjenanabad Bhopal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1339/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 3rd January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

40—296GI/79

THE SCHEDULE

Double storeyed house No. 3 on Rakba 3248 sft. at Amirganj, Shahjehanabad, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 12-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
DHARWAR-4

Dharwar-4, the 30th July 1979

Notice No. 249/79-80/Acqn.—Whereas, I, P. RANGA-NATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar, being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1064 on site No. 49 situated at K. R. Puram, G. K. Extension, Hassan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hassan, Under Document No. 3316 on 4-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gowramma W/o Late H. A. Hanumanthiah,
35, 7th Main Road, Yadavagiri, Mysore-2.
(Transferors)

(2) Smt. Noor Aish W/o Feroz Hazarath Rahim,
4286, Vallabhai Road, Hassan.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3316 Dated 4-1-1979]
Property bearing house No. 1064 on site No. 49 consisting of land, residential building, a garage and out house, situated at K. R. Puram, G. K. Extension, Hassan.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 30-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
DHARWAR-4

Dharwar-4, the 30th July 1979

Notice No. 250/79-80/Acqn.—Whereas, I, P. RANGA-NATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Revenue No. 450 and Land Registration No. 38964, situated at Porvorim of the Freguesia of SOCORRO Village of SERULA, Taluka of Bardez, Sub-district of Bardez (Goa) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mapusa-Bardez, Under Document No. 17 or 6-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (a) Sri Francisco Xavier Teodore De Miranda, R/o Loutulim, Salcete.
- (b) Mrs. Maria Dos Anjos Adelina Gonsalves Miranda, R/o Loutulim, Salcete.
- (c) Sri Antonio Renato Menezes, Porvorim, Goa.
- (d) Mrs. Maria Luisa Ana Ribeiro Da Costa Menezes, Porvorim.
- (e) Miss Maria Manuela Paulacina Luciana Barreto Xavier, R/o Margao.
- (f) Mr. Jose Critsovam Pinto, Betim, Bardez.
- (g) Mrs. Telma Margelina De Sa e Pinto, Betim, Bardez (Goa).

(Transferor)

- (2) Mr. Shyam Shankardas Nathani, R/o Porvorim, Bardez (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 17 Dated 6-1-1979]
Property bearing Land Registration No. 38964 at Book B 100 and Revenue No. 1695 of the Primeira Circunscricao which contains a Residential House bearing Revenue No. 450. The property known as "Fondem Gallum" and "Villa Maem" consisting of four properties. The properties bearing Land Registration No. 38840 at Book B-99; No. 38841 at Book B-99; No. 40833 at Book B-104 and No. 40834 at Book B-104. All properties situated at Porvorim, Tq. Bardez.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 30-7-1979
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Nimmagadda Satyanarayana,
S/o Ramulu, Duggirala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kambhampati Venkateswara Rao,
S/o Sitaramaiah, Duggirala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 6th July 1979

Ref. No. 897.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Duggirala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Duggirala on 29-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 52 before the S.R.O. Duggirala on 29-1-79.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date : 6-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Palepu Venkataramana and others,
Oil Merchant, Near Udipi Hotel, Main Road,
Kakinada-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-
TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Badam Prabhakar Rao, Jawahar St.,
Kakinada-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE
KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. 901.—Whereas, I, K. SUBBA RAO,
being the competent authority under section 269B of the in-
come-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as
the 'said Act') have reason to believe that the immovable pro-
perty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.

33-1-55 situated at Main Road, Kakinada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kakinada on 3-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered docu-
ment No. 34 dated 3-1-79 registered before the S.R.O.
Kakinada.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi.

Date : 7-8-79

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. Acq. File No. 902.—Whereas, I, K. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2-42-72 situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 8-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rebeccamma, P.
Ruth Children Home,
Bommuru Road, Rajahmundry.
Bommuru Road, Rajahmundry.

(Transferor)

- (2) Sri P. J. Ranjan, Director,
Evangelists' Helping Hand,
Bommuru, Rajahmundry Tq. E.G. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 126 dated 8-1-79 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date : 7-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. Acq. File No. 903.—Whereas, I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

20-40-86 situated at 1st Road, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dr. P. Ramamurthy,
D. No. 14-76, Gandhipuram-2,
Rajahmundry.

(Transferor)

- (2) Sri P. J. Ranjan,
Director, Evangelist's Helping Hand,
Bommuru, Rajahmundry Tq.
East Godavari District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 248 before January 1979 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date : 7-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. 907.—Whereas, I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/227 situated at 16th Ward, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 6-1-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Smt. Grandhi Ranganayakamma,
S/o Brahmanandam,
(ii) G. Venkataramana,
S/o Brahmanandam,
(iii) G. Ramakrishna,
S/o Brahmanandam,
(iv) G. Laxminarayana,
S/o Brahmanandam,
(v) G. Veerana,
S/o Brahmanandam,
(vi) G. Suryanarayana,
S/o Brahmanandam,
(vii) G. Nagaraju,
S/o Brahmanandam,
Venugopalaswamy Street, Rajahmundry.
(Transferor)
- (2) M/s. Bonam Krishnamurthy and
Venugopala Rao,
Laxmivarapu Pet, Rajahmundry.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 110 dated 6-1-79 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date : 7-8-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. 908.—Whereas, I. K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-3-15 situated at Gandu St. Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kakinada on 25-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed, by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

41—296GI/79

- (1) (i) Smt. Ramadevu Rani,
W/o Satyanarayana,
- (ii) Shri Kurma Rao,
S/o Satyanarayana,
- (iii) Shri Nageswara Rao,
S/o Satyanarayana,
- (iv) Shri Murali Krishna,
S/o Satyanarayana,
Jagannaickpur, Kakinada.

(Transferor)

- (2) (i) Smt. Bandaru Laxmi
W/o Satyanarayana,
- (ii) Smt. Bhagyalaxmi
W/o Venkata Koteswara Rao,
- (iii) Smt. Suryakumari
W/o Ramu,
Vanapallivari vedhi Amalapuram.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 393 dated 25-1-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date : 7-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Komma Lakshmi Samrajyam,
W/o Ranga Rao, Patamatalanka,
Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. 939.—Whereas, I, K. SUBBA RAO,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000.- situated at

Gunadala—R.S. No. 395/2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on 19-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) The Navaranga Co-operative Housing Society,
Rep. by Nallamilli Bhaskar
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document
No. 275 dated 19-1-79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date : 7-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sumatibai Marotrao Dhanwantay. (Transferor)
- (2) Rajlaxmi N. Pawar. (Transferee)
- (3) 1. M/s. Orwo Pvt. Ltd.
 2. M/s. Mehra Carpet Show Room,
 3. M/s. Motor Industries Co., Ltd.
 4. J. L. Morison Son & Jones (India) Ltd.,
 5. M/s. Textiles Committee,
 6. M/s. Bradma of India Ltd.
 (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
 SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 30th June 1979

Ref. No. A.R.I./4119.9/79.—Whereas, I, V. S. SHESHA-
 DRI, being the Competent Authority under Section
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'),
 have reason to believe that the immovable property,
 having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
 bearing
 C.S. No. 98-B of Worli division situated at A. Basant Road,
 Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Ac,
 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
 Bombay on 16-1-1979
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid
 property, and I have reasons to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration
 for such transfer as agreed to between the parties has not
 been truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered deed No. 2240/
 73 Bom. and as registered on 16-1-79 with the Sub Registrar
 Bombay.

V. S. SESHADRI,
 Competent Authority,
 Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 30-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 30th June 1979

Ref. No. A.R.I./4118.18/79.—Whereas, I, V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 98-B Worli division situated at Dr. A. Basant Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Bombay on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sumatibai Marutitrao Dhanwantay. (Transferor)
- (2) Ushadari Shankar Rao Powar. (Transferee)
- (3) 1. M/s. Orwo Pvt. Ltd.
2. M/s. Mehra Carpet Show Room,
3. M/s. Motor Industries Co., Ltd.
4. M/s. I. L. Morison Son & Jones (India) Ltd.,
5. M/s. Textiles Committee,
6. M/s. Bradma of India Ltd.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule as mentioned in the registered deed No. 2239/73/Bom. and as registered on 16-1-79 with the subregistrar Bombay.

V. S. SHESHADRI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 30-6-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th July 1979

Ref. No. AR-I/4111-1/Jan.79.—Whereas, I, V. S. SESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 85/10 of Matunga Dadar Divn. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

42—296GI/79

- (1) 1. Ramchandra S. Billampalli,
2. Indirabai S. Billampalli,
3. Vijaykumar S. Billampalli,
4. Anilkumar S. Billampalli,
5. Hanmant S. Billampalli,
6. S. S. Billampalli,
7. Miss Mangola S. Billampalli.

(Transferors)

- (2) 1. Navnital Manilal, 2. Lilavati N. Shah.

(Transferee)

- (3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. Bom/236/78, and registered on 1-1-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 30-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1979

Ref. No. AR-I/4117-7/Jan.79.—Whereas, I,
V. S. SESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 165 situated at Malabar & Cumballa Hill Divn.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18th January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Nazima Alma Latif
2. Smt. Jameela M. Lukhmani
3. Shri Kamran A. Latifi
4. Shri Danial A. Latifi
5. Shri Iqbal M. Lukhmani
6. Smt. Nasreen Mehboob Latifi
7. Smt. Anjum Farhan Lukhmani
8. Miss Yasmeen M. Lukhmani
9. Miss Nasreen Mehboob Latifi
10. Miss Azra K. Latifi
11. Shri Anjum K. Latifi
12. Miss Iffet Mehboob Latifi.

(Transferors)

- (2) M/s. Kalpatru Builders (P) Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 3464/72/Bom. and registered on 18-1-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Smt. Jyoti Parasram Narang.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1979

Ref. No. AR-IV/8/87314/79-80.—Whereas, I,
V. S. SESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 109 TPS-II situated at Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-1-79 (document No. R.5252/70)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (2) New Vishwa Jyot Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferee)

- (3) 1. Smt. Vimla Krishna
2. Smt. Panchana Sharda Bhaskar Nair
3. Shri Velji Valji Nathani
4. Shri Tulsidas Morarji Sampur
5. Shri Manilal Laxmichand Vora
6. Shri Kanji Purshottam Toprani
7. Shri Satyandra Vithaldas Thakkar
8. Smt. Nirmala Mangaldas Kapadia and
Smt. Malti Jamnadas Hariyani
9. Smt. Kusumben Kantilal Bhuptani
10. Shri Sumanlal Dalpatram Tailor
11. Shri Arvindbhai Ishwarlal Patel
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. R 5252/70/Bom. and registered on 17-1-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Glosswell (India) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Enterprises, Co-op. Premises Society Ltd.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1979

(3) Sr. No. and Name of the tenant.

Ref. No. AR-II/2744-6/Jan.79.—Whereas, I, P. L. ROONGIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 45 Final Plot No. 1223 situated at TPS.IV Mahim, Bombay-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mrs. Sabina D'souza
2. Mrs. Netali D'souza
3. Mrs. Netali D'souza
4. Shri Devji Kashinath Patil
5. Shri Pandu Rama Bhoir
6. Shri Benjamin Trinidado
7. Shri M. M. Brito
8. Shri Feliz D'souza
9. Shri Thomas D'mellow
10. Shri Balu Sadashiv
11. M/s. Jay Motor Repowering
12. M/s. Kewal Bros.
13. M/s. Ahuja Type Foundry
14. M/s. Ideal Printers
15. M/s. Diana Pelipse Co
16. M/s. Wagle Process Studio
17. M/s. Joseph Leslie and Co.
18. M/s. Poly Pack
19. Smt. Pampa J. Sayani
20. M/s. Swastic Textiles
21. M/s. Suman Art Prints
22. M/s. Modimaz Engineers
23. Shri T. A. Kachawalla
24. M/s. Jain Metal Industries
25. Shri Rasiklal M. Shah
26. M/s. Panna Products
27. M/s. British Dies Equipmt
28. M/s. B.E.S.T. Undertaking
29. M/s. M.C. Modi
30. M/s. M. C. Modi
31. Smt. Minaxi M. Zaveri
32. Smt. Sudha J. Zaveri
33. M/s. Miraco Industries
34. M/s. Ahuja Type Foundry
35. Shri Vinayak P. Verekar
36. M/s. Jay Motor Repowering
37. M/s. Arun Hostel
38. Smt. Leela B. Boolani
39. M/s. Vijeta Trading Corp.
40. Shri Bhajaulal B. Ound
41. M/s. Gopilal B. Lund
42. M/s. Pravin B. Gandhi
43. M/s. B. A. Bachooali
44. M/s. Shroff Multi Plast
45. M/s. Pack Art Prints
46. Shri Shabanali Ramzanali
47. M/s. Matoshri Mudranalaya
48. Shri T. N. Shenoy
49. M/s. Meera Boutique
50. M/s. Shree Rajmudra

Sr. No. and Name of the tenant

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

51. M/s. Unity Printing Press
52. M/s. Alanka
53. Dr. S. D. Dabholkar
54. M/s. Arco Industries
55. M/s. Blue Star Ltd.
56. Shri Gajanan N. Chonkar
57. M/s. Pestonji & Co.
58. M/s. Pestonji & Co.
59. M/s. Arphi Incorporated
60. Dr. Ratan H. Doctor
61. M/s. G.B.C. Printing
62. M/s. Bharat Electronics
63. M/s. Camball Electronics
64. M/s. Camball Electronics
65. M/s. Remit Mfg. Co.
66. Smt. Smita M. Sabnis
67. M/s. Sovereign Printery
68. M/s. Deepak Printers
69. Shri S. P. Sharma
70. Smt. Yashodabai C. Gupta
71. Shri G. D. Mohota
72. Shri Rasiklal A. Dagli
73. Shri Navalchand J. Shah
74. Shri B. K. Shivdasani
75. Shri Hariomlal Parmanand
76. Smt. Renuka H. Vaswani
77. Smt. Pramodini M. Wagle
78. M/s. Noble Trading
79. Shri Satish J. Shringi
80. M/s. Vin Vish Corp.
81. M/s. Machsons Pvt. Ltd.
82. M/s. Textogravurs
83. M/s. Electromag Methods
84. Shri Ulhas S. Pai
85. M/s. V. S. Soni & Co.
86. M/s. M.P. & G.M. Advani
87. M/s. The Vacuum Forming
88. M/s. Pravin Laboratory
89. M/s. Nina Printers
90. M/s. Industrial Equipt.
91. M/s. Industrial Equipt.
92. M/s. Industrial Instruments
93. Smt. Kamalabai Gopaldas
94. Shri P. A. Paston Jamas
95. Smt. Mangalaben Mohanlal
96. M/s. A. R. Chohan & Co.
97. Smt. Rekha M. Mehtani
98. Shri Asha H. Mirchandani.

(Persons in occupation of the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 3575/70 (Bom.) and registered on 18-1-1979.

V. S. SESHADRI,
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

- (4) The Church of Our Lady of Salvation,
Dadar, Bombay-28.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Date : 8-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th October 1979

Ref. No. RWR/CAL/Ito3/78-79.—Whereas, J. E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2823, in Gokal Bazar (Moti Chowk) situated at Rewari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gaudi Devi Bindawala,
R/o 6, Hanspukur, 1st Lane,
Calcutta-7.

(Transferor)

(2) 1. Shri Surinder Kumar Jain,
2. Smt. Kiran Mala Jain
3. Shri Subhash Chand Jain
R/o House No. 2823, Moti Chowk,
Rewari.

(Transferees)

(3) Tenants
S/Shri
1. Roshan Lal Vadav
2. Targugi Bhargava
3. Jagdish Parshad
S/o Luxmi Narain
4. Khushi Ram
S/o Mool Chand
5. Sarup Lal Wazir Chand.
6. Gokal Chand Gurdial
7. Fatch Chand
8. Chiman Lal
S/o Tikaya Ram
9. Narain Dass
S/o Khushi Ram
10. Chiman Lal
S/o Tikaya Ram
11. Ram Parshad
12. Mohan Lal
S/o Narain
13. Punjab National Bank.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 2823, Gokal Bazar (Moti Chowk), situated at Rewari and as mentioned more in the sale deeds registered at Nos. 279, 289 and 323 dated 19-1-1979 and 20-1-1979 with the Registering Authority, Calcutta.

E. K. KOSHI,

Competent Authority.

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 15-10-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4-14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 11th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ-1/SR-II/1-79/935.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural Land situated at Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of New Delhi on 9-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Singh
S/o Shri Nihalu
R/o Village Bijwasan,
Tehsil Mehrauli, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Mahabir Singh
S/o Shri Nanchey Mal
R/o Village Bijwasan,
Tehsil Mehrauli, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 19 Bighas and 4 Biswas situated at Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 9-1-1979.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 11-10-1979

Seal :

FORM 11NS

(1) S/Shri Bhikan, Chatter, Ram Phal, Chotey
Ss/o Shri Suraj Mal
R/o Village Shaurpur,
Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Ravi S. Vachani
S/o Shri Sunder T. Vachani
R/o B-22 May Fair Garden,
Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 11th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/1-79/961.—Whereas, I,
MISS ANJANI OZA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Agricultural Land situated at Village Shaurpur,
Tehsil Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 20-1-1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 6 Bighas and 14-2/3 Biswas
situated at Village Shaurpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi
more specifically described in the instrument of transfer re-
gistered on 20-1-1979.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 11-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sunila Choudhuri 81/4, Raja S. C. Mullick Road,
Calcutta-47.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Shibabrata Bhattacharya, 64, Jodhpur Park,
Calcutta-68.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 54 RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16, the 9th May 1979

Ref. No. 469/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 81/4, situated at Raja S.C. Mullick Road 81/4, situated at Raja S.C. Mullick Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 18.1.1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of undivided half share in premises No. 81/4, Raja Subodh Chandra Mullick Road, P. S. Jadavpur, Calcutta-47, consisting of 5.5, cottahs of land with building thereon.

VASKAR SEN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9.5.1979

Seal :

